जबलपुर
शनिवार 25 जुलाई 2026
- आषाढ़ मास 'शुक्ल पक्ष-11
- वर्ष : 21, अंक : 84
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00

मौसम
अधि. 27
न्यून. 23

# हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com


## कुबेरेश्वरधाम पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव का शुभारंभ

### पहले दिन डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे, 29 से महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सीहोर

जिला मुख्यालय के समीपस्थ प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम में शुक्रवार से छह दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। महोत्सव के पहले ही दिन देशभर से डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु कथा श्रवण एवं दर्शन के लिए पहुंचे। आयोजन के अंतर्गत 24 से 28 जुलाई तक शिव महापुराण कथा तथा 29 जुलाई को गुरु दीक्षा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

- छह दिवसीय आयोजन में 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

**देश भर से आए 5 हजार सेवादार करेंगे सेवा**

श्रद्धालुओं की सेवा एवं व्यवस्थाओं के लिए देशभर से आए 5,000 से अधिक सेवादार भंडारे, भोजन प्रसादी वितरण, श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन और अन्य सेवाओं में पूरे समर्पण के साथ जुटे हुए हैं। महोत्सव के पहले दिन श्रद्धालुओं के बीच 10 क्विंटल से अधिक नुक्ति (प्रसाद) का वितरण भी किया गया।

## हिमाचल के लाहौल स्पीति में सूमो पर गिरी चट्टान, 13 लोगों की मौत

### वाहन में सवार सभी यात्री कुल्लू से पांगी जा रहे थे

एजेंसी ▸▸ पांगी

जनजातीय जिला लाहुल-स्पीति के उदयपुर-किलाड़ (तांदी-संसारी राष्ट्रीय राजमार्ग) पर शुक्रवार दोपहर कडू नाला के समीप एक बड़ा हादसा हो गया। कुल्लू से पांगी की ओर आ रही एक टाटा सूमो टैक्सी (एचपी-01एम-2210) अचानक पहाड़ी से गिरी भारी भरकम चट्टानों की चपेट में आ गई। वाहन में ड्राइवर सहित 13 लोग सवार थे, जिनकी मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि उदयपुर-किलाड़ मार्ग पिछले दिन बंद होने के कारण सभी यात्री तिंदी में रुके हुए थे। शुक्रवार को मार्ग खुलने के बाद वाहन पांगी के लिए रवाना हुआ, लेकिन कडू नाला के पास अचानक पहाड़ी से भारी मलबा और पत्थर गिरने से टैक्सी उसकी चपेट में आ गई। घटना के तुरंत बाद सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कर्मचारियों ने राहत कार्य शुरू किया। खराब मौसम और लगातार गिर रहे मलबे के बीच बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

खराब मौसम और लगातार गिर रहे मलबे के बीच बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण बना हुआ

कार पूरी तरह से चपट गई

### हाईकोर्ट की पहल- चार्जशीट दाखिल होने के तीन माह के भीतर फैसला सुनाने का प्रयास होगा

## पेपर लीक और परीक्षा गड़बड़ी के मामलों के लिए प्रदेश में बने चार विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट

**हरिभूमि, जबलपुर।** सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, प्रतिरूपण (इम्पर्सोनेशन) और अन्य अनियमितताओं से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने प्रदेश में चार विशेष फास्ट ट्रैक न्यायालय नामित किए हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया की पहल पर भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और इंदौर में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश स्तर के न्यायालयों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन न्यायालयों में लोक परीक्षाएँ (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम, 2024 के तहत दर्ज मामलों के साथ भारतीय न्याय संहिता, 2023 के संबंधित अपराधों की भी सुनवाई होगी। जबलपुर में 27वें जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश आनंद कुमार सेहलाम, भोपाल में 18वें जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रवीण पटेल, ग्वालियर में आठवें जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश विशाल अखण्ड तथा इंदौर में 26वें जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश डॉ. (श्रीमती) शुभ्रा सिंह को विशेष फास्ट ट्रैक न्यायालय के रूप में नामित किया गया है।उच्च न्यायालय ने संबंधित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को निर्देश दिए हैं कि इन मामलों में आरोपपत्र (चार्जशीट) प्रस्तुत होने की तिथि से तीन माह के भीतर विचारण पूरा कर निर्णय सुनाने का हरसंभव प्रयास किया जाए। इन न्यायालयों का क्षेत्राधिकार उनके मुख्यालय से संबद्ध निर्धारित जिलों तक रहेगा, जिससे पूरे प्रदेश में सार्वजनिक परीक्षाओं से जुड़े मामलों का प्रभावी और त्वरित न्यायिक निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।उच्च न्यायालय का मानना है कि विशेष फास्ट ट्रैक न्यायालयों के गठन से संगठित परीक्षा धोखाधड़ी पर प्रभावी अंकुश लगेगा, दोषियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई संभव होगी और भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य सार्वजनिक परीक्षाओं की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता के प्रति जनता का विश्वास और मजबूत होगा। मुख्य बिंदु-.प्रदेश में चार विशेष फास्ट ट्रैक न्यायालय गठित।

पेपर लीक, इम्पर्सोनेशन और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं की होगी सुनवाई।
.लोक परीक्षाएँ (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम, 2024 के तहत मामलों का होगा विचारण।
.चार्जशीट दाखिल होने के तीन माह के भीतर फैसला सुनाने का हरसंभव प्रयास।
.उद्देश्य—सार्वजनिक परीक्षाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को मजबूत करना।


inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366


**खबर संक्षेप**

### विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर हुआ 676.24 अरब डॉलर

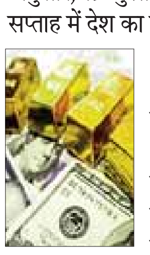

**नई दिल्ली।** आरबीआई के अनुसार, 17 जुलाई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.08 अरब डॉलर बढ़कर 676.237 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले सप्ताह भी इसमें 964 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

### जहरीला मक्का खाने से 5 मोरों की हुई मौत

**बैतूल।** शाहपुर वन परिक्षेत्र में 5 राष्ट्रीय पक्षी मोरों की मौत के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस व वन अमले ने मक्का में जहर मिलाकर खेत में फेंकने वाले आरोपी कमलेश आदिवासी को गिरफ्तार कर लिया है। फसल को पक्षियों से बचाने के लिए जहरीले मक्के के दाने बिखेरे थे। इन्हें खाने से मोरों की मौत हो गई।

### श्रद्धालुओं के वाहन को ट्रक ने रौंदा, 1 की मौत

**खंडवा।** जिले में इंदिरा सागर बांध के जगमूर्ति सेतु के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। वाराणसी से आए श्रद्धालु बांध के पास रुककर सेल्फी ले रहे थे, तभी राखड़ से भरे तेज रफ्तार ट्रक ने उनके टवेरा वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

### सीजेपी के दो प्रतिनिधियों और केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा व जितेंद्र सिंह में मुलाकात

### सरकार और सीजेपी के बीच विट्ठल पटेल हाउस में 2 घंटे तक बातचीत

# केस वापसी-एक करोड़ देने पर सहमति प्रधान के इस्तीफे पर आज दोपहर फैसला

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

*अगर अगले 2-3 दिन में शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं हुआ तो सीजेपी फिर से 20 जुलाई जैसा मार्च कर सकती है*

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के साथ बैठक की। बदलते राजनीतिक घटनाक्रम के बीच हुई इस बैठक में दोनों पक्षों के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। यह बैठक विट्ठल पटेल हाउस में हुई। सीजेपी की ओर से सौरव दास और आशुतोष रांका ने सरकार के साथ बातचीत के लिए सहमति जताई। बताया जा रहा है कि सरकार ने उनकी दो सशर्त मांगें स्वीकार कर ली हैं। इनमें शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई ना करने और हालिया परीक्षा अनियमितताओं से प्रभावित छात्रों के परिवारों को 1 करोड़ मुआवजा देने का आश्वासन शामिल है। हालांकि, सीजेपी अपनी मुख्य मांग पर अब भी कायम है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि उसकी प्रमुख मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की है और इस पर उसका रुख नहीं बदला है। सरकार से बैठक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की हमारी मांग पर सरकार ने शनिवार दोपहर तक का समय मांगा है।

सरकार ने प्रधान मामले में विचार के लिए शनिवार दोपहर तक की मांगी मोहलत

ज्ञापन सौंपते हुए सीजेपी के नेता

» *सरकार ने सीजेपी को पहले केंद्रीय मंत्री नड्डा के घर पर मुलाकात के लिए बुलाया था*

» *सीजेपी ने सरकार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 5 बदलाव भी सुझाए हैं*

### सीजेपी से मुलाकात के बाद नड्डा शाह से मिले

कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं से बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि बैठक करीब दो घंटे तक चली। उन्होंने हमारे सामने तीन प्रमुख मांगें और परीक्षा प्रणाली में सुधार से जुड़े पांच सुझाव रखे। हमने उन्हें बताया है कि हम शनिवार दोपहर फिर उनसे मुलाकात करेंगे और सरकार के भीतर हुई चर्चा की जानकारी देंगे।

**सीजेपी ने उठाए क्या-क्या मुद्दे?**

सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि हमने सरकार के सामने एक और अहम मुद्दा उठाया कि दिल्ली पुलिस बीती रात से लेकर पूरे दिन और आज भी बड़ी संख्या में युवा लड़के-लड़कियों को हिरासत में ले रही है। हिरासत में लिए जा रहे लोगों में जंतर-मंतर से घर लौट रहे लोग, प्रदर्शन स्थल की ओर जा रहे लोग और यहां तक कि प्रदर्शनकारियों के लिए खाना पहुंचाने वाले लोग भी शामिल हैं। पुलिस चुन-चुनकर युवाओं को हिरासत में ले रही है और वकीलों के साथ भी धक्का-मुक्की और बदसलूकी की जा रही है।

### पेपर लीक संशोधन बिल को मोदी कैबिनेट की मंजूरी

# 10 साल की सजा और 10 करोड़ रुपए जुर्माना

- पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट 2024 को मंजूरी
- अगले सप्ताह में मानसून सत्र के दौरान इस संशोधित विधेयक को संसद में पेश करने की तैयारी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक के प्रदर्शन के बीच कैबिनेट बैठक ने पेपर लीक संशोधन बिल को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट बैठक में पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 को और सख्त बनाने के प्रस्ताव पर चर्चा के बाद इसे मंजूरी दी गई। सरकार अगले सप्ताह में मानसून सत्र के दौरान इस संशोधित विधेयक को संसद में पेश करने की तैयारी में है।

**अभी पेपर लीक पर क्या है कानून?**

देश में पहले ही से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 लागू है। इसे 12 फरवरी 2024 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली थी और 21 जून 2024 से पूरे देश में लागू है। सरकार नए संशोधन कर कानून को और सख्त और प्रभावशाली करने की तैयारी में है।

**पहले के कानून में यह हैं प्रावधान**

**पेपर लीक करने पर :** 3 से 5 साल जेल और 10 लाख तक जुर्माना

**गिरोह शामिल होने पर :** 5 से 10 साल जेल और 1 करोड़ तक जुर्माना

**एजेंसी दोषी होने पर :** 1 करोड़ जुर्माना, परीक्षा की पूरी लागत वसूली और अगले 4 साल परीक्षा कराने पर बैन

इस कानून के तहत अपराध गैर जमानती है और समझौता नहीं हो सकता। जांच डीएसपी रैंक या उससे सीनियर अफसर करेंगे।

### तिरंगा लेकर 'शांतिपूर्ण' प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पैलेट गन चलाई

राहुल ने घायल छात्र साहिल को मीडिया के सामने पेश किया

*साहिल के कंधे व आंख में लगे गन के छर्रे*

शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार और पुलिस प्रशासन पर बड़ा हमला बोला। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी के साथ 19 वर्षीय छात्र साहिल लोचाब भी मौजूद थे, जिनकी आंख प्रदर्शन के दौरान लगी गंभीर चोटों के कारण बुरी तरह प्रभावित हुई है।

#### ट्विशा शर्मा मौत मामला

### गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत पर फैसला आज

**भोपाल।** ट्विशा शर्मा मौत मामले में आरोपी गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पर लोकायुक्त विशेष न्यायाधीश रामप्रताप मिश्रा की अदालत में शुक्रवार को विस्तृत सुनवाई हुई। अदालत ने दोनों पक्षों की लंबी बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है, जिस पर शनिवार को निर्णय सुनाया जाएगा। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने दलील दी कि गिरिबाला का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और उनके फरार होने या साक्ष्यों से छेड़छाड़ की कोई आशंका नहीं है।

- अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा

#### शिकायत पर सीबीआई ने बिछाया जाल

### 1.70 लाख की रिश्वत लेते रेलवे अधिकारी गिरफ्तार

**वाराणसी।** बनारस रेल मंडल में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक नितेश अग्रवाल को 1.70 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने एक फर्नीचर ठेकेदार से बकाए बिल पास कराने और ठेका प्रक्रियाओं में मदद के बदले इस रकम की मांग की थी। ठेकेदार की शिकायत का सत्यापन करने के बाद सीबीआई की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और अधिकारी को रंगे हाथ धर दबोचा।

- दफ्तर और आवास पर छापेमारी जारी

### केवीएस राष्ट्रीय खेलों में जबलपुर की शुभी शर्मा ने जीता स्वर्ण

**जबलपुर।** लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू), फगवाड़ा में आयोजित 55वीं केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता-2026 में जबलपुर की प्रतिभाशाली निशानेबाज शुभी शर्मा ने 10 मीटर एयर राइफल (महिला वर्ग) में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। देशभर के केंद्रीय विद्यालयों की शीर्ष 75 महिला खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में शुभी ने प्रथम स्थान हासिल कर शहर और अपने विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि के साथ शुभी का चयन अब स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता के लिए हुआ है। शुभी पिछले चार वर्षों से जबलपुर की 'गन फॉर ग्लोरी' शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण ले रही हैं, जहां उन्हें वरिष्ठ कोच निशांत नाथवाणी एवं सहायक कोच शक्ति चक्रवर्ती का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है।

### भोजशाला विवाद : मुस्लिम बोले- हमारे पास हेलिकॉप्टर नहीं

## प्रशासन से मुस्लिम प्रतिनिधियों की चर्चा नमाज के 'स्थान' पर नहीं बन सकी बात

हरिभूमि न्यूज ▸▸ धार

धार स्थित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर गरमा गया है। जुमे की नमाज के लिए जिला प्रशासन द्वारा तय किए गए वैकल्पिक स्थान को लेकर मुस्लिम पक्ष और प्रशासन आमने-सामने आ गए हैं। मुस्लिम समाज ने प्रशासन द्वारा सुझाई गई जगह पर कड़ी आपत्ति जताई है। गुरुवार देर रात प्रशासन ने मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाया। काफी देर तक चली बैठक के बाद भी स्थान को लेकर कोई सहमति नहीं बन सकी। इधर सुप्रीम कोर्ट भी मामले को 29 जुलाई को सुनेगा। मुस्लिम पक्ष ने अदालत से मांग की है कि उन्हें भोजशाला परिसर के निकट शुक्रवार की नमाज अदा करने के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाए। 22 जुलाई को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस याचिका को शुक्रवार को सूचीबद्ध करने का आश्वासन दिया था। हालांकि, मामला कारण सूची में शामिल नहीं होने पर वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ैफा अहमदी ने दिन की कार्यवाही के अंत में इसका उल्लेख किया।

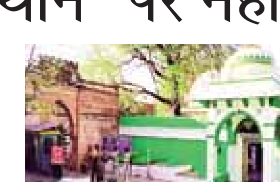

भोजशाला का दृश्य

**सुप्रीम कोर्ट में 29 जुलाई को सुनवाई**

### शीर्ष कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों से मांगा जवाब

## अदालती कार्यवाही का वीडियो सोशल मीडिया पर डालने से पहले लें अनुमति

अदालत की कार्यवाही के वीडियो के गलत इस्तेमाल का मुद्दा उठा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश दिया कि अदालत की कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बिना अनुमति के पोस्ट, दोबारा पोस्ट या अपलोड नहीं किया जा सकेगा। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के संबंधित महासचिव या हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की पहले अनुमति लेनी होगी। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने अदालत की लाइव स्ट्रीमिंग और कार्यवाही के वीडियो सोशल मीडिया पर गलत इस्तेमाल से जुड़ी याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब भी मांगा है। पीठ ने अंतरिम आदेश में कहा कि यह निर्देश दिया जाता है कि इस अदालत के महासचिव या संबंधित हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की पूर्व अनुमति के बिना न्यायिक कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को निकालना, उसमें बदलाव करना, फैलाना (वायरल करना), सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करना, दोबारा पोस्ट करना और अपलोड करना प्रतिबंधित रहेगा। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अदालत की कार्यवाही के वीडियो के गलत इस्तेमाल का मुद्दा उठाया।

### दिन भर के इंतजार के बाद भोपाल में शाम को हुई बारिश, कल से झमाझम के आसार

दो से तीन दिन में तेज होंगी बारिश की गतिविधियां

## मंडला में सबसे ज्यादा 7 मिमी और राजधानी में करीब 2 मिमी पानी गिरा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

प्रदेश में पिछले तीन दिनों से हो रही रिमझिम बारिश के साथ शुक्रवार को बारिश धीमी पड़ गई, हालांकि शुक्रवार को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हुई। शाम साढ़े पांच बजे तक मंडला में सबसे ज्यादा 7 मिलीमीटर हुई। इसी तरह राजधानी में शुक्रवार शाम को मौसम बदला और करीब 2 मिलीमीटर पानी गिरा। भोपाल के अलावा प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी बारिश दर्ज की गई है। आने वाले दो से तीन दिन में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। दक्षिण-पूर्व राजस्थान और मध्य प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में बने कम दबाव के क्षेत्र की वजह से एक साथ कई सिस्टम सक्रिय हैं। मानसूनी ट्रफ गुना और सीधी से होती हुई सीधे बंगाल की खाड़ी तक जा रही है।

मैहर में मासूम को बचाते हुए

### मैहर में उफनते पानी में बहा मासूम, ग्रामीणों ने बचाई जान

**मैहर।** जिले में लगातार बारिश के बीच भदनपुर माध्यमिक शाला के पास एक बड़ा हादसा टल गया। स्कूल की छुट्टी के बाद पहली कक्षा का छात्र अपनी बहन और दोस्तों के साथ घर लौट रहा था। सड़क पर तेज बहाव वाले पानी को पार करते समय बच्चे का संतुलन बिगड़ गया और वह पानी के साथ बहकर पुल के ढोले की ओर जाने लगा।

**शनिवार को यहां गिरेगा पानी**

भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, धार, झाबुआ, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, उज्जैन, देवास, आगर-मालवा, शाजापुर, नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, सागर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी सहित 50 से अधिक जिलों में हल्की बारिश के आसार हैं।

**शुक्रवार को शाम तक कहां कितनी बारिश**

| शहर | बारिश मिमी में |
|---|---|
| मंडला | 7.0 |
| छिंदवाड़ा-रतलाम | 5.0 |
| धार | 4.0 |
| राजगढ़ | 3.0 |
| गुना व इंदौर | 1.0 |

भारी हंगामे के बीच फिर नहीं चल पाई संसद सोमवार तक के लिए स्थगित

# सरकार ने राज्यसभा में पेश किया वंदे मातरम बिल, अब किसी तरह की रुकावट या अपमान करना होगा दंडनीय अपराध, होगी 3 साल की सजा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र में सरकार ने राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। विपक्ष की नारेबाजी के बीच यह विधेयक पेश किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' में किसी भी तरह की रुकावट डालने या उसका अपमान करने को अपराध की श्रेणी में लाना है।

यह विधेयक राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में बदलाव करेगा। इस कानून में देश के राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान या अनादर करना अपराध माना गया है। इन राष्ट्रीय प्रतीकों में राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान शामिल हैं। मौजूदा कानून के तहत ऐसे अपराध के लिए दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है।

***राष्ट्रीय महत्व की चीजों का निरादर नहीं कर सकते***

***विपक्ष अपनी मांगों पर अड़ा रहा, नहीं हो पाई कोई चर्चा***

## पेपर लीक संशोधन विधेयक को मिली कैबिनेट की मंजूरी

राज्यसभा में हंगामा करते विपक्ष के नेता, नारेबाजी भी की

### लोकसभा की कार्यवाही 27 जुलाई तक स्थगित

विपक्ष के नारेबाजी के बीच लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। विपक्षी सांसद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। अब लोकसभा की अगली बैठक 27 जुलाई 2026 को सुबह 11 बजे होगी।

**हम चर्चा नहीं करेंगे, तो नहीं जाएगा सही संदेश**

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि मैंने फिर केसी वेणुगोपाल से अनुरोध किया है कि जब हम सभी इस बात से सहमत हैं कि नीट पर चर्चा होनी चाहिए, तो हमें चर्चा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने देश को भरोसा दिया है। सोनम वांगचुक ने अपना अनशन खत्म कर दिया है और चर्चा की मांग की है। अगर हम चर्चा नहीं करेंगे तो देश में सही संदेश नहीं जाएगा।

**खरगे का प्रधानमंत्री पर हमला**

## संसद में बयान दें, एकतरफा मन की बात न करें

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पेपर लीक मामले को लेकर प्रधानमंत्री पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा जब संसद चल रही होती है तो प्रधानमंत्री को संसद के पटल पर बयान देना होता है, देर रात एक वीडियो बनाकर, संसद के बाहर एकतरफा मन की बात नहीं करनी होती। 'एक्स' पर खरगे ने कहा प्रधानमंत्री संसद आने से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करें। सरकार पहले छात्रों से माफी मांगे और उन लोगों पर सख्त कार्रवाई करे जिन्होंने छात्रों की आवाज दबाने के लिए लाठीचार्ज और पैलेट गन चलाने का आदेश दिया था। इन कदमों के बाद ही विपक्ष शिक्षा व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा के लिए तैयार हैं।

### अहंकारी और जवाबदेही से बच रही सरकारः सोनिया

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मोदी सरकार पर शिक्षा व्यवस्था और छात्र आंदोलनों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि छात्र सरकार से जवाबदेही और शिक्षा सुधार की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने जवाब कायरता और बेवजह की क्रूरता से दिया। सरकार छात्रों के साथ ऐसा व्यवहार कर रही है, मानो वे दराष्ट्र के दुश्मन हों। छात्रों के साथ खड़ा होना और उनके भविष्य की रक्षा करना नैतिक, राजनीतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। सरकार की अहंकारी तथा जवाबदेही से बचने वाली कार्यशैली ने छात्र आंदोलनों को जन्म दिया है।

### अय्यर की इंट्रीः छात्रों को निडर होना सिखा रहे

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने शुक्रवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन में अपनी पत्नी सुनीत अय्यर के साथ पहुंचकर हिस्सा लिया। मीडिया से बात करते हुए अय्यर ने कहा कि वे यहां सीखने आए हैं और प्रदर्शनकारी छात्र देश को निडर होना सिखा रहे हैं।

**सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दिया भरोसा**

## छात्रों के हितों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठा रहे

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह छात्रों के हितों की सुरक्षा और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के कथित प्रश्नपत्र लीक मामले की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। केंद्र ने यह दलील याचिकाओं के एक समूह की सुनवाई के दौरान जस्टिस पीएस नरसिम्हा और आलोक आराधे की पीठ के समक्ष दी। न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे कि सब कुछ ठीक से व्यवस्थित हो जाए।

### सुप्रीम कोर्ट में 27 को होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने 27 जुलाई को उन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए मंजूरी दे दी है, जिनमें पेपर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर और देश भर में प्रदर्शनों में शामिल छात्रों के खिलाफ पुलिस पर कार्रवाई का आरोप लगाया गया है।यह मामला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की पीठ के समक्ष पेश किया गया था।

**डीयू के बाद जेएनयू ने जारी की एडवाइजरी-प्रदर्शनों में जाने से बचें**

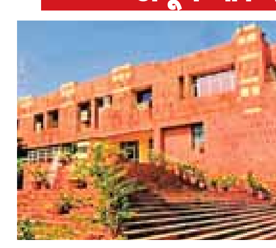

डीयू के बाद जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने सीजेपीके बैनर तले चल रहे छात्रों के प्रदर्शन के बीच एडवाइजरी जारी की है। जेएनयू ने अपने शिक्षकों और छात्रों को सलाह देते हुए कह कि वह अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को प्राथमिकता दें। विश्वविद्यालय ने उच्चतम न्यायालय के सार्वजनिक प्रदर्शनों संबंधी निर्देशों का हवाला दिया है। हितधारकों को जंतर मंतर, नई दिल्ली पर होने वाली सभाओं में शामिल होने से मना किया गया है।

## दिल्ली में सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द

दिल्ली के जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। इस विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन की टीम पूरी तरह से मुस्तैद है। आंदोलन को देखते हुए दिल्ली में अगले आदेश तक सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं।

### गर्भपात का दावा फर्जी और भ्रामक

दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल गर्भवती महिला पुलिसकर्मी के गर्भपात का दावा फर्जी और भ्रामक है। दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया कि घायल महिला अधिकारी न तो विवाहित है और न ही गर्भवती।

### नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन भी बंद

दिल्ली मेट्रो ने मेट्रो स्टेशनों में से एक नई दिल्ली को भी बंद कर दिया है। अगले आदेश तक नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन बंद कर दिया गया है। इस मेट्रो स्टेशन पर इंटर चेंज की सुविधा भी उपलब्ध नहीं होगी।नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन भारतीय रेलवे के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के ठीक बाहर है।

**खबर संक्षेप**

### दिल्ली विस, सचिवालय को उड़ाने की धमकी

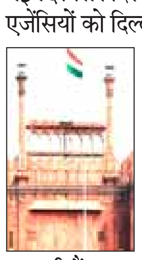

**नई दिल्ली।** दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों को दिल्ली विधानसभा, सचिवालय और पुलिस मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस और खुफिया एजेंसियां जांच कर रही हैं। शहर में हाई अलर्ट जारी किया गया है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

### भाजपा में शामिल हो गए मृत्युंजय तिवारी

**पटना।** कुछ दिन पहले आरजेडी से इस्तीफा देने वाले मृत्युंजय तिवारी भाजपा में शामिल हो गए हैं। भाजपा दफ्तर में कार्यक्रम में मृत्युंजय तिवारी को बाजपाकी सदस्यता दिलाई गई। उन्होंने 16 जुलाई को आरजेडी के सभी पदों से इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा कि आरजेडी में सम्मान नहीं मिल रहा था।

### केंद्र ने जारी किए 25.89 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने बताया कि सॉइल हेल्थ कार्ड स्कीम के तहत अब तक 25.89 करोड़ से अधिक सॉइल हेल्थ कार्ड जारी किए जा चुके हैं। प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन का दायरा बढ़कर 18,786 क्लस्टर्स तक पहुंच गया है, जो 8.80 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हैं। सरकार ने प्रयासों की जानकारी दी।

### फसाई ने रीहान हेल्थकेयर का लाइसेंस सस्पेंड किया

**नई दिल्ली।** भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने स्वास्थ्य सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स बनाने वाली कंपनी रीहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में खाद्य सुरक्षा मानकों के गंभीर उल्लंघन पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई।

केंद्र सरकार ने आंध्र-कर्नाटक आर्थिक गलियारे को दी हरी झंडी

# इससे औद्योगिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में ज्यादा तेजी आएगी

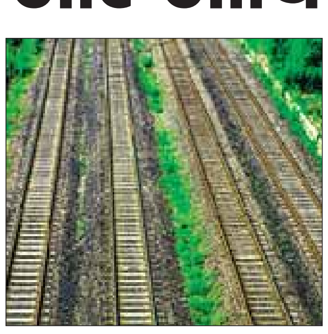

इस महात्वाकांक्षी पहल के लिए 4,294 करोड़ के भारी-विश को मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा इस फैसले से दोनों राज्यों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारे के विकास को हरी झंडी दे दी है। इस महात्वाकांक्षी पहल के लिए कुल 4,294 करोड़ रुपए के भारी-भरकम निवेश को मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट के इस फैसले से दोनों राज्यों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। वैष्णव ने जानकारी दी कि इस योजना के तहत दो प्रमुख परियोजनाओं पर काम किया जाएगा। पहली परियोजना बल्लारी-गुंटकल के बीच तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के निर्माण की है, जिसके लिए 1,264 करोड़ का बजट रखा गया है। यह रेलवे लाइन माल ढुलाई की क्षमता में बड़ा इजाफा करेगी। वहीं दूसरी प्रमुख परियोजना भव्य रसायन योजना है, जिसके लिए 3,030 करोड़ आवंटित किए गए हैं। यह पहल क्षेत्र में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने में मदद करेगी।

**परियोजना से जुड़ी 5 बड़ी बातें**

- **कुल बजट आवंटनः** आंध्र-कर्नाटक कॉरिडोर के लिए केंद्र सरकार ने 4,294 करोड़ के कुल निवेश को मंजूरी दी।
- **रेलवे लाइन विस्तारः** बल्लारी-गुंटकल मार्ग पर तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के लिए 1,264 करोड़ खर्च होंगे।
- **भव्य रसायन योजनाः** औद्योगिक रफ्तार बढ़ाने वाली इस योजना के लिए 3,030 करोड़ की राशि निर्धारित की गई है।
- **भारी रोजगार सृजनः** निर्माण और परिचालन के दौरान करीब 31 लाख मानव-दिवस का रोजगार उत्पन्न होगा।
- **अतिरिक्त माल ढुलाईः** इससे प्रति वर्ष 1.6 करोड़ टन अधिक माल की आवाजाही हो सकेगी।

## इसके लिए 4,294 करोड़ के भारी-भरकम निवेश को मंजूरी

### उद्योगों को होगा बड़ा फायदा

यह आर्थिक गलियारा बल्लारी-होसपेट क्षेत्र के स्टील और सीमेंट क्लस्टरों के लिए बेहद मददगार साबित होगा। इससे भारी उद्योगों के कच्चे माल और तैयार उत्पादों का परिवहन काफी तेज और आसान हो जाएगा। यह प्रमुख समुद्री बंदरगाहों और प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक पहुंच को भी सुगम बनाएगा। हर साल 1.6 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई होगी।

**कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन घटेगा**

यह परियोजना न केवल आर्थिक दृष्टिकोण से बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी एक मिसाल कायम करेगी। इस गलियारे के शुरू होने से हर साल करीब 6.67 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा।

**कैबिनेट ने 'भव्य रसायन' योजना को दी स्वीकृति**

## देश में बनेंगे 3 केमिकल पार्क, बुनियादी सुविधाएं बढ़ेंगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में तीन समर्पित केमिकल पार्क स्थापित करने के लिए 'भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य रसायन)' को मंजूरी दे दी है। इस योजना की घोषणा वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में की गई थी।

### निर्यात बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम होगी

भव्य रसायन योजना से रसायन उद्योग की पूरी मूल्य श्रृंखला को बढ़ावा मिलेगा। उद्योगों का विकास होगा, संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी। इससे आयात पर निर्भरता कम होगी।

### इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे

यह योजना पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा देगी। पार्कों में कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट , ट्रीटमेंट होंगे। रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

दिल्ली हाई कोर्ट का ईसी से सवाल

## आर्टिकल 324 की आड़ में आप मनमर्जी नहीं कर सकते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर से संबंधित कार्य के लिए स्कूली शिक्षकों को तैनात करने के मामले में चुनाव आयोग पर सवाल उठाया है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की पीठ ने पूछा कि क्या चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 का सहारा लेकर अपनी मनमर्जी कर सकता है। इसकी आड़ में आप जो चाहें वो करते हैं? कोर्ट ने कहा कि किसी को आपके मानदेय या मुआवजे में कोई दिलचस्पी नहीं है। क्या आपके निर्देशों को अनिवार्य कहा जा सकता है? क्या आप कह सकते हैं कि नहीं, हम मुआवजा दे रहे हैं। वह किस अधिकार के तहत स्कूल शिक्षकों को एसआईआर में काम करने का निर्देश दे रहा है।

### शक्ति का उदारतापूर्वक प्रयोग करना चाहिएः ईसी

चुनाव आयोग की ओर से अधिवक्ता संजय वशिष्ठ पेश हुए। उन्होंने तर्क दिया कि दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और केवल 10-14फीसदी स्कूली शिक्षकों को ही मतदाता सूची संशोधन कार्यों में लगाया जाता है। वशिष्ठ ने कहा कि कर्मचारियों को नियुक्त करने की आयोग की शक्ति लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 13बी (2) से प्राप्त होती है और किसी भी असुविधा से बचने के लिए इस शक्ति का उदारतापूर्वक प्रयोग किया जाता है।

### ओपेन एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए कॉपीराइट कंटेंट का इस्तेमाल उल्लंघन नहीं, आवेदन खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने चैटजीपीटी की संस्थापक ओपनएआई इंक के खिलाफ दायर कॉपीराइट उल्लंघन के मुकदमे में अंतरिम निषेधाज्ञा आवेदन को खारिज कर दिया। जस्टिस अमित बंसल ने कहा कि उन्होंने क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के मुद्दे पर एएनआई के पक्ष में फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा, कॉपीराइट वाले कंटेंट को संजोकर रखने और उनकी ट्रेनिंग में कॉपीराइट को कोई उल्लंघन नहीं माना जा सकता। मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि चैटजीपीटी की ओर से दिए गए आउटपुट धारा 51 के तहत कॉपीराइट उल्लंघन नहीं है, क्योंकि ओपन एआई की ओर दिए गए आउटपुट एएनआई के आउटपुट से एकदम मिलते-जुलते नहीं थे।

किसानों को सीधे रियायती उर्वरक

## सरकार ने देश के 40 जिलों में 'पायलट परियोजना' शुरू की

### 'उर्वरक बिक्री के लिए ढांचा' नाम दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने किसानों को रियायती उर्वरक सीधे वितरित करने के लिए एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की है। यह पहल 20 राज्यों के 40 जिलों में चरणबद्ध तरीके से चल रही है। शुक्रवार को रसायन और उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने लिखित उत्तर में यह बताया। उर्वरक विभाग और कृषि और किसान कल्याण विभाग इस प्रायोगिक परियोजना को चला रहे हैं। किसान या उनके अधिकृत प्रतिनिधि मोबाइल एप के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। वे अपनी भूमि और फसल का विवरण प्रदान कर सकते हैं। अपनी उर्वरक आवश्यकताओं को पहले से बुक कर सकते हैं। यह प्रायोगिक परियोजना 'उर्वरक बिक्री के लिए ढांचा' नाम से लागू की गई है।

**'जल प्रलय' ने कई राज्यों में लाई तबाही, असम ज्यादा प्रभावित**

# पानी में बहीं गाड़ियां, सड़क-खेत डूबे, 50 की मौत

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

देश के कई हिस्सें में भारी बारिश हो रही है। कई जगह बारिश के पानी में गाड़ियां बह गई है। असम के कई हिस्से बाढ़ के कारण अभी भी जलमग्न हैं। अधिकारियों ने बताया कि 11 जिले बाढ़ की चपेट में आए हैं। इससे 7.21 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, मरने वालों की संख्या 50 हो गई है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसारबाढ़ से प्रभावित जिले गोलाघाट, होजई, कामरूप, चराइदेव, जोरहाट, डिब्रूगढ़, शिवसागर, नागांव, कामरूप (मेट्रो), कार्बी आंगलोंग और तिनसुकिया हैं। कुल 37 राजस्व सर्कल और 883 गांव प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण 25,375.44 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है।

## महाराष्ट्र और गुजरात भी जलमग्न, मचा हाहाकार

### शिवसागर में जनजीवन अस्त- व्यस्त

बाढ़ का सबसे गंभीर असर शिवसागर जिले में दहै, जहां 3,75,682 लोग प्रभावित हुए हैं। चराइदेव में 1,86,351 और जोरहाट में 1,15,764 लोग प्रभावित हुए हैं। यहां 4, चराइदेव में 2 बाढ़ की चपेट में आए।

**गुजरात में 38,653 लोगों को बचाया**

गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ के कारण अब तक 38,653 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और 5,500 से अधिक लोगों का सफल रेस्क्यू किया गया है। बचाव कार्य में सेना ने मोर्चा संभाल रखा है।

### कई राज्यों में होगी मूसलाधार बारिश

दक्षिण पूर्वी राजस्थान में कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। इस गुजरात , मध्य महाराष्ट्र में ,हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी इलाकों में बारिश होने वाली है।

इस तकनीक का इस्तेमाल भविष्य की मिसाइलों, अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) हाई-स्पीड एयरक्राफ्ट और एडवांस्ड प्रोपल्शन सिस्टम के लिए हो सकता है। दुनिया के कुछ ही एडवांस देश इस टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं

भारतीय एयरोस्पेस स्टार्टअप डी-प्रोपल्स ने रचा इतिहास

# दुनिया के सबसे एडवांस सुपरसोनिक मिसाइल इंजन बुनियादी परीक्षण में पूरी तरह रहा सफल

एजेंसी ⏩ चेन्नई

भारतीय एयरोस्पेस स्टार्टअप डी-प्रोपल्स ने इतिहास रचते हुए दुनिया के सबसे एडवांस मिसाइल इंजन का टेस्ट किया है। यह इंजन भारत के रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह आईआईटी मद्रास (आईआईटी-मद्रास) की तरफ से इनक्यूबेटेड एक स्टार्टअप है जिसने अपने 5 किलोन्यूटन एयर-ब्रीदिंग रोटेटिंग डेटोनेशन इंजन (आरडीई) का एक सरकारी परीक्षण रिग डीआरडीओ फैसिलिटी में सफल परीक्षण पूरा किया है। एयरोस्पेस कंपनी के फाउंडर और सीईओ सौरव झा ने कहा कि इंजन ने अब टीआरएल-5 स्तर को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है।

एयर-ब्रीदिंग रोटेटिंग डेटोनेशन इंजन (आरडीई) का टेस्ट

इंजन बुनियादी परीक्षण पूरा कर प्रोटोटाइप रूप में प्रमाणित

### इसका थ्रस्ट क्रूज मिसाइल के बराबर

यह इंजन भविष्य का इंजन है। इसे सुपरसोनिक मिसाइलों से ज्यादा स्पीड वाली मिसाइलों में इस्तेमाल किया जाएगा। यानि ब्रह्मोस से ज्यादा रफ्तार वाली मिसाइलों में इसका इस्तेमाल हो सकता है। कम हवा के प्रवाह में भी इस इंजन ने स्थिरता के साथ 5 किलोन्यूटन दमदार थ्रस्ट पैदा किया है। यह थ्रस्ट एक छोटी क्रूज मिसाइल के इंजन के बराबर माना जाता है। तकनीक का इस्तेमाल भविष्य की मिसाइलों, अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी), हाई-स्पीड एयरक्राफ्ट और एडवांस्ड प्रोपल्शन सिस्टम के लिए हो सकता है।

### आरडीई तकनीक पर आधारित है यह इंजन

सौरव झा ने बताया कि पारंपरिक जेट इंजन ईंधन को धीरे-धीरे जलाते हैं लेकिन आरडीई तकनीक में ईंधन को लगातार होने वाले सुपरसोनिक धमाकों के जरिए जलाया जाता है। इससे इंजन की ऊर्जा क्षमता 25% या उससे ज्यादा बढ़ जाती है और इंजन में चलने वाले पुर्जे बहुत कम हो जाते हैं जिससे मैकेनिकल जटिलता खत्म होती है। आम रॉकेट या मिसाइल इंजन के नोजल घंटी के आकार के होते हैं जो सिर्फ एक निश्चित ऊंचाई पर ही बेस्ट परफॉर्मेंस देते हैं।

### सैन्य पत्रकार रह चुके हैं सीईओ

इस एयरोस्पेस स्टार्टअप की स्थापना जुलाई 2025 में हुई थी और इसके पीछे भारत के दिग्गज रक्षा विशेषज्ञ और वैज्ञानिक शामिल हैं। सौरभ झा इसके को-फाउंडर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं जो पहले एक जाने-माने सैन्य पत्रकार और थिंक-टैंक 'दिल्ली डिफेंस रिव्यू' के संस्थापक रह चुके हैं। डॉ. वी. रामानुजाचारी कंपनी के मुख्य टेक्नॉलाजी ऑफिसर हैं जो डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक रह चुके हैं और उन्होंने भारत के स्क्रैमजेट इंजन प्रोग्राम और आकाश मिसाइल के प्रणोदन सिस्टम पर काम किया है। डॉ. वी.के. सारस्वत भी इस कंपनी के साथ हैं जो पूर्व डीआरडीओ प्रमुख और नीति आयोग के सदस्य रह चुके हैं और इस कंपनी के मुख्य मेंटर हैं।

सीटीओ डॉ. वी. रामानुजाचारी (बाएं) और सीईओ सौरभ झा

### भविष्य में यहां होगा उपयोगी

*हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलें: यह इंजन क्रूज मिसाइलों की स्पीड, रेंज और मारक क्षमता को काफी बढ़ा सकता है। हाई-स्पीड लड़ाकू ड्रोन: भविष्य के तेज गति से उड़ने वाले ऑटोनॉमस मिलिट्री ड्रोन्स को यह आसानी से पावर दे सकता है। अंतरिक्ष यान और स्पेसक्राफ्ट: कम ईंधन खपत के कारण इसे पुनः उपयोग किए जाने वाले स्पेस लॉन्च व्हीकल्स में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।*

## खबर संक्षेप

### बांग्लादेश के राष्ट्रपति शहाबुद्दीन का इस्तीफा

**ढाका।** बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने इस्तीफा दे दिया है। उनका कार्यकाल अभी लगभग दो साल बाकी था। 76 वर्षीय नेता ने बताया कि वह स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। शहाबुद्दीन के प्रतिनिधि ने संसदीय अध्यक्ष हाफिजुद्दीन अहमद को सौंपा है, जो बांग्लादेश के संविधान के अनुसार नए राष्ट्रपति के चुने जाने तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कैबिनेट सचिव नसीमुल गनी का नाम शीर्ष पद के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में सामने आ रहा है।

### शराब और ड्रग्स से प्रिंस अब्दुल्ला की गई थी जान

**लंदन।** ब्रिटेन की एक अदालत ने पिछले साल सऊदी शाही परिवार के सदस्य प्रिंस अब्दुल्ला बिन फहद बिन अब्दुलअजीज बिन जलावी अल सऊद की मौत की वजह शराब और कई तरह की दवाओं का खतरनाक मिश्रण होना है। कोर्ट ने इसे दुर्घटनावश हुई मौत माना। प्रिंस नवंबर 2025 में लंदन के केंसिंग्टन स्थित मौरियट होट में ठहरे हुए थे। 25 नवंबर को होटल स्टाफ ने उनके कमरे का दरवाजा खुलवाया तो वह बाथरूम के फर्श पर अचेत मिले। मौके पर पहुंची मेडिकल टीम ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें वहीं मृत घोषित किया।

भारत-रोमानिया प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर हुए सहमत

# शिक्षा, संस्कृति और आपसी संपर्क से जुड़े क्षेत्रों में तीन समझौतों पर किए हस्ताक्षर

*तीन वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने पर सहमत*

आर्थिक, व्यापार, निवेश प्राथमिकता वाले क्षेत्र चिह्नित

2028 में दोनों देशों के बीच संबंधों के 80 वर्ष पूरे होंगे

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रोमानिया के दौरे पर हैं। यह लगभग तीन दशकों में किसी भारतीय राष्ट्रपति की रोमानिया की पहली राजकीय यात्रा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने रोमानिया के राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास और कार्यालय, कोटरोसेनी पैलेस का दौरा किया।

रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया तथा उनका औपचारिक स्वागत किया गया एवं गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। गुरुवार को प्रतिनिधिमंडल-स्तर की बातचीत के दौरान, दोनों नेताओं ने भारत-रोमानिया द्विपक्षीय साझेदारी के सभी प्रमुख आयामों पर चर्चा की। वे दोनों देशों के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर सहमत हुए।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत और रोमानिया के बीच सात दशकों से भी अधिक समय से गर्मजोशी भरी और चिरस्थायी मित्रता रही है। यह मित्रता आपसी विश्वास, सम्मान और दोनों देशों के लोगों के बीच घनिष्ठ संबंधों पर आधारित है।

समय बीतने के साथ-साथ हमारी साझेदारी निरंतर सुदृढ़ हुई है और अब यह अधिक बड़े लक्ष्यों, व्यापक सहयोग तथा भविष्य के लिए साझा दृष्टि के साथ एक नए चरण में प्रवेश कर रही है।

रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन के साथ द्विपक्षीय बैठक करती राष्ट्रपति मुर्मू

### व्यापार-निवेश और स्वच्छ ऊर्जा में सहयोग पर की चर्चा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में रोमानिया के पीएम इली बोलोजान से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में व्यापार, निवेश, स्वच्छ ऊर्जा, कनेक्टिविटी और नई तकनीक जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर जोर दिया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू के साथ विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज भी मौजूद थे।

### बिजनेस फोरम को संबोधित किया

राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत-रोमानिया बिजनेस फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रोमानिया यूरोप का एक महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु है और अपनी रणनीतिक स्थिति, कुशल मानव संसाधन तथा यूरोपीय संघ के साथ मजबूत संबंधों के कारण भारत के लिए एक स्वाभाविक साझेदार है।

### भारत का महत्वपूर्ण साझेदार है रोमानिया

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत-रोमानिया साझेदारी का एक महत्वपूर्ण आधार आर्थिक सहयोग है। दोनों नेता व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने, सशक्त एवं विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने, और दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों के बीच निकट सहयोग को प्रोत्साहित करने पर सहमत हुए। वे अगले तीन वर्षों में हमारे द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने की दिशा में काम करने पर भी सहमत हुए। उन्होंने कहा कि रोमानिया, यूरोपीय संघ में भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हमारे उद्योगों और कौशल-प्राप्त पेशेवरों के लिए अभूतपूर्व अवसरों के द्वार खोलेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी संपर्क भारत-रोमानिया संबंधों की मजबूत नींव हैं। आज इन क्षेत्रों से जुड़े तीन महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

### भारतीय पीठ की स्थापना का ऐलान

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और रोमानिया, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत संयुक्त अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाएंगे। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के सहयोग से बुखारेस्ट विश्वविद्यालय में भारतीय अध्ययन पीठ की स्थापना की जा रही है। भारत सरकार ने भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के अंतर्गत रोमानिया के लिए प्रशिक्षण के अवसरों की संख्या दोगुनी करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 में भारत और रोमानिया के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 80 वर्ष पूरे होंगे। इस अवसर को दोनों देशों ने 'भारत-रोमानिया नवाचार वर्ष' के रूप में मनाने पर सहमति व्यक्त की है।

किर्गिस्तान के विदेश मंत्री से मुलाकात

# द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा, बढ़ाएंगे आपसी सहयोग

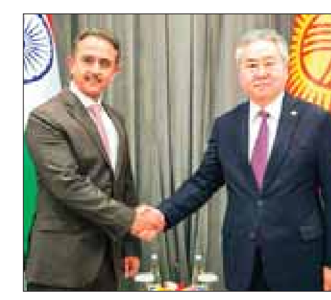
कीर्ति वर्धन सिंह और जीनबेक कुलुबायेव

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने किर्गिस्तान के चोलपोन अता में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक के दौरान किर्गिस्तान के विदेश मंत्री जीनबेक कुलुबायेव से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-किर्गिस्तान संबंधों की प्रगति की समीक्षा की और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। मुलाकात के बाद कीर्ति वर्धन सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा की और प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के रास्तों पर चर्चा की। उन्होंने भारत-किर्गिस्तान रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता भी दोहराई।

### शिखर सम्मेलन की तैयारियों पर फोकस

विदेश मंत्रालय के अनुसार, एससीओ विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक 31 अगस्त से 1 सितंबर, 2026 तक बिश्केक में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन की तैयारियों के तहत आयोजित की जा रही है। बैठक में सदस्य देशों के विदेश मंत्री एससीओ सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे तथा उन दस्तावेजों और निर्णयों को अंतिम रूप देंगे, जिन्हें शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्षों की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। बैठक के दौरान कीर्ति वर्धन सिंह एससीओ सदस्य देशों के अपने समकक्षों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। वर्तमान में किर्गिस्तान वर्ष 2025-26 के लिए एससीओ की अध्यक्षता कर रहा है। राष्ट्रपति सदर जापारोव ने किर्गिस्तान की अध्यक्षता का विषय 'एससीओ के 25 वर्ष: स्थायी शांति, विकास और समृद्धि की ओर साथ मिलकर' रखा है।

### बेलारूस के विदेश मंत्री से की मुलाकात

एससीओ विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक के दौरान कीर्ति वर्धन सिंह ने बेलारूस गणराज्य के विदेश मंत्री मैक्सिम रिजेंकोव से मुलाकात की। उन्होंनें एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रिजेंकोव से मिलकर खुशी हुई। हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत-बेलारूस साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

## बहुड़ा यात्रा में उमड़ा लाखों श्रद्धालुओं का सैलाब

### 'जय जगन्नाथ' के जयघोष से भक्तिमय हुआ पुरी

*पुरी। भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा का अंतिम और अत्यंत महत्वपूर्ण चरण बहुड़ा यात्रा शुक्रवार को आषाढ़ शुक्ल दशमी के अवसर पर हुई। नौ दिनों तक श्री गुंडिचा मंदिर, जिसे भगवान की मौसी का घर माना जाता है, में विराजमान रहने के बाद भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई भगवान बलभद्र, बहन देवी सुभद्रा और सुदर्शन चक्र भव्य रथों पर सवार होकर अपने मूल धाम श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचे।*

न्यूयॉर्क में इस्लामिक कट्टरता का मामला

# 'अल्लाह हू अकबर' चिल्लाते शख्स ने 2 को चाकू से गोदा

एजेंसी ⏩ न्यूयॉर्क

अमेरिका से इस्लामिक कट्टरता का मामला प्रकाश में आया है, जहां न्यूयॉर्क में एक कट्टरपंथी ने 'अल्लाह हू अकबर' के मजहबी नारे लगाते हुए दो व्यक्तियों पर चाकू से हमला कर दिया। न्यूयॉर्क पुलिस ने हमलावर राउल मोरालेस (51 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस हमले को घृणा अपराध मानकर जांच कर रही है। ये वारदात न्यूयॉर्क के अपर वेस्ट साइड इलाके में गुरुवार को हुई।

### मेयर ममदानी दोषी

इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक भयानक यहूदी-विरोधी हमला बताया और न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी पर ऐसे माहौल में योगदान देने का आरोप लगाया, जिसमें यहूदियों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बातों के नतीजे होते हैं।

कांगो में भारत का शांति मिशन

# 651 भारतीय सैनिकों को संयुक्त राष्ट्र पदक दुनिया ने माना अदम्य साहस और समर्पण

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

अफ्रीकी देश लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (डीआरसी) में भारत की शांति स्थापना के प्रति प्रतिबद्धता और भारतीय सेना के अदम्य साहस को वैश्विक सम्मान मिला है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के तहत तैनात भारतीय सेना के 651 शांति सैनिकों को उनकी उत्कृष्ट सेवा, पेशेवर क्षमता और समर्पण के लिए संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किया गया है। डीआरसी के साके स्थित परमानेंट ऑपरेटिंग बेस में आयोजित एक विशेष समारोह में भारतीय शांति सैनिकों को संयुक्त राष्ट्र पदक प्रदान किए गए। समारोह में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन (मोनुस्को) के वरिष्ठ अधिकारी, फोर्स मुख्यालय के प्रतिनिधि, सैन्य नेतृत्व और अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

कांगो में मौजूद भारतीय सेना

### पेशेवर क्षमता की विशेष प्रशंसा की गई

*समारोह के दौरान भारतीय दल की पेशेवर क्षमता, अभियान संबंधी उत्कृष्टता और संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता की विशेष प्रशंसा की गई। भारतीय सैनिकों ने लगातार सशस्त्र हिंसा और जटिल मानवीय संकट के बीच नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने, मानवीय सहायता पहुंचाने और संयुक्त राष्ट्र के मिशन को प्रभावी ढंग से लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कांगो में भारतीय शांति सैनिकों की जिम्मेदारी केवल सैन्य अभियानों तक सीमित नहीं है।*

एलन मस्क ने आरोपों को किया खारिज

# मैं नस्लवादी नहीं, मेरी पार्टनर भारतीय मूल की, बेटा चंद्रशेखर

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

एलन मस्क ने अपने ऊपर लग रहे नस्लवाद के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उनका निजी जीवन और उनकी कंपनियों की कार्य संस्कृति इन आरोपों के बिल्कुल उलट है।

एक इंटरव्यू में मस्क ने कहा कि उनकी पार्टनर भारतीय मूल की हैं और उनके चार बच्चे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके एक बेटे का नाम नोबेल पुरस्कार विजेता भारतीय-अमेरिकी भौतिक विज्ञानी सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर के सम्मान में रखा गया है। इंटरव्यू के दौरान जब मस्क से पूछा कि उन पर नस्लवादी या दक्षिणपंथी विचारों को बढ़ावा देने के आरोप लगते हैं, तो उन्होंने इसे पूरी तरह नकार दिया। मस्क ने कहा कि मेरी पार्टनर आधी भारतीय हैं और मेरे उनके साथ चार बच्चे हैं। मेरे एक बेटे का नाम एक प्रसिद्ध भारतीय भौतिक विज्ञानी के नाम पर रखा गया है। इसलिए मैं कहूंगा कि मैं नस्लवादी नहीं हूं। मस्क ने जिस वैज्ञानिक का जिक्र किया, वह वर्ष 1983 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार जीतने वाले भारतीय-अमेरिकी खगोल भौतिक विज्ञानी सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर हैं।

### यरूशलम में भारतीय नागरिक की मौत संदिग्ध गिरफ्तार

**यरूशलम।** इजराइल की पुलिस ने यरूशलम में एक भारतीय नागरिक की हत्या के मामले में इलत निवासी 31 वर्षीय एक इजराइली नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 40 वर्षीय भारतीय नागरिक का शव गुरुवार को यरूशलम के कटामोन इलाके में मिला। वह एक मकान में फर्श पर खून से लथपथ पड़ा मिला था और उसके चारों ओर खून फैला हुआ था।

## संयुक्त राष्ट्र में भारत ने ओआईसी संगठन को लगाई फटकार

ओआईसी का अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा से कोई सीधा संबंध नहीं

# कश्मीर मुद्दा उठाने पर की आलोचना कहा- हस्तक्षेप बिलकुल बर्दाश्त नहीं

एजेंसी ⏩ न्यूयॉर्क

भारत ने कश्मीर मुद्दा उठाने के लिए ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) की आलोचना की है और इस मामले में उसके अधिकार पर सवाल उठाया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि ऐसे अंतर-क्षेत्रीय (क्रॉस-रीजनल) समूह, जो न तो भौगोलिक आधार पर जुड़े हैं और न ही साझा मुद्दों पर आधारित हैं तथा जिनका अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा से कोई सीधा संबंध नहीं है, उन्हें विवादों और संघर्षों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। हालांकि हरीश ने इस्लामिक सहयोग संगठन का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा स्पष्ट रूप से उसी संगठन की ओर था।

पी. हरीश फाइल फोटो

### अंतर क्षेत्रीय समूह के पास जानकारी का अभाव

पी. हरीश ने कहा कि स्थापित क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय संगठन विवादों और संघर्षों के समाधान में रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं और संयुक्त राष्ट्र के कार्यों के पूरक बन सकते हैं, लेकिन अंतर-क्षेत्रीय समूह इस भूमिका के लिए उपयुक्त नहीं हैं। ऐसे समूहों के पास विवादों के समाधान के लिए जरूरी क्षेत्रीय जानकारी और विषयगत विशेषज्ञता का अभाव होता है। हरीश ने यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 'विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के तंत्र को मजबूत करने' विषय पर आयोजित खुली बहस के दौरान की, जहां पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर मुद्दा उठाया था।

### ओआईसी के 57 देश सदस्य

*57 सदस्य देशों वाला इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) चार महाद्वीपों में फैला हुआ है और उसका मुख्य उद्देश्य धार्मिक एकजुटता को बढ़ावा देना है। उसका अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा से सीधा संबंध नहीं है, इसलिए कश्मीर जैसे क्षेत्रीय विवादों में उसकी भूमिका उपयुक्त नहीं मानी जा सकती। बता दें, ओआईसी अपने विभिन्न मंचों पर कई बार जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठा चुका है। उस समय पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने दावा किया था कि कश्मीर विवाद दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के रास्ते की सबसे बड़ी बाधा है।*

### पाक ने ओआईसी की मांग खारिज की

पिछले साल अक्टूबर में जारी अपने बयान में ओआईसी महासचिवालय ने इस्लामिक शिखर सम्मेलन और विदेश मंत्रियों की बैठक में कश्मीर पर सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने की मांग की थी, लेकिन 1948 में कश्मीर पर अपनाए गए मुख्य प्रस्ताव में मांग की गई थी कि पाकिस्तान कश्मीर के उन इलाकों से अपने सैनिकों और नागरिकों को हटा ले जिन पर उसका कब्जा है और वहां लड़ने वालों का समर्थन करना बंद कर दे। पाकिस्तान ने इनमें से किसी का भी पालन नहीं किया और आतंकवाद का समर्थन करता रहा।

जल संसाधन विभाग को व्यवहार्यता अध्ययन (फिजिबिलिटी स्टडी) का प्रस्ताव भेजा गया

# 32 बांधों पर लगेंगे फ्लोटिंग सोलर प्लांट, मिलेगी 2,000 मेगावाट बिजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने 32 बड़े बांधों और जलाशयों में फ्लोटिंग सोलर प्लांट स्थापित कर करीब 2,000 मेगावाट हरित बिजली उत्पादन की योजना बनाई है। इसके लिए जल संसाधन विभाग को व्यवहार्यता अध्ययन (फिजिबिलिटी स्टडी) का प्रस्ताव भेजा गया है।

अध्ययन पूरा होने के बाद उपयुक्त जलाशयों का चयन कर परियोजनाओं को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। यह पहल दुर्ग जिले के मरोदा-1 जलाशय में स्थापित एनएसपीसीएल के 15 मेगावाट क्षमता वाले राज्य के पहले फ्लोटिंग सोलर प्लांट की सफलता के बाद की गई है। इस परियोजना के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए सरकार अब बड़े स्तर पर फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का विस्तार करने की तैयारी कर रही है।

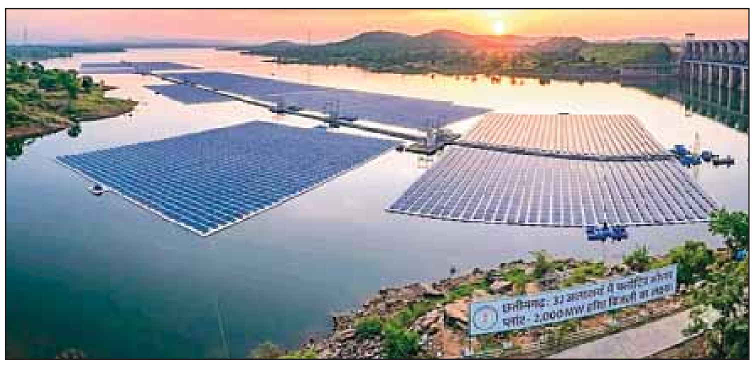

### तीन नई परियोजनाओं पर भी काम

सरकार मरोदा के अलावा जांजगीर-चांपा में 6 मेगावाट, कोरबा के पोखरीडीह राखड़ बांध में 27 मेगावाट और हसदेव ताप विद्युत स्टेशन के साइलेंट सागर में 5 मेगावाट क्षमता के नए फ्लोटिंग सोलर प्लांट विकसित करेगी। इन परियोजनाओं से राज्य में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को और गति मिलने की उम्मीद है।

### 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा बढ़ाने का लक्ष्य

सरकार का उद्देश्य 2030 तक राज्य की कुल ऊर्जा जरूरतों में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत तक पहुंचाना है। सीएसपीजीसीएल के एमडी संजीव कटियार के अनुसार, पानी की सतह पर लगाए जाने वाले विशेष फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म और आधुनिक केबल प्रणाली के जरिए बिजली सीधे ग्रिड तक पहुंचाई जाएगी।

### बैटरी स्टोरेज से मिलेगी चौबीसों घंटे बिजली

छत्तीसगढ़ पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीजीसीएल) के अधिकारियों के अनुसार, परियोजनाओं में पानी की सतह पर विशेष फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। विशेष केबलों के माध्यम से बिजली को ट्रांसमिशन नेटवर्क से ग्रिड तक पहुंचाया जाएगा। इसके साथ बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी विकसित किया जाएगा, जिससे दिन में उत्पादित अतिरिक्त बिजली को संग्रहित कर रात या अधिक मांग के समय उपयोग किया जा सकेगा।

### बैटरी स्टोरेज से मिलेगी चौबीसों घंटे बिजली

भूमि अधिग्रहण नहीं, जल संरक्षण को भी बढ़ावा इस योजना की खास बात यह है कि फ्लोटिंग सोलर प्लांट के लिए अलग से भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं होगी। इससे जलाशयों का बेहतर उपयोग होगा, पानी के संरक्षण में मदद मिलेगी और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता भी कम होगी।

---

मुख्यमंत्री ने किया 303.34 करोड़ के कार्यों का भूमि-पूजन, 53.55 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण

# भाभरा में बनेगा अमर शहीद आजाद को समर्पित पार्क और बनाया जाएगा रानी काजल माता लोक

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव गुरुवार को अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जयंती के अवसर पर आलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में शामिल होने पहुंचे। यहां उन्होंने 303.34 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन, 53.55 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण करते हुए घोषणा की कि भाभरा में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को समर्पित विशाल पार्क बनेगा और रानी काजल माता लोक बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जोबट में डही नर्मदा पाइप लाइन परियोजना सिंचाई परियोजना पूर्ण हो गई है, जिसका शीघ्र ही लोकार्पण होगा। इसके फलस्वरूप जोबट तक नर्मदा जल पहुंच जाएगा। डॉ यादव ने कहा है कि झाबुआ, आलीराजपुर, मंडला, डिंडोरी, बालाघाट सहित प्रदेश का संपूर्ण जनजातीय अंचल हमारे लिए एक तीर्थ के समान है। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद नगर में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 120वी जयंती पर नमन किया।

### डही नर्मदा पाइप लाइन परियोजना सिंचाई परियोजना पूर्ण, जोबट पहुंचेगा नर्मदा जल

### आलीराजपुर में बलराम कृषि महोत्सव और चंद्रशेखर आजाद की जयंती

बलराम कृषि महोत्सव में प्रदर्शनी का अवलोकन करते सीएम।

### प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने वाले किसानों का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि इंदौर, धार, झाबुआ और बड़वानी के बाद आलीराजपुर जिले में बलराम कृषि महोत्सव हो रहा है। महोत्सव में उन्नत एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने वाले किसानों का सम्मान किया गया, जिससे अन्य किसान भी आधुनिक एवं प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित हों।

आलीराजपुर के किसानों ने इस बार कम वर्षा के बाद भी हौसला दिखाया है। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि किसान भाई प्राकृतिक खेती अपनाएं। डॉ यादव ने कहा कि हमारे लिए सीमा पर जवान और खेतों में किसान दोनों का परिश्रम बराबर है। कृषक कल्याण वर्ष 2026 में किसानों की बेहतरी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि और उनकी आय बढ़ाने के लिए पशुपालन और दूध के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिस प्रकार अमूल के माध्यम से डेयरी क्षेत्र में आदर्श राज्य गुजरात में दूध उत्पादन हो रहा है। उसी दिशा में आगे बढ़ते हुए राज्य शासन ने गोपालन को बढ़ावा देने के लिए नई योजना की शुरुआत की है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मत्स्य विभाग की सीप कल्टीवेशन संबंधी प्रदर्शनी को विशेष रुचि से देखा, जो आकर्षण का केंद्र रही। इसके साथ ही कृषि विभाग, आयुष विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मोटे अनाज (श्रीअन्न) से तैयार पौष्टिक एवं पारंपरिक व्यंजनों की आकर्षक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

### सिंचाई का रकबा बढ़ाने परियोजनाओं पर काम

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि आलीराजपुर जिले में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के उद्देश्य से डही उद्वहन सिंचाई योजना के अंतर्गत लगभग 11 हजार करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नर्मदा पाइपलाइन परियोजना का लोकार्पण इसी वर्ष दीपावली तक किया जाएगा, जिससे किसानों को व्यापक लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सोंडवा माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना के माध्यम से लगभग 70 हजार किसानों के 55 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी और परियोजना का लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। डॉ यादव ने कहा कि युवाओं के लिए भी रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना, विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल, गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया जा रहा है। डॉ यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता, सकारात्मक संदेशों के प्रसार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले जिले के सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स का सम्मान किया।

### यूसीसी का उद्देश्य नागरिकों को समान अधिकार और समान न्याय उपलब्ध कराना: डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार और समान न्याय उपलब्ध कराना है। यह व्यवस्था संविधान की मूल भावना के अनुरूप सामाजिक समरसता, समानता और न्याय को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ यादव के इंदौर आगमन पर विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों तथा अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और सदस्य एयरपोर्ट पहुंचे। उन्होंने समान नागरिक संहिता का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री का स्वागत, अभिनंदन किया तथा इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए उनका आभार व्यक्त किया। डॉ यादव ने कहा कि यूसीसी को लेकर समाज के विभिन्न धर्मों और वर्गों में व्यापक समर्थन देखने को मिल रहा है।

### मुख्यमंत्री ने सड़क यात्रा के दौरान नागरिकों से किया संवाद

**भोपाल**। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को आलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के पश्चात इंदौर जाने के लिए सड़क मार्ग से यात्रा की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान विभिन्न स्थानों पर नागरिकों से भेंट की और उनसे संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सड़क मार्ग से यात्रा के दौरान धार जिले के राजगढ़ में टी स्टॉल पर जाकर स्वयं चाय भी बनाई। उन्होंने चाय विक्रेता से उनके कार्य और व्यवसाय के संबंध में बातचीत की। मुख्यमंत्री ने उपस्थित नागरिकों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कुछ व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जाकर कुछ देर दुकान मालिकों और स्टाफ के सदस्यों से भी बातचीत की।

## जनजातीय युवाओं की प्रतिभा एवं संवर्धन के लिए बनेंगी विशेष योजनाएं

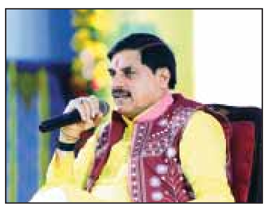

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और लोक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। स्थानीय कला और संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आलीराजपुर जिले को हर क्षेत्र में नंबर वन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 120 वीं जयंती पर चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव के तहत आयोजित सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उनकी 120 वीं जयंती पर चंद्रशेखर आजाद नगर आना गौरव और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि आलीराजपुर अपनी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं, भाषा-बोली, कला, प्राकृतिक खेती व संपदा और वनोपज के कारण विशिष्ट पहचान रखता है।

---

सीएम के निर्देशों के परिपालन में निर्देश जारी

## मप्र पुलिस में 9 हजार 662 पदों को मिली एक ही दिन में मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र गृह विभाग ने पुलिस में विभिन्न श्रेणी के 9 हजार 662 पदों की मंजूरी के आदेश जारी किए हैं। अभी तीन दिन पहले ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अचानक पुलिस मुख्यालय पहुंचे थे। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर रिक्त पदों पर शीघ्र ही पदोन्नति व अन्य तरीके से पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा था। उन्होंने यह भी कहा था कि अविलंब इस पर कार्रवाई पूरी कराएं। इसके बाद ही आज गृह विभाग ने उक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री ने रिक्त पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया भविष्य में भी निरंतर जारी रखने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने पदोन्नति से शेष अधिकारियों, कर्मचारियों को चक्रीय क्रम में पदोन्नत करने के आदेश सितंबर माह में जारी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने हाल ही में राज्य सरकार के पदोन्नति के अभियान में सर्वाधिक लगभग 25 हजार पदों पर पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों की पदोन्नति पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी महीनों में भी रिक्त पदों की पूर्ति और पदोन्नति की प्रक्रिया जारी रखी जाए।

### चार आदेशों में स्वीकृत किए गए 9 हजार 662 पद

डॉ. यादव के निर्देशों के परिपालन में गृह विभाग ने वर्ष 2026 में मप्र पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तृतीय श्रेणी के सीधी भर्ती के अराजपत्रित सूबेदार (अ) शीघ्र लेखक के 135 पद और सहायक उपनिरीक्षक (अ) के 520 पद, इस तरह 655 पदों पर सीधी भर्ती के लिए प्रशासकीय स्वीकृति के लिए आदेश जारी किया है। इसी तरह एक अन्य आदेश में अराजपत्रित सूबेदार के 81 पद, उपनिरीक्षक (जिला पुलिस बल) के 312 पद, उपनिरीक्षक (विसबल) के 69 पद, उपनिरीक्षक (क्यूडी) के 04 पद, उपनिरीक्षक (अंगुल चिन्ह) के 22 पद, उपनिरीक्षक (आयुध) के 10 पद, उपनिरीक्षक फोटो के 09 पद, इस प्रकार 507 पदों पर सीधी भर्ती के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। राज्य शासन की ओर से सर्वाधिक पद तृतीय श्रेणी के सीधी भर्ती के आरक्षक (जीडी) की नियुक्ति के लिए स्वीकृत किए गए हैं। इस संबंध में आदेश जारी कर 7500 पद स्वीकृत किए गए हैं।

### 18 हजार पद भरे जाने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस में 18 हजार पद भरे जाने के निर्देश दिए हैं। वर्तमान में स्वीकृत 9662 पदों के अलावा शेष आदेश भी शीघ्र जारी किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि पिछले वर्ष 8500 पदों की स्वीकृति के पश्चात इस वर्ष पदों की स्वीकृति का महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हुआ है। प्रदेश से नक्सलवाद खत्म होने के बाद विकास के कार्यों में भी पुलिस बल की रचनात्मक भूमिका सुनिश्चित की जाएगी।

## अशोक बर्णवाल ने मुख्य सचिव का कार्यभार ग्रहण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय प्रशासनिक सेवा (1991 बैच) के वरिष्ठ अधिकारी अशोक बर्णवाल ने गुरूवार को प्रदेश के 36 वें मुख्य सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। निवर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन ने नवनियुक्त मुख्य सचिव बर्णवाल को मंत्रालय स्थित मुख्य सचिव कक्ष में कार्यभार सौंपा। सामान्य प्रशासन विभाग (कार्मिक) ने बुधवार 22 जुलाई को इस संबंध में आदेश जारी किए गए थे। इससे पहले इसी दिन भारत सरकार की ओर से निवर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन को नीति आयोग का मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त किया गया है। उधर, आदेश जारी होने के बाद से ही मुख्य सचिव बर्णवाल को बधाई देने का ताता लगा रहा।

---

एक परिवार के तीन सदस्य संक्रमित, स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

## कोटा के वनग्राम औरापानी में फैला मलेरिया का प्रकोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

जिले में मानसून की दस्तक के साथ ही एक बार फिर मच्छर जनित बीमारियां अपना पैर पसारने लगी हैं। कोटा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले दुर्गम वनग्राम औरापानी से स्वास्थ्य विभाग की नींद उड़ाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक ही परिवार के तीन लोग मलेरिया की चपेट में आ गए हैं। इस मामले के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है और एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र में अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

### स्वास्थ्य विभाग ने शुरू किया घर-घर सर्वे

एक ही परिवार में एक साथ तीन मलेरिया पॉजिटिव मिलने की सूचना मिलते ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर हरकत में आए स्वास्थ्य अमले ने औरापानी गांव में डेरा डाल दिया है। विभाग की मेडिकल टीमों द्वारा घर-घर जाकर सर्वे का काम शुरू कर दिया गया है। औरापानी की घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जिले के तमाम अन्य दूरदराज के वनग्रामों और ग्रामीण इलाकों में भी मलेरिया और डेंगू को लेकर हाई अलर्ट जारी कर दिया है। मैदानी अमले को निर्देश दिए गए हैं कि वे संवेदनशील गांवों में लगातार निगरानी रखें।

### हर साल बरसात में बनता है हाट स्पॉट

ग्रामीणों के अनुसार, औरापानी एक ऐसा वनग्राम है जो हर साल वर्षा ऋतु के दौरान मलेरिया की चपेट में आ जाता है। भौगोलिक स्थिति और जंगलों से घिरे होने के कारण यहां जलभराव और मच्छरों का प्रकोप आम बात है। बारिश शुरू होते ही यहां मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है, इसके बावजूद पूर्व में पुख्ता इंतजाम न होने से ग्रामीणों को हर साल इस मुसीबत से जूझना पड़ता है।

## चिराईपानी में बंदरों के आतंक से ग्रामीण भयभीत

**रायगढ़**। विकासखंड के ग्राम चिराईपानी में इन दिनों बंदरों के आतंक से ग्रामीण भयभीत हैं। पिछले कुछ दिनों से आक्रामक बंदरों के झुंड ने गांव में उत्पात मचा रखा है। राहगीरों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं, जिससे अब तक दर्जनों ग्रामीण घायल हो चुके हैं। ऐसे में ग्रामीणो की शिकायत के बाद वन विभाग ने उत्पात मचा रहे बंदर को रेस्क्यू कर पकड़ा। चिराईपानी के ग्रामीणों के अनुसार गांव में बंदरों के अचानक हिंसक हो जाने से लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो गया है। बच्चे बाहर खेलने से डर रहे हैं और कई परिवारों ने आवश्यक कार्यों के अलावा घर से निकलना कम कर दिया है। बंदरों के काटने से घायल लोगों का उपचार नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया, जहां एंटी-रेबीज टीके की सलाह दी है।

---

डंडे से युवक पर हमला, जान बचाकर भागा पीड़ित

एक्सप्रेस-वे रोड पर छात्र को रोका

## दो अज्ञात बदमाशों ने एमबीए छात्र से एक्सप्रेस-वे पर आधी रात की लूट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी में देर रात सड़क पर लूट की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के अमलीडीह बीएसयूपी कॉलोनी के पास एक्सप्रेस-वे रोड पर दो अज्ञात बदमाशों ने एमबीए के छात्र को रोककर डंडे से हमला किया और मारपीट करते हुए उसका करीब 80 हजार रुपए का मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है।

### दोस्त को छोड़कर लौटते समय हुआ हमला

पुलिस के अनुसार, सितांशु मिश्रा (26), निवासी गीतांजली नगर, शंकर नगर, रायपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह एमबीए करने के बाद कंस्ट्रक्शन का कार्य करता है। 23 जुलाई की रात वह अपने दोस्त इंद्रजीत माहाडिक के साथ तेलीबांधा मरीन ड्राइव स्थित चौपाटी में खाना खाने गया था। इसके बाद वह अपनी इलेक्ट्रिक ओला स्कूटी से दोस्त को देवपुरी स्थित घर छोड़कर अपने घर लौट रहा था। रात करीब 12:30 बजे जब वह अमलीडीह बीएसयूपी कॉलोनी के पास एक्सप्रेस-वे रोड से गुजर रहा था, तभी सड़क किनारे पेड़ के नीचे अंधेरे में छिपे दो युवक अचानक सामने आ गए। दोनों के हाथ में डंडे थे। स्कूटी रुकते ही बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया और डंडे से मारपीट शुरू कर दी। हमले के दौरान बदमाशों ने युवक की शर्ट की जेब में रखा मोबाइल झपटकर छीन लिया। छीना-झपटी में उसकी शर्ट भी फट गई। बदमाश लगातार हमला करते रहे, जिसके बाद युवक किसी तरह अपनी जान बचाकर स्कूटी से वहां से भाग निकला। घटना के बाद पीड़ित सीधे तेलीबांधा थाना पहुंचा, जहां पुलिस ने घटनास्थल न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में होने के कारण उसे वहां रिपोर्ट दर्ज कराने की सलाह दी। मारपीट में उसके बाएं हाथ, सिर और पीठ पर चोटें आईं, जिनका उपचार उसने मेडीसाइन अस्पताल, न्यू राजेंद्र नगर में कराया।

## विशेषज्ञ की रिपोर्ट तलब

# शहपुरा आरओबी मामला : हाईकोर्ट की सख्ती के बाद टोल 70 प्रतिशत घटे

**जबलपुर** । मप्र हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग-45 पर शाहपुरा रेलवे ओवरब्रिज के ध्वस्त हिस्से से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि कोर्ट के संज्ञान के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने शाहपुरा टोल प्लाजा पर यूजर फीस में करीब 70 प्रतिशत की कटौती कर दी है। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने फिलहाल टोल वसूली पूरी तरह बंद करने से इनकार कर दिया, लेकिन मरम्मत कार्य में तेजी लाने के लिए विशेषज्ञ की राय लेने के निर्देश दिए हैं। हाई कोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि 55.60 किमी लंबे मार्ग में केवल 4.8 किमी हिस्सा डायवर्ट है, इसलिए पूर्ण टोल माफी का आधार नहीं बनता। हालांकि, एनएचएआई द्वारा 24 जून, 2026 से टोल दरों में लगभग 70 प्रतिशत कमी किए जाने को रिकॉर्ड पर लिया गया।

याचिकाकर्ता की ओर से पौड़ी (एलसी-302) रेलवे गेट खोलने की मांग भी की गई, लेकिन रेलवे ने सुरक्षा, तकनीकी बाधाओं, इंटरलाकिंग सिस्टम, रेलवे बोर्ड व सीआरएस की मंजूरी तथा 8-10 करोड़ रुपये की लागत सहित कई कारण बताते हुए इसका विरोध किया। इन कारणों के आधार

पर हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। मप्र सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) ने बताया कि क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत के लिए निविदा जारी हो चुकी है। हाई कोर्ट ने निर्देश दिया कि अंतिम निर्णय से पहले सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता अखिलेश मिश्रा से यह राय ली जाए कि ओवरब्रिज को सबसे कम समय में सुरक्षित रूप से कैसे चालू किया जा सकता है। रिपोर्ट एक सप्ताह में पेश करने के आदेश दिए गए हैं। कोर्ट ने जनहित याचिका का निराकरण नहीं किया और मामले को निगरानी के लिए 30 अगस्त को अगली सुनवाई हेतु सूचीबद्ध किया है।

# पनागर हाईस्कूल के विलय का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

## कलेक्टर के आदेश के खिलाफ याचिका की 30 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

**जबलपुर।** पनागर स्थित 100 वर्ष पुराने शासकीय वरिष्ठ बुनियादी हाई स्कूल को 10 किलोमीटर दूर सिंगोद हायर सेकेंडरी स्कूल में विलय करने के कलेक्टर के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एमएस भट्टी की सिंगल बेंच ने शासकीय अधिवक्ता को कलेक्टर से आवश्यक निर्देश लेकर 30 जुलाई को जवाब प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।याचिकाकर्ता नीलम श्रीवास्तव, जयसिंह खंगार एवं सोनी लाल प्रजापति की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने न्यायालय में पक्ष रखा। उन्होंने तर्क दिया कि कलेक्टर जबलपुर ने 14 जुलाई 2026 को एक आदेश जारी कर पनागर के इस ऐतिहासिक स्कूल के लगभग 300 विद्यार्थियों को सिंगोद स्कूल में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न केवल मनमाना है, बल्कि पूरी तरह अवैध भी है।अधिवक्ता उपाध्याय ने कोर्ट को बताया कि पनागर एक नगरीय क्षेत्र है, जबकि सिंगोद यहाँ से 10 किलोमीटर दूर ग्रामीण अंचल में स्थित है। छठवीं से दसवीं कक्षा तक के छोटे बच्चों को प्रतिदिन इतनी दूर जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। स्कूल में अध्ययनरत अधिकांश बच्चे गरीब परिवारों से हैं, जिनके अभिभावक बच्चों को इतनी दूर भेजने में आर्थिक व व्यावहारिक रूप से असमर्थ हैं। साथ ही, मानसिक रूप से भी बच्चे रोजाना 20 किमी (आना-जाना) की यात्रा करने में सक्षम नहीं हैं।मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई तय की गई है।

# गुप्त नवरात्र पर हुई श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

**जबलपुर।** मां नर्मदा के उत्तर तट गौरीघाट में नव निर्मित मंदिर में वैदिक पद्धति से नव दिवसीय अनुष्ठान का आयोजन किया गया। जिसके पश्चात जगत के नाथ को दिव्य भजन संकीर्तन करके संतों द्वारा उनकी स्तुति वंदन कर श्री सीता-राम की प्राण प्रतिष्ठा की गई। आयोजन के विश्राम दिवस पर विशाल भंडारे का आयोजन मंदिर समिति द्वारा किया गया। इस दौरान अधिष्ठाता आचार्य दीपक द्विवेदी ने बताया कि इस आयोजन में प्रमुख रूप से संस्कारधानी के प्रमुख संतगण, जनप्रतिनिधियों सहित नगर पुलिस अधीक्षक पल्लवी शुक्ला, पं. ओंकार दुबे, ठाकुर विनोद सिसोदिया, किशोर दुबे, पूर्व पार्षद मनीष दुबे, पार्षद शारदा कुशवाहा, पराग दीवान, विनोद भाई

गोपानी, मनसुख भाई आदि शामिल हुए।

# उखरी पहुंचे विधायक अभिलाष पाण्डेय, अतिक्रमण कार्रवाई के तरीके पर जताई नाराजगी

**जबलपुर।** उखरी स्थित आदि प्लाजा के सामने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने कार्रवाई के तरीके और समय को लेकर नाराजगी जताते हुए इसे संवेदनहीन बताया। उन्होंने कहा कि प्रभावित प्रत्येक परिवार का सम्मानजनक पुनर्वास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और जरूरत पड़ने पर गरीबों के अधिकारों की रक्षा के लिए वे हर स्तर पर आवाज उठाएंगे। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि न्यायालय के आदेशों का सम्मान करते हुए पुनर्स्थापना की प्रक्रिया मानवीय संवेदनाओं, पारदर्शिता और सुव्यवस्थित तरीके से पूरी की

जाएगी। उन्होंने बताया कि केशरवानी समाज के प्रतिनिधियों, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, क्षेत्रीय पार्षद सोनिया रंजीत सिंह, एसडीएम, नगर निगम एवं अन्य अधिकारियों के साथ हुई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के बाद ही पुनर्स्थापना का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। साथ ही प्रशासन, जेडीए और केशरवानी समाज के समन्वय से प्रत्येक प्रभावित परिवार के सम्मानजनक पुनर्वास का निर्णय लिया गया।

# अखिल भारतीय स्वास्थ्य आयाम प्रशिक्षण वर्ग आज से, देशभर के प्रतिनिधि होंगे शामिल

**जबलपुर।** महाकौशल सेवा भारती के तत्वावधान में 25 एवं 26 जुलाई को पहली बार अखिल भारतीय स्वास्थ्य आयाम प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन जबलपुर में किया जा रहा है। दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में देश के विभिन्न प्रांतों से प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता भाग लेंगे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा के विभिन्न आयामों, संगठनात्मक समन्वय, सेवा कार्यों के विस्तार तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श होगा। पत्रकार वार्ता में डॉ. संजय खन्ना, डॉ. अनुराग सोनी, आत्माराम दीक्षित, बृजमोहन एवं विवेक अग्रवाल ने बताया कि सेवा भारती देशभर में 6,021 स्वास्थ्य सेवा प्रकल्पों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रही है। इनमें 3,728 आरोग्य मित्र,

472 मोबाइल डिस्पेंसरी, 445 ओपीडी, 392 अस्पताल, 235 स्वास्थ्य शिक्षा केंद्र, 232 योग केंद्र, 152 एम्बुलेंस, 138 रोगी सहायता केंद्र, 103 जेनेरिक मेडिकल सेंटर सहित अनेक सेवा प्रकल्प संचालित हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण वर्ग स्वास्थ्य सेवा गतिविधियों के विस्तार और राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय को नई दिशा देने के साथ ही जबलपुर को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम कदम साबित होगा।

# जेडीए सीईओ दीपक कुमार वैद्य को दी भावभीनी विदाई

**जबलपुर।** जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी दीपक कुमार वैद्य के सम्मान में शुक्रवार को प्राधिकरण कार्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने श्री वैद्य को उनकी नवीन पदस्थापना के लिए शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी सहित प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी श्री वैद्य को नई जिम्मेदारियों के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्यकाल की सराहना की।

# गोरा बाजार शराब दुकान के पास धर्मस्थल की हुई नपाई, 100 मीटर दायरे में मिलने का दावा

**जबलपुर।** गोरा बाजार चौराहे पर संचालित शराब दुकान के विरोध में गोरा बाजार संघर्ष समिति के आंदोलन के नौवें दिन समिति की मांग पर राजस्व एवं आबकारी विभाग की मौजूदगी में शराब दुकान के समीप स्थित धर्मस्थल की नपाई कराई गई। तहसीलदार, आरआई, पटवारी, आबकारी एवं पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में हुई नपाई के दौरान समिति के अनुसार धर्मस्थल शराब दुकान से 100 मीटर के दायरे के भीतर पाया गया।

मौके पर अधिकारियों ने पंचनामा तैयार कर क्षेत्रीय नागरिकों के हस्ताक्षर भी कराए। इस दौरान नकूल गुप्ता, पवन यादव, प्रमोद बेन, पवन कनौजिया, हेमंत मलिक, प्रकाश अहिरवार, नीसु कनौजिया, रमेश यादव, राजा ठाकुर, योगेश कनौजिया, समीर महावर, जगदीश अग्रवाल, मनोज पिल्ले, योगेश विनोदिया, वसीम भाईजान, सोम सरवर, ओ.पी. अग्रवाल, मोहन महावर एवं आशु स्वामी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे।

## संस्कारधानी में कल होगा 'युग प्रवर्तक डॉक्टर हेडगेवार' नाटक का मंचन

**जबलपुर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में संस्कार भारती, जबलपुर महानगर के तत्वावधान में तथा नाद ब्रह्मा संस्था, नागपुर द्वारा प्रस्तुत ऐतिहासिक नाट्य प्रस्तुति 'युग प्रवर्तक डॉक्टर हेडगेवार' का मंचन 26 जुलाई को शाम 6 बजे मानस भवन प्रेक्षागृह में होगा। नाटक में संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन, उनके विचारों, संघ स्थापना की पृष्ठभूमि तथा तत्कालीन परतंत्र भारत की सामाजिक परिस्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। संस्कार भारती के महाकौशल प्रांत सह महामंत्री निखिल देशकर, प्रांत उपाध्यक्ष विजय मिश्रा, कोषाध्यक्ष मदन पटेल, सह कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ शुक्ला, महानगर अध्यक्ष माला सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष प्रभात दुबे, कमलेश यादव, प्रियंका मिश्रा, सौरभ दुबे, आदेश सिंह, साधना तिवारी, आरती दीक्षित, शैलजा सुल्लेरे, कुसुम चौबे, राजेश खरे एवं मुनीश जैन ने नागरिकों, कला प्रेमियों और इतिहास में रुचि रखने वाले लोगों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

## लक्ष्मीपुर-संजय नगर अतिक्रमण हटाने पर हाई कोर्ट की अंतरिम रोक

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट ने एमआर फोर लक्ष्मीपुर-संजय नगर क्षेत्र में प्रस्तावित अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर अगली सुनवाई तक अंतरिम रोक लगा दी है। जस्टिस मनिन्दर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने यह भी निर्देश दिया कि यदि किसी निवासी का बिजली कनेक्शन काटा गया है तो उसे तत्काल बहाल किया जाए। मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता रविंद्र कुमार गुप्ता ने करीब 22 पट्टाधारी निवासियों की ओर से हस्तक्षेप आवेदन प्रस्तुत किया। उनका कहना था कि संबंधित परिवारों को वर्ष 1998 में मध्य प्रदेश नगरीय क्षेत्र के भूमिहीन व्यक्ति अधिनियम, 1984 के तहत 30 वर्ष के पट्टे दिए गए थे, जिनकी अवधि अभी समाप्त नहीं हुई है। उन्होंने न्यायालय को बताया कि क्षेत्र में लगभग 400 परिवार वर्षों से निवास कर रहे हैं तथा नगर निगम को कर अदा करने के साथ बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं। आवेदकों ने तर्क दिया कि बेदखली के बजाय शासन की आवासीय योजनाओं के तहत उन्हें नियमित किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि केसरवानी शिक्षा समिति द्वारा भूमि पर अधिकार का दावा करते हुए दायर याचिका में यह अंतरिम आदेश पारित किया गया।

## क्राइस्ट चर्च को-एड स्कूल में हुआ स्काउट्स एवं गाइड्स ओरिएंटेशन कार्यक्रम

**जबलपुर।** क्राइस्ट चर्च को-एड स्कूल, जबलपुर में आज भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्काउट्स एवं गाइड्स की मूलभूत जानकारी एवं अनुशासन से परिचित कराना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्काउट्स एवं गाइड्स की वर्दी (यूनिफॉर्म) सही तरीके से पहनने, स्कार्फ बांधने की विधि, व्यक्तिगत रिकॉर्ड का सुव्यवस्थित रखरखाव तथा संगठन से संबंधित अन्य आवश्यक एवं सामान्य जानकारियाँ प्रदान की गईं। इस अवसर पर जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी एवं डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर राहुल राजपूत ने विद्यार्थियों को स्काउट्स एवं गाइड्स के उद्देश्य, अनुशासन, सेवा भावना तथा संगठन की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उन्हें सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी ने ऐसे उपयोगी एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की।

## विट्ठल वारी यात्रा का मुख्य आयोजन आज

**जबलपुर।** आषाढ़ी कार्तिकी वारी महामंडल द्वारा आयोजित प्रतिवर्ष अनुसार आज 25 जुलाई को शाम 4:00 बजे दत्त मंदिर से वारी यात्रा निकलेगी जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे, युवा वर्ग द्वारा बैंड, ढोल का प्रदर्शन किया जाएगा, पंढरपुर की तर्ज पर यह यात्रा दत्त मंदिर, गोल बाजार से मालवीय चौक, लॉर्डगंज, बड़ा फुहारा होते हुए हनुमानताल स्थित विट्ठल रखुमाई मंदिर पहुंचेगी। यात्रा में शामिल होने की अपील संतोष गोडबोलं, स्वाति गोडबोले, रंजन वर्तक, हेमंत पोहरकर, राजेश, प्रवीण, श्रीकांत, विद्येश वापकार, विवेक आदि ने की है।

# गुरु श्रद्धा से ही मिलता है भगवान का साक्षात्कार : ब्रह्मचारी चैतन्यानंदजी

## श्रीमद्भागवत कथा में ध्रुव, सती और देवहूति प्रसंगों के माध्यम से दिए संस्कार, समर्पण और अहंकार त्याग के संदेश

**हरिभूमि, जबलपुर।** श्री बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ सिविक सेंटर मढ़ाताल में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के पावन अवसर पर कथा के द्वितीय दिवस में ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद जी महाराज ने श्रद्धालुओं को गुरु महिमा, भक्ति और संस्कारों का गूढ़ संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा, समर्पण और विश्वास ही भगवान की प्राप्ति का सबसे सरल एवं श्रेष्ठ मार्ग है। जिस जीवन में गुरु के प्रति निष्ठा होती है, वहां परमात्मा की कृपा स्वतः प्राप्त होती है।

### सत्य का स्वरूप ही परमात्मा का वास्तविक तत्व

कथावाचन के दौरान महाराज श्री ने श्रीमद्भागवत के मंगलाचरण का भावार्थ समझाते हुए कहा कि सत्य का स्वरूप ही परमात्मा का वास्तविक तत्व है। सृष्टि की उत्पत्ति का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि भगवान नारायण द्वारा ब्रह्माजी को प्रदान किया गया चतुःश्लोकी भागवत का उपदेश ही ब्रह्मज्ञान का मूल आधार है।

### अहंकार ही मनुष्य के पतन का कारण

इसके पश्चात मनु और शतरूपा द्वारा मानव सृष्टि के विस्तार का उल्लेख करते हुए सृष्टि के दिव्य स्वरूप का वर्णन किया।सती चरित्र का प्रसंग सुनाते हुए ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी ने कहा कि अहंकार ही मनुष्य के पतन का सबसे बड़ा कारण है। अहंकार ज्ञान को नष्ट कर देता है और व्यक्ति को सत्य के मार्ग से भटका देता है।

### समन्वय, विश्वास और कर्तव्य ही वास्तविक विवाह

ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी ने कहा कि श्रद्धालुओं से विनम्रता, संयम और सदाचार को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। देवहूति एवं कर्दम ऋषि के प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पति-पत्नी के परस्पर समन्वय, विश्वास और कर्तव्य निर्वहन का नाम ही वास्तविक विवाह है। पारिवारिक जीवन तभी सफल होता है, जब उसमें धर्म, प्रेम और त्याग का समावेश हो।

### संस्कार, गुरु भक्ति और विश्वास नहीं जाते व्यर्थ

ध्रुव चरित्र का भावपूर्ण वर्णन करते हुए महाराज श्री ने कहा कि माता सुनीति के श्रेष्ठ संस्कार और देवर्षि नारद जैसे सद्गुरु के वचनों पर अटूट विश्वास के कारण ही ध्रुव को भगवान का साक्षात्कार प्राप्त हुआ। इसलिए जीवन में संस्कार, गुरु भक्ति और विश्वास कभी व्यर्थ नहीं जाते, बल्कि यही मनुष्य को परमात्मा तक पहुंचाने का माध्यम बनते हैं।

### यह रहे उपस्थित

कथा प्रारंभ होने से पूर्व श्रीमद्भागवत व्यासपीठ का विधिवत पूजन किया गया। इस अवसर पर प्रभा यादव, डॉ. संजय मिश्रा, पद्मा मेनन, बीके नीति पटेल, अमित प्रतीक्षा सिंह, घनश्याम मिश्रा, नीरज, वर्षा साहू, गोविंदा साहू, शशिकांत शिखा तिवारी, रिचा हेमंत मिश्रा, तुलसी अवस्थी, शिव गुप्ता, सुनील गुप्ता, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, आशीष चौकसे, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, सोनू कुरेले, राहुल मौर्य ,राज गुप्ता, लकी शर्मा, रोहित तिवारी, गौरव चौबे, अभिषेक उपाध्याय, मीडिया प्रभारी मनोज सेन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

**रजिस्ट्रेशन गुमी सूचना**

सूचित किया जाता है कि मैं रोशनी झारिया गोरखपुर ककरैया तलैया जब्लपुर निवासी हूं और मैं नर्सिंग छात्रा हूँ मेरा ओरिजनल रजिस्ट्रेशन दिनांक 23/06/2026 को गोरखपुर के रास्ते में कही गुम हो गया है राजस्ट्रेशन नम्बर V-72116. है जिस किसी भी व्यक्ति को मिले इस मो.न. 9300985513 पर सम्पर्क करें।

रोशनी झारिया
गोरखपुर ककरैया तलैया जबलपुर

**नाम सुधार सूचना**

सर्वसाधारण को सचित किया जाता है कि मैं, रशवीन होरा निवासी 532 प्रकाश गंगा, गोरखपुर, जबलपुर - 482001, ने भविष्य के सभी उद्धेश्यों दस्तावेजों के लिए अपना नाम बदलकर 'रशवीन कौर सलूजा' कर लिया है।

लाचार परिजनों की दर्दनाक तस्वीर

# 70 करोड़ का बजट या भ्रष्टाचार का स्ट्रेचर

## बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में चादर पर घिसट रही जिंदगी

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय का बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कहने को तो संभाग का सबसे बड़ा और हाइटेक अस्पताल है, लेकिन हकीकत में यह सफेद हाथी से ज्यादा कुछ नहीं साबित हो रहा, करोड़ों रुपए के भारी-भरकम बजट और कागजी दावों के नीचे यहां की बुनियादी व्यवस्थाएं दम तोड़ चुकी हैं। हद तो तब हो गई जब अस्पताल में भर्ती होने आए एक गंभीर मरीज को एक अदद स्ट्रेचर तक नसीब नहीं हुआ और बेबस परिजनों को चादर व कंबल का झूला बनाकर मरीज को डॉक्टर के चैंबर और वार्ड तक ढोने के लिए मजबूर होना पड़ा। क्या यही है संभाग के सबसे बड़े अस्पताल की चमचमाती हाई-टेक व्यवस्था?

### चादर पर घिसटने को मजबूर मरीज

शर्मनाक पहलू यह है कि हाल ही में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से नेशनल आयुष मिशन के तहत मेडिकल कॉलेज के बुनियादी ढांचे और मूलभूत सुविधाओं के कायाकल्प के लिए 70 करोड़ रुपए की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई है। लेकिन सवाल यह उठता है कि करोड़ों रुपए का यह विकास आखिर किसकी जेब में पच रहा है? जब अस्पताल के पास मरीज को वार्ड तक ले जाने के लिए 1000-2000 रुपए का स्ट्रेचर या व्हीलचेयर तक मौजूद नहीं है, तो फिर 70 करोड़ का यह ढिंढोरा किसके लिए पीटा जा रहा है? क्या यह बजट केवल कागजी खानापूरी और बड़े अधिकारियों व ठेकेदारों की जेबें भरने के लिए आया है?

### 200 मीटर दूर की जनप्रतिनिधि ही लाचार

चिकित्सा महाविद्यालय की संवेदनहीनता की यह खौफनाक बानगी मेडिकल कॉलेज से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत कुदरी से सामने आई है। कुदरी के वार्ड नंबर 11 की पंच सावित्री कुशवाहा अपनी सास की कमर की हड्डी टूटने पर इलाज के लिए शहडोल मेडिकल कॉलेज पहुंची थीं। कमर की हड्डी टूटी होने के कारण मरीज का एक-एक पल असहनीय दर्द में बीत रहा था। सोचिए, जो महिला खुद एक जनप्रतिनिधि है, जो अपने वार्ड के लोगों के सुख-दुख में हमेशा आगे रहती है, जब उसे अपने ही परिजनों के इलाज के लिए संभाग के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज में गिड़गिड़ाना पड़ रहा है और बेबस होकर अपनी सास को चादर के सहारे घसीटकर डॉक्टर तक ले जाना पड़ रहा है, तो अनूपपुर, उमरिया और दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से आने वाले गरीब, अशिक्षित आदिवासियों का यहाँ क्या हश्र होता होगा? इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

### कमीशनखोरी में मग्न प्रबंधन, भगवान भरोसे मरीज!

मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की इस घोर लापरवाही ने स्वास्थ्य विभाग की पोल खोलकर रख दी है। अस्पताल में न तो वार्ड बॉय समय पर मिलते हैं, न ही व्हीलचेयर और स्ट्रेचर की कोई सुचारू व्यवस्था है। इमरजेंसी के बाहर स्ट्रेचर धूल फांक रहे होते हैं या गायब रहते हैं, और पूछने पर कर्मचारियों का रवैया अमानवीय होता है। जनप्रतिनिधि सावित्री कुशवाहा ने अस्पताल प्रशासन की इस तानाशाही और लचर व्यवस्था पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि जब 200 मीटर दूर के स्थानीय लोगों को यह प्रताडना झेलनी पड़ रही है, तो दूर-दराज से आने वाले दूर-दराज के गरीबों का यहाँ क्या हाल होता होगा!

## बिजली चोरी रोकने पहुंची टीम से मारपीट करने वाला दोषी करार

शहडोल। विशेष न्यायालय (विद्युत अधिनियम) बुढ़ार के विशेष न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल ने बिजली चोरी एवं शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के चर्चित मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी मोहम्मद इसरार अंसारी को विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराया है। न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 353, 332 तथा विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135(1)(क) के तहत दोषसिद्धि दर्ज करते हुए कारावास एवं अर्थदंड से दंडित किया, जबकि धारा 506 (भाग-2) के आरोप से आरोपी को दोषमुक्त किया। यह निर्णय 20 जुलाई 2026 को पारित किया गया। मामले में राज्य शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक आलोक राय ने पैरवी की, जबकि आरोपी की ओर से अधिवक्ता सीताराम गुप्ता ने पक्ष रखा। अभियोजन के अनुसार 3 मार्च 2023 की रात लगभग 9 बजे मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी की जांच टीम बुढ़ार क्षेत्र के भुतहीटोला में बिजली चोरी की शिकायत पर पहुंची थी। टीम में कनिष्ठ अभियंता सुखबदन विश्वकर्मा सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे।

## बीच शहर ज्वेलरी शॉप में चोरी, शटर तोड़कर लाखों के जेवर और नकदी ले उड़ा बदमाश

रीवा। शहर के सबसे व्यस्त और संवेदनशील माने जाने वाले सिविल लाइन थाना क्षेत्र में चोरों ने एक बार फिर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए बीच शहर स्थित ज्वेलरी शॉप को निशाना बनाया। पदमधर कॉलोनी में संचालित श्री सिद्धिविनायक ज्वेलरी शॉप में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात अज्ञात बदमाश शटर तोड़कर दुकान के भीतर घुस गया और शोकेस के कांच तोड़ते हुए सोने-चांदी के आभूषणों के साथ नकदी लेकर फरार हो गया। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस, फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और साइबर सेल की टीम मौके पर पहुंची तथा वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी। दुकान संचालक संतोष सोनी के पुत्र ओम सोनी ने बताया कि उनकी ज्वेलरी शॉप पदमधर कॉलोनी में संचालित होती है। प्रतिदिन की तरह गुरुवार रात दुकान बंद कर सभी लोग अपने घर चले गए थे। तड़के करीब 3:20 बजे एक अज्ञात युवक दुकान के सामने पहुंचा। उसने पहले शटर को क्षतिग्रस्त कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद दुकान के भीतर रखे शोकेस के कांच तोड़े और उनमें रखे सोने-चांदी के आभूषणों के साथ गल्ले में रखी नकदी समेटकर फरार हो गया।

# रिश्वत कांड में फिर फंसा जेई

लोकायुक्त ने दर्ज की एफआईआर

**शहर संभाग के पदस्थ जेई प्रदीप दुबे पर उपभोक्ता से कार्रवाई के नाम पर 50 हजार रिश्वत मांगने का आरोप, बिजली विभाग ने कार्रवाई के नाम पर की खानापूर्ति**

रीवा।

बिजली विभाग में कार्रवाई के नाम पर कथित वसूली का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। शहर संभाग में पदस्थ जूनियर इंजीनियर (जेई) प्रदीप दुबे के खिलाफ 50 हजार रुपये रिश्वत मांगने में विशेष पुलिस स्थापना (लोकायुक्त) रीवा ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले में एक निजी व्यक्ति राज पटेल को भी सहआरोपी बनाया गया है। शिकायत के सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगने से जुड़ी बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग, ट्रांसक्रिप्ट और अन्य साक्ष्य एकत्र किए गए, जिसके आधार पर लोकायुक्त ने प्रथम दृष्टया आरोप सही मानते हुए अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। प्रकरण दर्ज होने के बाद लोकायुक्त के पत्र पर बिजली विभाग ने जेई प्रदीप दुबे को शहर संभाग से हटाकर पश्चिम संभाग के हिन्नौता डीसी में पदस्थ कर दिया है।लोकायुक्त में दर्ज शिकायत के अनुसार संजय नगर निवासी विकास सिंह ने 22 जून को पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना (लोकायुक्त) को लिखित आवेदन दिया था। शिकायत में बताया गया कि उनके मौसेरे भाई बालेन्द्र सिंह के रतहरा स्थित मकान पर बिजली विभाग के जेई प्रदीप दुबे जांच के लिए पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बिजली चोरी का मामला बताते हुए कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि कार्रवाई से बचाने के बदले जेई ने 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायत मिलने के बाद उप पुलिस अधीक्षक प्रवीण सिंह परिहार ने शिकायत का सत्यापन शुरू कराया। शिकायतकर्ता को एक डिजिटल वॉयस रिकॉर्डर उपलब्ध कराया गया और रिश्वत मांगने संबंधी बातचीत रिकॉर्ड करने के निर्देश दिए गए। 22 जून की शाम शिकायतकर्ता जेई प्रदीप दुबे एवं उनके साथ मौजूद निजी व्यक्ति राज पटेल से मिला। शिकायत के अनुसार इस दौरान दोनों ने 50 हजार रुपये लेने पर सहमति जताई। पूरी बातचीत डिजिटल रिकॉर्डर में रिकॉर्ड कर ली गई। अगले दिन शिकायतकर्ता ने सीलबंद रिकॉर्डर लोकायुक्त कार्यालय में जमा कराया। पंच साक्षियों की मौजूदगी में रिकॉर्डर खोला गया और रिकॉर्डेड बातचीत सुनी गई। शिकायतकर्ता ने अपनी तथा आरोपियों की आवाज की पहचान की, जिसके बाद पूरी बातचीत का ट्रांसक्रिप्ट तैयार किया गया। रिकॉर्डिंग की चार सीडी तैयार कर उन्हें भी विधिवत सीलबंद किया गया।

### जांच में प्रथम दृष्टया सही पाए गए आरोप

लोकायुक्त की जांच में शिकायत, ऑडियो रिकॉर्डिंग, ट्रांसक्रिप्ट और पंचनामा के आधार पर प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि जेई प्रदीप दुबे एवं निजी व्यक्ति राज पटेल ने अपने पद और प्रभाव का उपयोग करते हुए शिकायतकर्ता से अवैध रूप से 50 हजार रुपये लेने की सहमति दी थी। इसके आधार पर दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा-7 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61(2) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई।

### लोकायुक्त के पत्र पर विभाग ने हटाया

प्रकरण दर्ज होने के बाद विशेष पुलिस स्थापना (लोकायुक्त) के पुलिस अधीक्षक ने अधीक्षण अभियंता, बिजली विभाग को पत्र भेजा। इसके बाद विभाग ने प्रदीप दुबे को शहर संभाग से हटाकर पश्चिम संभाग के हिन्नौता डीसी में स्थानांतरित कर दिया। हालांकि विभाग ने इस मामले को सार्वजनिक रूप से उजागर नहीं किया और केवल स्थानांतरण की कार्रवाई की। जबकि मामला दर्ज होने के बाद उक्त जीप पर विभाग द्वारा निलंबन की कारवाई किया जाना चाहिए था।

### पहले भी इसी कुर्सी पर फंस चुके हैं जेई

**यह पहला मामला नहीं है। जिस पद पर वर्तमान में प्रदीप दुबे पदस्थ थे, उसी पद पर पहले जेई किशोर त्रिपाठी भी रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त की कार्रवाई का सामना कर चुके हैं। उस समय भी मामला सामने आने के बाद उनका स्थानांतरण किया गया था।**

लगातार दूसरी बार एक ही पद पर पदस्थ अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप सामने आने से बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

**मामला दबाए बैठा है विभाग**

**बिजली विभाग के जेई के खिलाफ लोकायुक्त ने प्रकरण दर्ज किया लेकिन मामले का खुलासा नहीं किया। सूत्रों की मानें तो प्रदीप के अलावा और भी अधिकारियों की शिकायतें हैं। विभाग मामले को उजागर होने के बाद ही शहर संभाग से जेई को इधर-उधर कर देता है।**

विधानसभा में गूंजा कटनी में शासकीय मेडिकल कॉलेज का मुद्दा, विधायक ने दागे सवाल

# उम्मीदों में वज्राघातः जिले में सरकारी मेडिकल कॉलेज की थी मांग, सरकार ने कहा कोई विचार नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में कई वर्षों से सरकारी मेडिकल कॉलेज बनाये जाने की उम्मीद जनता लगाये बैठी थी। सालों के इंतजार के बाद नागरिकों की उम्मीद फलीभूत तो हुई लेकिन इस सौगात के मिलने की खुशी को सरकार ने किरकिरा बना दिया। जन भावनाओं के विपरीत जिले में पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण कराया जा रहा है। मेडीकल कॉलेज के पीपीपी मोड के मुद्दे पर कांग्रेस के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक लखन घनघोरिया ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से विधानसभा सदन में उठाया।

श्री घनघोरिया ने आरकेडीएफ की पारिवारिक संस्था स्वामी विवेकानंद फाउंडेशन से हुए अनुबंध पर भी सवाल उठाए,उन्होंने सरकार से पूंछा कि इस संस्था से जुड़ी कंपनियों पर क्या एसटीएफ ने फर्जी मार्कशीट के मुकदमे दर्ज किए है? क्या सरकार इनसे अनुबंध निरस्त पर विचार कर रही है? उन्होंने पूंछा कि ऐसी संदेहास्पद संस्था से अनुबंध से क्या जनता को कोई लाभ हो सकेगा?उन्होंने पूंछा की क्या यह संस्था शासन के पैसों से मेडिकल कॉलेज खोलकर अपने हितो को प्राथमिकता देगी? क्या कटनी जिले की जनता की माँग PPP मेडिकल कॉलेज नहीं शासकीय मेडिकल कॉलेज है? उन्होंने सरकार को बताया की कटनी में इस कॉलेज खोले जाने से जनता में रोष व्याप्त है।

उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने जो जवाब दिए है वह कटनी के लिए अत्यंत निराशाजनक है। उन्होंने सदन में बताया की संस्था के विरुद्ध वर्तमान में कोई भी जांच एसटीएफ में नहीं चल रही है जबकि यह सर्विदित है एसटीएफ ने भोपाल पर आरकेडीएफ पर फर्जी मार्कशीट बनाने को लेकर प्रकरण दर्ज किया है और स्वामी विवेकानंद फाउंडेशन उन्ही की पारिवारिक संस्था है। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने जवाब में स्पष्ट किया है कि प्रदेश के प्राइवेट मेडिकल कॉलेज से भी जनता को लाभ मिलता है इस कारण यह शंका की यह संस्था द्वारा निर्मित शासकीय मेडिकल कॉलेज जनता का इलाज संजीदगी से नहीं करेगा यह शंका निर्मूल है। राज्य शासन ने यह निर्णय वित्तीय संसाधाओं के बेहतर उपयोग के लिए लिया है,सबसे निराशाजनक जवाब को स्वास्थ्य मंत्री ने दिया वह यह है की पीपीपी मोड के मेडिकल कॉलेज की जगह शासकीय मेडिकल कॉलेज पर कोई विचार नहीं है,वर्तमान में निर्माण का कार्य प्रारंभ हो चुका है। जनता में पीपीपी मोड पर खुल रहे शासकीय मेडिकल कॉलेज को लेकर कोई आक्रोश नहीं है।

### जनता के साथ हुआ छलावा, जनप्रतिनिधियों ने किये झूठे वादे

सरकार से आए जवाब पर कांग्रेस नेता दिव्यांशु मिश्रा अंशु ने कटनी की जनता को छलने वाला एवं निराशाजनक बताया, कटनी के विभिन्न राजनातिक दल एवं कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई ने समय समय पर जनता को साथ लेकर शासकीय मेडिकल कॉलेज खोले जाने को लेकर विभिन्न आंदोलन किए थे। खजुराहो सांसद वीडी शर्मा एवं मुडवारा विधायक संदीप जयस्वाल ने भी जनता से समय समय पर शासकीय मेडिकल कॉलेज खोले जाने को लेकर झूंठा वादा किया था। दिव्यांशु मिश्रा ने कहा सरकार के इस निर्णय का कांग्रेस पुरज़ोर विरोध करती है ज़ब संस्था संदेहहास्पद नहीं थी तो मुख्यमंत्री जी ने अपना भूमिपूजन का कार्यक्रम क्यो निरस्त किया?क्यो क्षेत्रीय नेतृत्व ने जनता को मेडिकल कॉलेज का सपना दिखाया? जनता के तमाम आंदोलन और प्रदर्शनों को सरकार ने नकारते हुए जो जवाब दिए है उसे लेकर छात्रहितों एवं जनहित में निरंतर लड़ाई लड़ी जाएगी।

# बीएसी पर धमकी देने व पद के दुरुपयोग का आरोप

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने तथा अच्छी शिक्षा व्यवस्थाएं देने के लिए प्रयासरत है परन्तु स्कूल शिक्षा मंत्री के गृह जिले में शिक्षा विभाग के भीतर अंदरूनी खींचतान और विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। स्कूल में पदस्थ दो महिला शिक्षिकाओं ने एक ब्लॉक अकादमिक समन्वयक (बीएसी) पर अनुचित हस्तक्षेप, पद के दुरुपयोग और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को एक लिखित आवेदन सौंपा है। शिक्षिकाओं का कहना है कि विभागीय कार्यप्रणाली में अनावश्यक दखलअंदाजी के कारण स्कूल का माहौल असहज हो रहा है। जिला प्रशासन को चाहिए कि महिला शिक्षिकाओं द्वारा दिए गए आवेदन पर विचार करते हुए जांच पड़ताल कर ठोस कार्रवाई करे जिससे आपसी कलह का प्रभाव स्कूल में पड़ने वाले विद्यार्थियों पर ना पड़े।

### मामला इस प्रकार

पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिक्षिका प्रज्ञा तिवारी और नासिरा बेगम (नाजरा बेगम) ने शिकायत दर्ज कराई है। शिक्षिका प्रज्ञा तिवारी ने बताया कि उनके ही स्कूल में कार्यरत शिक्षिका सिया झारिया के पति विनोद कुमार झारिया बीआरसी कार्यालय में बीएसी के पद पर पदस्थ हैं। कथित तौर पर स्कूल के आंतरिक व अकादमिक मामलों में दखल देते हैं। शिकायतकर्ता शिक्षिकाओं का दावा है कि स्कूल से जुड़ी किसी भी सामान्य बातचीत या पत्राचार के दौरान भी उक्त अधिकारी द्वारा हस्तक्षेप किया जाता है और फोन करके अनुचित दबाव बनाने का प्रयास किया जाता है। शिक्षिकाओं ने अपनी शिकायत में इस बात की भी गंभीर आशंका व्यक्त की है कि उन पर दबाव बनाने की नीयत से किसी झूठे मामले में फंसाने का प्रयास किया जा सकता है।

### मानसिक प्रताड़ना का आरोप

शिक्षिकाओं द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया है कि उनका ऐसा कोई गंभीर मामला नहीं है, फिर भी अधिकारी द्वारा अपने पद और प्रभाव का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। फोन पर लगातार मिल रही धमकियों से वे अत्यधिक मानसिक तनाव में हैं, जिससे स्कूल का शैक्षणिक माहौल भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि उनके पास बातचीत के साक्ष्य के तौर पर कॉल रिकॉर्ड सुरक्षित हैं। आवेदन के माध्यम से शिक्षिकाओं ने भविष्य में किसी झूठे या जातिगत विद्वेष से भरे मामले में फंसाए जाने की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच और सुरक्षा की मांग की है। विद्यार्थियों की शिक्षा देने वाली शिक्षिकाएं आपसी विवाद में उल्झी रहेंगी तो विद्यार्थियों के अध्यापन का कार्य भी व्यवस्थित नही हो सकेगा। प्रशासन को चाहिए कि मामले की जांच पड़ताल कर ठोस कार्रवाई करते हुए शिक्षिकाओं का आपसी समन्वय बनाया जाए। जिससे आपसी विवाद का प्रभाव विद्यार्थियों पर ना पड़े।

# नीट पेपर लीकः यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई का उग्र प्रदर्शन, कलेक्ट्रेट घेराव के दौरान पुलिस से हुई झड़प

सतना।

देश भर में चर्चित नीट पेपर लीक मामले और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सतना में यूथ कांग्रेस और एन एसयूआई का जोरदार आक्रोश देखने को मिला। शुक्रवार को छात्रों और कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तब बेहद तनावपूर्ण हो गई जब उग्र कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर लगाए गए बैरिकेड्स तोड़ने का प्रयास किया और पुलिस के साथ तीखी धक्का-मुक्की व झड़प हुई। आंदोलन की शुरुआत प्रेम नगर अंडर ब्रिज के पास से हुई,जहाँ सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं और कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्र हुए। एनएसयूआई और कांग्रेस पार्टी के बैनर तले कलेक्ट्रेट तक एक विशाल जुलूस निकाला गया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि देश की शिक्षा व्यवस्था में लगातार हो रही गड़बड़ियों से युवाओं का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। जुलूस के दौरान केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। प्रदर्शन में शामिल नेताओं ने दावा किया कि वर्ष 2013 के बाद जिले में छात्रों का ऐसा ऐतिहासिक और विशाल आंदोलन पहली बार देखा गया है,जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कलेक्ट्रेट पहुंचने पर जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की,तो माहौल गर्मा गया। बैरिकेड्स हटाने को लेकर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच भारी रस्साकसी और तीखी बहस हुई। इसी आपाधापी के बीच उग्र कार्यकर्ताओं द्वारा कोतवाली टीआई की गाड़ी में तोड़फोड़ करने का मामला भी सामने आया। स्थिति को बेकाबू होते देख पुलिस ने मुस्तैदी दिखाई और बल प्रयोग कर भीड़ को नियंत्रित किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री डॉ.रश्मि सिंह सहित लगभग एक दर्जन कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। अंत में,आंदोलनकारियों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री को तत्काल पद से हटाने और देश की शिक्षा व्यवस्था में कड़े सुधार की मांग की।

# अगस्त से लागू होगा सीकेवाईसी 2.0! खाता खोलने और निवेश का तरीका बदलेगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत में वित्तीय सेवाओं का इस्तेमाल अब पहले से कहीं ज्यादा आसान होने वाला है। सरकार और वित्तीय नियामकों की ओर से सेंट्रल नो योर कस्टमर 2.0 (सीकेवाईसी 2.0) सिस्टम लागू करने की तैयारी की जा रही है।

- अगस्त में शुरुआत बैंकों और बीमा कंपनियों में होगी फिर ब्रोकरेज कंपनियां जुड़ेगी

अगस्त से इसकी शुरुआत बैंकों और बीमा कंपनियों में होगी, जबकि बाद में म्यूचुअल फंड और ब्रोकरेज कंपनियां भी इससे जुड़ जाएंगी। इस नई व्यवस्था के बाद ग्राहकों को हर बार नया वित्तीय उत्पाद खरीदते समय या खाता खोलते समय बार-बार केवाईसी दस्तावेज जमा नहीं करने पड़ेंगे। सीकेवाईसी 2.0 के तहत ग्राहकों को केवल एक बार अपनी सहमति (कंसेंट) देनी होगी। इसके बाद बैंक, बीमा कंपनियां और अन्य वित्तीय संस्थान केंद्रीय रजिस्ट्री में मौजूद सत्यापित जानकारी को सीधे प्राप्त कर सकेंगे। इससे खाता खोलने, बीमा पॉलिसी लेने या अन्य वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया काफी तेज और आसान हो जाएगी।

## सरकार और वित्तीय नियामकों की ओर से सेंट्रल नो योर कस्टमर सिस्टम लागू करने की तैयारी

### धोखाधड़ी रोकने और निवेश बढ़ाने में मिलेगी मदद

विशेषज्ञों का मानना है कि यह नई व्यवस्था सिर्फ ग्राहकों की सुविधा ही नहीं बढ़ाएगी, बल्कि वित्तीय धोखाधड़ी पर भी लगाम लगाने में मदद करेगी। एक ही जगह सत्यापित जानकारी उपलब्ध होने से फर्जी दस्तावेजों और डुप्लिकेट पहचान का जोखिम कम होगा। सीकेवाईसी 2.0 से म्यूचुअल फंड उद्योग को बड़ा फायदा मिल सकता है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पास ही करीब 50 करोड़ बैंक खाते हैं। यदि इनमें से थोड़े से पात्र ग्राहक भी आसानी से निवेश शुरू करते हैं, तो म्यूचुअल फंड उद्योग का निवेशक आधार तेजी से बढ़ सकता है।

*ओटीपी के जरिए मंजूरी लेनी होगी : सीकेवाईसी 2.0 में हर रिकॉर्ड के साथ एक 'कॉन्फिडेंस स्कोर' होगा, जिससे यह पता चलेगा कि ग्राहक की जानकारी कितनी भरोसेमंद है और उसे किसी वित्तीय संस्था ने सत्यापित किया है या नहीं। किसी भी संस्था को ग्राहक का रिकॉर्ड देखने के लिए ओटीपी के जरिए उसकी मंजूरी लेनी होगी।*

### बार-बार केवाईसी कराने की झंझट होगी खत्म

अभी किसी व्यक्ति को बैंक खाता खोलने, म्यूचुअल फंड में निवेश करने, बीमा खरीदने या अन्य वित्तीय सेवाओं का लाभ लेने के लिए अलग-अलग संस्थानों में बार-बार केवाईसी दस्तावेज जमा करने पड़ते हैं। हालांकि देश में करीब 120 करोड़ रिकॉर्ड वाली केंद्रीय केवाईसी रजिस्ट्री पहले से मौजूद है, लेकिन उसमें डुप्लिकेट रिकॉर्ड, अधूरी जानकारी और डेटा की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। इसी वजह से कई संस्थान उस डेटा पर पूरी तरह भरोसा नहीं करते।

### आरबीआई, सेबी व इरडा मिलकर लागू कर रहे

यह परियोजना भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) और बीमा नियामक इरडा मिलकर लागू कर रहे हैं। फिलहाल बैंक और बीमा कंपनियों को इससे जोड़ा जा रहा है, जबकि म्यूचुअल फंड और ब्रोकरेज कंपनियों को इस साल के अंत तक इसमें शामिल किए जाने की संभावना है।

## खबर संक्षेप

### हिंदुस्तान जिंक का शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक

**नई दिल्ली।** वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दोगुने से अधिक होकर 5,469 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 2,234 करोड़ रुपये था।

### नित्यास जेम्स को सेबी से आईपीओ लाने की मंजूरी

**नई दिल्ली।** नित्यास जेम्स एंड ज्वेलरी लिमिटेड और इंटेलियस रिकोड लिमिटेड को आईपीओ के जरिये धन जुटाने के लिए सेबी से मंजूरी मिल गई है। बाजार नियामक के शुक्रवार के अद्यतन से यह जानकारी मिली। नित्यास जेम्स एंड ज्वेलरी ने मार्च में मसौदा दस्तावेज दाखिल किए थे और उसे 23 जुलाई को सेबी की मंजूरी मिली।

### मणिपाल हेल्थ का आईपीओ 29 जुलाई को खुलेगा

**नई दिल्ली।** देश की प्रमुख अस्पताल श्रृंखलाओं में शामिल मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज लिमिटेड का 9,275 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 29 जुलाई को खुलेगा। शुक्रवार को जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 560-590 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

### कैलिबर माइनिंग का निर्गम 19 फीसदी चढकर सूचीबद्ध

**नई दिल्ली।** कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 424 रुपये के मुकाबले लगभग 19 प्रतिशत बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 18.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 504 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 19.75 प्रतिशत चढ़कर 507.75 रुपये पर पहुंच गया।

### ओरिएंट सीमेंट का शुद्ध लाभ 62.4 प्रतिशत घटा

ORIENT CEMENT

**नई दिल्ली।** ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड का 2026-27 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 62.4 प्रतिशत घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। 2025-26 की पहली (जून) तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 205 करोड़ रुपये था। आय 30.25 प्रतिशत घटकर 604 करोड़ रुपये रह गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 866 करोड़ रुपये थी।

### डालमिया भारत के लाभ में 51 फीसदी की गिरावट

**नई दिल्ली।** सीमेंट बनाने वाली कंपनी डालमिया भारत लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर 51.4 प्रतिशत घटकर 192 करोड़ रुपये रहा। 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 395 करोड़ रुपये था। 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की परिचालन आय सात प्रतिशत बढ़कर 3,890 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,636 करोड़ रुपये थी।

## केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक नई योजना की घोषणा की

# तीन बड़े केमिकल पार्कों की स्थापना के लिए 3,030 करोड़ रुपए की योजना मंजूर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 'भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन' (भव्य-रसायन) को मंजूरी दी गई। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में घोषित इस योजना की कुल लागत 3,030 करोड़ रुपये है। इसमें से 3,000 करोड़ रुपये साझा अवसंरचना एवं बुनियादी सुविधाओं के विकास पर खर्च किए जाएंगे, जबकि 30 करोड़ रुपये प्रशासनिक व्यय के लिए निर्धारित हैं। यह योजना वर्तमान वित्त वर्ष से शुरू होकर 2030-31 तक पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी।

### केवल बुनियादी ढांचे के लिए केंद्रीय मदद होगी

वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि कम-से-कम 2,000 एकड़ क्षेत्र में स्थापित होने वाले एक केमिकल पार्क में 20,000 करोड़ रुपये से 50,000 करोड़ रुपये तक का निवेश हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह योजना निवेश जुटाने में गुणक का काम करेगी। उन्होंने ने कहा कि कुल निवेश योजना के लिए निर्धारित राशि से कहीं अधिक होगा, क्योंकि 3,030 करोड़ रुपये केवल बुनियादी ढांचे के लिए केंद्रीय मदद है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीन बड़े केमिकल पार्कों की स्थापना के लिए शुक्रवार को 3,030 करोड़ रुपये की एक नई योजना की घोषणा की। इसके जरिए भारत को रसायन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस फैसले की जानकारी दी।

- देश को रसायन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य
- 'भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन' को मंजूरी दी गई
- यह योजना वर्तमान वित्त वर्ष से शुरू होकर पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी

### रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी

सरकार ने कहा कि यह योजना घरेलू एवं विदेशी निवेश आकर्षित करेगी, उत्पादन क्षमता बढ़ाएगी और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी। इन पार्कों में सीईटीपी, टीएसडीएफ, जल आपूर्ति प्रणाली, सॉल्वेंट रिकवरी, स्टीम नेटवर्क, पाइपलाइन नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

### 2,000 एकड़ भूमि की उपलब्धता जरूरी

वैष्णव ने कहा कि इन पार्कों का विकास राज्यों के साथ 'चैलेंज रूट' के तहत किया जाएगा और हरेक पार्क के लिए न्यूनतम आठ वर्ग किलोमीटर (करीब 2,000 एकड़) निर्बाध भूमि की उपलब्धता जरूरी होगी। ये पार्क ग्रीनफील्ड (नई) या ब्राउनफील्ड (पुरानी) दोनों तरह के हो सकते हैं, जिसका चयन राज्य सरकारें करेंगी। वैष्णव ने कहा कि रसायन क्षेत्र अर्थव्यवस्था का एक 'आधारभूत' क्षेत्र है, जो कई उद्योगों को कच्चा माल उपलब्ध कराता है।

### प्रत्येक पार्क को 1000 करोड़ तक का अनुदान देगी

केंद्र सरकार इस योजना के तहत स्थापित होने वाले प्रत्येक पार्क के लिए अधिकतम 1,000 करोड़ रुपये तक का अनुदान देगी। हालांकि संबंधित राज्य सरकार के लिए कम-से-कम 500 करोड़ रुपये का योगदान करना जरूरी होगा। सरकार ने कहा कि इस योजना से रसायन उद्योग की समूची मूल्य श्रृंखला का विकास होगा, संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा और लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी।

### रसायन उद्योग का टिकाऊ विकास होगा

सरकार ने कहा, /''इन पार्कों की स्थापना से रसायन उद्योग का टिकाऊ विकास होगा और इसके प्रभाव से कृषि, वस्त्र, दवा, वाहन एवं इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में भी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

# सरकार ने 'बिटचैट' को हटाने का गिटहब को दिया आदेश

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

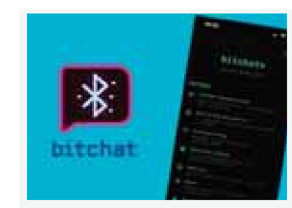


- बिटचैट ब्लूटूथ आधारित संदेश ऐप है
- गृह मंत्रालय के साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने दिया आदेश

गृह मंत्रालय के साइबर अपराध प्रकोष्ठ भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने माइक्रोसॉफ्ट की अनुषंगी कंपनी गिटहब को ब्लूटूथ-आधारित संदेश ऐप 'बिटचैट' हटाने का आदेश दिया है। यह जानकारी एक नोटिस से मिली।

ऐप के डेवलपर और ट्विटर के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जैक डोर्सी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर नोटिस की प्रति साझा करते हुए लिखा, ''भारत सरकार को 'बिटचैट' जैसी प्रौद्योगिकी पसंद नहीं है और वह इसे हटाना चाहती है। इस संबंध में आई4सी को भेजे गए सवाल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। आई4सी ने अपने नोटिस में कहा कि यह ऐप नेटवर्क प्रतिबंधों के दौरान भी संचार की सुविधा देता है और इसका दुरुपयोग राष्ट्रविरोधी तत्वों, आतंकवादी संगठनों, संगठित आपराधिक गिरोहों तथा साइबर अपराधियों द्वारा कानून प्रवर्तन एजेंसियों की निगरानी से बचने एवं कानूनी प्रतिबंधों के बावजूद संपर्क बनाए रखने के लिए किया जा सकता है।

बिटचैट' का उल्लेख करते हुए आई4सी ने कहा कि गिटहब मंच पर उपलब्ध यह ऐप कानून के तहत प्रतिबंधित है या किसी गैरकानूनी गतिविधि को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल की जा रही है। आई4सी ने कहा कि उसने ऐसे कई ऐप की पहचान की है जो मोबाइल नेटवर्क, इंटरनेट संपर्क या केंद्रीकृत सर्वर पर निर्भर हुए बिना ब्लूटूथ 'मेश नेटवर्क' के जरिये विकेंद्रीकृत एक उपकरण से दूसरे उपकरण में संदेश सेवा उपलब्ध कराते हैं।

### ऐप गुमनाम संचार की सुविधा देता है

नोटिस के अनुसार, यह ऐप अनिवार्य पंजीकरण, मोबाइल नंबर सत्यापन या संदेशों का केंद्रीकृत रिकॉर्ड रखे बिना गुमनाम संचार की सुविधा देता है। इसकी तकनीकी संरचना के कारण कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए वैध निगरानी, उपयोगकर्ता की पहचान और जांच करना काफी कठिन हो जाता है।

# शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन गिरावट, सेंसेक्स 332 अंक फिसला

एजेंसी ⏭ मुंबई

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिका के नए व्यापार शुल्क से उपजी चिंताओं के बीच शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार पांचवें सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 332 अंक गिर गया जबकि निफ्टी 102 अंक नुकसान में रहा।

विश्लेषकों के मुताबिक, कच्चे तेल के दाम में मजबूती कायम रहने, विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में बिकवाली से धारणा नकारात्मक रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 331.62 अंक गिरकर 76,059.77 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह एक समय 916.96 अंक यानी 1.20 प्रतिशत लुढ़ककर 75,474.43 तक गिर गया था।

वहीं निफ्टी 102.15 अंक यानी 0.43 प्रतिशत फिसलकर 23,767.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स और इन्फोसिस प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, एचसीएल टेक, आईटीसी, एक्सिस बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

- खाड़ी युद्ध का बढ़ता तनाव और अमेरिकी शुल्क से उपजी चिंता प्रमुख कारण
- कच्चे तेल के दाम में मजबूती, एफआईआई की मुनाफावसूली

### बेंट क्रूड 100 डॉलर के पार

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 3.66 प्रतिशत गिरकर 96.98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। हालांकि पिछले सत्र में यह 100 डॉलर के पार चला गया था। व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.46 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.08 प्रतिशत की मामूली तेजी रही।

# भारत, इजराइल के बीच एफटीए पर दूसरे दौर की बातचीत पूरी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत और इजराइल के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर दूसरे दौर की वार्ता इस सप्ताह संपन्न हो गई। इसमें वस्तुओं एवं सेवाओं के व्यापार, उत्पत्ति के नियम, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, बौद्धिक संपदा अधिकार, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं और व्यापार सुगमता सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। यह वार्ता 20 से 23 जुलाई के बीच नयी दिल्ली में आयोजित की गई। वाणिज्य मंत्रालय ने बयान में कहा, ''चर्चा रचनात्मक और भविष्योन्मुखी रही। दोनों पक्षों ने मतभेद कम करने और सहमति वाले क्षेत्रों की पहचान करने के उद्देश्य से विभिन्न तकनीकी विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। मंत्रालय ने कहा कि भारत और इजराइल के बीच कई क्षेत्रों में परस्पर पूरकता है और प्रस्तावित एफटीए द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने तथा आर्थिक एकीकरण को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। दोनों देशों के तकनीकी विशेषज्ञों ने वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार, उत्पत्ति के नियम, स्वच्छता एवं पादप स्वच्छता उपाय, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, बौद्धिक संपदा अधिकार, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं एवं व्यापार सुगमता, आर्थिक सहयोग तथा प्रस्तावित समझौते के अन्य अध्यायों पर अलग-अलग तकनीकी सत्र आयोजित किए।

- वस्तुओं एवं सेवाओं के व्यापार सहित कई मुद्दे पर चर्चा
- वार्ता 20 से 23 जुलाई के बीच दिल्ली में आयोजित की गई

*दोनों देशों में व्यापार 3.93 अरब डॉलर रहा : बयान में कहा गया कि दोनों पक्ष संतुलित, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए को जल्द अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार एवं आर्थिक संबंधों को और मजबूती मिलेगी। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत और इजराइल के बीच कुल द्विपक्षीय वस्तु व्यापार 3.93 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।*

# नेस्ले के लिए वृद्धि का प्रमुख इंजन रहेगा भारत : सीईओ

**नई दिल्ली।** स्विट्ज़रलैंड की खाद्य एवं पेय क्षेत्र की प्रमुख कंपनी नेस्ले एसए के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फिलिप नावराटिल ने कहा कि भारत कंपनी के लिए मजबूत वृद्धि का प्रमुख इंजन बना रहेगा। हालांकि कर ढांचे में बदलाव से मिलने वाला लाभ तीसरी तिमाही से कम होने लगेगा, लेकिन इसके बावजूद भारतीय बाजार में दोहरे अंक की वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। नेस्ले की आय संबंधी जानकारी देते हुए नावराटिल ने भारत के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि दक्षिण एशिया, विशेषकर भारत, का प्रदर्शन ''बेहद मजबूत'' रहा।

# दिल्ली में सोना 2,000 रुपए टूटा, चांदी 5,000 रुपए सस्ती

- सोना टूटकर 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम
- चांदी लुढ़कर 2,24,700 रुपए प्रति किलोग्राम रही

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 2,000 रुपये टूटकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रही। कारोबारियों की मुनाफावसूली के कारण सोने की कीमत में गिरावटआई।

कारोबारियों के अनुसार 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,000 रुपये घटकर 1,47,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रही। यह लगातार दूसरे दिन की गिरावट है। बीते दिन सोना 1,49,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था। भारी बिकवाली के कारण चांदी की कीमत भी 5,000 रुपये टूटकर 2,24,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रही। पिछले सत्र में यह 2,29,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। कारोबारियों ने कहा कि घरेलू बाजार में लिवाली धारणा कमजोर रहने के बीच सर्राफा कीमतें दबाव में रहीं।

## सीजी पावर के लाभ में 16 फीसदी का उछाल

**नई दिल्ली।** सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही अप्रैल-जून में 15.5 प्रतिशत बढ़कर 308.28 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आय बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 266.87 करोड़ रुपये था। कंपनी की कुल आय बढ़कर 3,364.39 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,906.30 करोड़ रुपये थी। इन वित्तीय परिणामों में स्वीडन, जर्मनी और नीदरलैंड स्थित उसकी परिचालन अनुषंगी कंपनियों तथा अन्य गैर-परिचालन अनुषंगी कंपनियों का प्रदर्शन भी शामिल है।

## टेस्ला और स्पेसएक्स के शेयर धड़ाम, छह फीसदी तक आई गिरावट

# मस्क को लगा 1 ही दिन में 44.4 अरब डॉलर का बड़ा झटका

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयरों में गुरुवार को करीब 5 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं, स्पेसएक्स के शेयर 6 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गए। इससे मस्क को एक ही दिन में 44.4 अरब डॉलर का बड़ा झटका लगा।

- मस्क की कुल संपत्ति घटकर 745 अरब डॉलर रह गई

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक अब दुनिया के इस सबसे अमीर व्यक्ति की कुल संपत्ति 745 अरब डॉलर रह गई है। कुछ दिन पहले ही मस्क ट्रिलियनेयर बने थे। टेस्ला के शेयरों में गिरावट उस वक्त हुई जब कंपनी ने अप्रैल से जून तिमाही के मिले-जुले नतीजे पेश किए। हालांकि, कंपनी का रेवेन्यू उम्मीद से बेहतर रहा, लेकिन मुनाफे में बड़ी कमी और निगेटिव फ्री कैश फ्लो ने निवेशकों का भरोसा कम कर दिया।

### टेस्ला की आय 28.24 अरब डॉलर रही

टेस्ला की इस तिमाही में कुल आय 28.24 अरब डॉलर रही, जो पिछले साल की समान तिमाही से 26 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, कंपनी की प्रति शेयर कमाई (ईपीएस) मात्र 0.33 डॉलर रही, जो वॉल स्ट्रीट की 0.51 डॉलर की उम्मीद से काफी कम है। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट पिछले साल के मुकाबले 5 प्रतिशत घटकर 1.11 अरब डॉलर रह गया।

- टेस्ला के शेयर 4.4 प्रतिशत गिरकर 374.01 डॉलर पर आ गए

### अलग-अलग कारोबारी हिस्सों का प्रदर्शन

ऑटोमोबाइल व्यवसाय से आय सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 20.52 अरब डॉलर हो गई, जबकि एनर्जी बिजनेस से रेवेन्यू में 13 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 3.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस सेगमेंट के अंतर्गत सौर ऊर्जा और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियां आती हैं। हालांकि, कुल आय बढ़ी, लेकिन टेस्ला का कुल प्रॉफिट मार्जिन घट गया, क्योंकि प्रति वाहन औसत बिक्री मूल्य में गिरावट आई। इससे सकल मार्जिन पिछली बार के 17.2 प्रतिशत से घटकर 16.8 प्रतिशत हो गया, जो बाजार की 19.4 प्रतिशत की अपेक्षा से काफी कम रहा।

विस्तारित कारोबार में टेस्ला के शेयर 4.4 प्रतिशत गिरकर 374.01 डॉलर पर आ गए। नियमित कारोबार में भी शेयर 1.3 प्रतिशत लुढ़का और साल 2026 में अब तक यह 15 प्रतिशत नीचे आ चुका है।

### निगेटिव कैश फ्लो की चिंता

एक और बड़ी चिंता टेस्ला का निगेटिव कैश फ्लो रहा। इस तिमाही में 1.1 अरब डॉलर की कमी आई, जबकि पिछले साल यह 146 मिलियन डॉलर सकारात्मक था और पिछली तिमाही में 1.44 अरब डॉलर था। साथ ही, इस तिमाही में कंपनी का कैपेक्स दोगुने से भी अधिक बढ़कर 5.79 अरब डॉलर हो गया, जो सालाना आधार पर 142 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। टेस्ला के सीएफओ वैभव तनेजा ने बताया कि 2026 और उसके बाद भी कंपनी का परिचालन खर्च बढ़ता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कच्चे माल की ऊंची कीमतें और ब्याज दरों में बदलाव लागतों को और बढ़ाएंगे।

### विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 676.24 अरब डॉलर पर

**मुंबई।** देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 1.08 अरब डॉलर बढ़कर 676.24 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इससे पिछले सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार 96.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 675.16 अरब डॉलर हो गया था। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर रिकॉर्ड 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

## चिंतन

# पेपर लीक पर नकेल जरूरी

नीट-यूजी और जेईईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक को लेकर केंद्रीय कैबिनेट ने सख्त कानून को मंजूरी देकर पेपर लीक करने वालों पर नकेल कसने की तैयारी कर ली है। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ और कड़ी सजा का प्रावधान करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी गई है। सूत्रों के अनुसार, इस विधेयक को अगले सप्ताह संसद में पेश किया जा सकता है। प्रस्तावित कानून में पेपर लीक के दोषियों के लिए 10 साल तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान हो सकता है। यह निर्णय केवल एक कानून बनाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि देश की पूरी परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार का अवसर भी बनना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में लगभग हर बड़ी भर्ती या प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों छात्रों के विश्वास को झकझोर दिया है। हर बार लाखों मेहनती अभ्यर्थियों की वर्षों की तैयारी कुछ लोगों के लालच और संगठित अपराध के कारण प्रभावित हुई है। सुप्रीम कोर्ट भी स्पष्ट कर चुका है कि केवल तदर्थ उपायों से परीक्षा प्रणाली सुरक्षित नहीं बनाई जा सकती। आवश्यकता एक ऐसी स्थायी, तकनीक आधारित और पारदर्शी व्यवस्था की है, जिसमें प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर प्रिंटिंग, परिवहन, परीक्षा संचालन और मूल्यांकन तक हर चरण सुरक्षित हो। डिजिटल निगरानी, सीमित मानव हस्तक्षेप और जवाबदेही तय करने जैसी व्यवस्थाओं को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी और अन्य परीक्षा संस्थाओं की कार्यप्रणाली का समय-समय पर स्वतंत्र ऑडिट भी होना चाहिए। पेपर लीक के खिलाफ लड़ाई में केवल सरकार की भूमिका पर्याप्त नहीं होगी। राज्यों, जांच एजेंसियों, परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं, स्कूल-कॉलेजों, अभिभावकों और समाज को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सहमति बनानी चाहिए। संसद में आने वाले विधेयक पर गंभीर और सार्थक चर्चा हो, ताकि कानून में ऐसी कोई कमी न रह जाए, जिसका लाभ भविष्य में अपराधी उठा सकें। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जांच और न्यायिक प्रक्रिया तेज हो। यदि पेपर लीक के मामलों में वर्षों तक फैसले लंबित रहेंगे तो कठोर कानून का उद्देश्य कमजोर पड़ जाएगा। विशेष अदालतों, समयबद्ध जांच और दोषियों की संपत्ति जब्त करने जैसे प्रावधान इस कानून को और प्रभावी बना सकते हैं। नीट को लेकर आंदोलन और विपक्ष के तेवरों को देखते हुए लगता है कि सरकार इस बिल को आसानी से पारित करवा लेगी। इसके बाद कानून बनने पर कोई भी व्यक्ति या पेपर लीक माफिया ऐसा करने से 100 बार सोचेगा। सभी पार्टियों से भी उम्मीद की जाती है कि वे इस बिल पर संसद में सार्थक चर्चा करे और इसकी बेहतरी के लिए सुझाव पेश करे। सरकार इसमें यह भी प्रावधान करे कि जो विद्यार्थी परीक्षा लीक में शामिल हों, उन पर भविष्य में प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने पर रोक लगा देनी चाहिए। कुल मिलाकर आज का समय हमारे युवाओं का है। ऐसे में उन्हें परीक्षा माफियाओं के चंगुल से बचाना होगा। सरकार परीक्षा प्रणाली में सुधार की बात पहले ही कह चुकी है। नीट व जेईईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं को परीक्षा माफियाओं से बचाने के लिए प्रश्न पत्र का प्रारूप भी ऐसा तैयार करना होगा, जिसमें औसत छात्र भी परीक्षा को बोझ न मानें और इसमें आसानी से भाग लेकर परीक्षा पास करने का मौका पा सकें। इससे छात्र हताश नहीं होंगे और कोचिंग माफिया से भी बचेंगे। छात्रों में आगे और बेहतर करने की लालसा पैदा होगी।

आर्थिकी
सतीश सिंह

# अर्थव्यवस्था की नई ताकत जेन-जी

वर्ष 2019–20 में कुल निवेशकों में जेन–जी की हिस्सेदारी 23 .5 प्रतिशत थी, जो 2025–26 में बढ़कर 38 .3 प्रतिशत हो गई। इस प्रकार 6 वर्षों में उसकी भागीदारी करीब डेढ़ गुना हो चुकी है। नए निवेशकों में भी जेन–जी का अनुपात 52 .1 प्रतिशत से बढ़कर 59 प्रतिशत हो गया। इसी अवधि में नए निवेशकों की औसत आयु 29 वर्ष से घटकर 27 वर्ष रह गई। इसका सीधा अर्थ है कि भारत में निवेश की शुरुआत अब पहले की तुलना में कम उम्र में हो रही है। भारत में जेन–जी की आबादी करीब 37 .7 करोड़ है। एक समय शेयर बाजार को बड़े शहरों, ऊंची आय वाले परिवारों और अपेक्षाकृत अधिक उम्र के निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था। जेन–जी ने इस धारणा को काफी हद तक बदल दिया है।

वर्ष 1997 से 2012 के बीच जन्मी जेनरेशन-जेड यानी जेन-जी का बड़ा हिस्सा अभी शिक्षा, रोजगार या करियर के शुरुआती पड़ाव पर है। इसके बावजूद शेयर बाजार में उसकी बढ़ती भागीदारी, उपभोग पर प्रभाव और ऋण चुकाने में दिख रहा अनुशासन संकेत देता है कि यह पीढ़ी भारतीय अर्थव्यवस्था की भावी दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। वित्त वर्ष 2019-20 से 2025-26 के बीच शेयर बाजार से जुड़े प्रत्येक 10 नए निवेशकों में लगभग 6 की आयु तीस वर्ष से कम रही है।

वर्ष 2019-20 में कुल निवेशकों में जेन-जी की हिस्सेदारी 23.5 प्रतिशत थी, जो 2025-26 में बढ़कर 38.3 प्रतिशत हो गई। इस प्रकार 6 वर्षों में उसकी भागीदारी करीब डेढ़ गुना हो चुकी है। नए निवेशकों में भी जेन-जी का अनुपात 52.1 प्रतिशत से बढ़कर 59 प्रतिशत हो गया। इसी अवधि में नए निवेशकों की औसत आयु 29 वर्ष से घटकर 27 वर्ष रह गई। इसका सीधा अर्थ है कि भारत में निवेश की शुरुआत अब पहले की तुलना में कम उम्र में हो रही है। एक समय शेयर बाजार को बड़े शहरों, ऊंची आय वाले परिवारों और अपेक्षाकृत अधिक उम्र के निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था। जेन-जी ने इस धारणा को काफी हद तक बदल दिया है। स्मार्टफोन, सस्ती इंटरनेट सेवा, आधार-आधारित सत्यापन, ऑनलाइन डीमैट खाते, डिजिटल भुगतान और निवेश मंचों ने छोटे शहरों तथा कस्बों के युवाओं के लिए भी बाजार के दरवाजे खोल दिए हैं। शेयर बाजार के कुल निवेशक आधार में जेन-जी की 38.3 प्रतिशत हिस्सेदारी उसकी बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है। हर दस निवेशकों में करीब चार का इस पीढ़ी से होना भारतीय शेयर बाजार की सामाजिक और भौगोलिक संरचना में आ रहे व्यापक बदलाव को रेखांकित करता है। युवा निवेशकों की बढ़ती संख्या के कारण घरेलू बचत का एक हिस्सा पारंपरिक जमा साधनों से निकलकर वित्तीय परिसंपत्तियों की ओर बढ़ रहा है। नियमित और दीर्घकालीन निवेश में वृद्धि होने पर कंपनियों को बाजार से पूंजी जुटाने में सुविधा मिलती है। इस पूंजी का उपयोग उत्पादन क्षमता बढ़ाने, नई परियोजनाएं शुरू करने और रोजगार सृजित करने में किया जा सकता है। इसलिए युवा निवेशकों की भागीदारी का प्रभाव केवल शेयरों की खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वास्तविक अर्थव्यवस्था तक भी पहुंचता है। सेबी के निवेशक सर्वेक्षण 2025 के अनुसार, प्रतिभूति बाजार के उत्पादों के प्रति जेन-जी में जागरूकता 66 प्रतिशत थी, जो अन्य कई आयु-वर्गों की तुलना में अधिक है। इससे स्पष्ट है कि युवा केवल निवेश मंचों तक नहीं पहुंच रहे, बल्कि शेयर, म्यूचुअल फंड, विनिमय कारोबार वाले कोष और अन्य वित्तीय साधनों को समझने का प्रयास भी कर रहे हैं। कम उम्र में निवेश शुरू करने से उन्हें चक्रवृद्धि प्रतिफल का लाभ उठाने के लिए लंबी अवधि मिलती है। जेन-जी को अक्सर आवेग में खर्च करने वाली और कर्ज पर निर्भर पीढ़ी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन ऋण संबंधी आंकड़े इस धारणा का दूसरा पक्ष सामने रखते हैं। फिनटेक कंपनियों और नई पीढ़ी की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का कुल ऋण पोर्टफोलियो करीब 1.43 लाख करोड़ रुपए है। इसमें असुरक्षित ऋण की हिस्सेदारी लगभग 1.01 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से करीब 50,000 करोड़ का ऋण

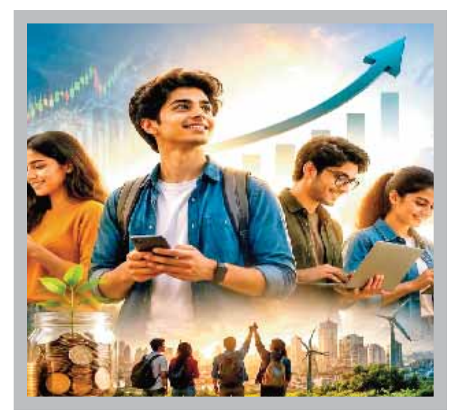

जेन-जी को दिया गया है। इस प्रकार इन संस्थानों के असुरक्षित ऋण में जेन-जी की हिस्सेदारी लगभग 49.5 प्रतिशत है। संबंधित ऋणों की डिफॉल्ट दर दिसंबर 2024 में 0.42 प्रतिशत से घटकर जून 2025 में 0.35 प्रतिशत रह गई। यानी इसमें 0.07 प्रतिशत-बिंदु की कमी आई है। यह गिरावट संकेत देती है कि जेन-जी के अधिकांश उधारकर्ता समय पर ऋण चुका रहे हैं और असुरक्षित ऋण लेने के बावजूद उनमें वित्तीय अनुशासन दिखाई दे रहा है। इसके बावजूद असुरक्षित ऋणों को लेकर सावधानी जरूरी है, क्योंकि इनमें किसी संपत्ति की जमानत नहीं होती। आसान डिजिटल ऋण, तत्काल स्वीकृति और आकर्षक प्रस्ताव युवाओं को आय से अधिक उधारी के लिए प्रेरित कर सकते हैं। एक ऋण चुकाने के लिए दूसरा ऋण लेना आगे चलकर वित्तीय दबाव और चूक का कारण बन सकता है।

भारत में जेन-जी की आबादी करीब 37.7 करोड़ है। यह पीढ़ी प्रत्यक्ष रूप से अथवा पारिवारिक खरीद-निर्णयों के माध्यम से करीब 71 लाख करोड़ रुपये के वार्षिक उपभोग को प्रभावित करती है। यह देश के कुल उपभोग का लगभग 43 प्रतिशत है। वर्ष 2035 तक जेन-जी से जुड़ा उपभोग करीब 1.8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इससे आने वाले वर्षों में उसकी आर्थिक शक्ति और अधिक व्यापक होने का संकेत मिलता है। जेन-जी द्वारा प्रभावित 43 प्रतिशत उपभोग अर्थव्यवस्था में उसकी मांग-सृजन क्षमता को दर्शाता है। युवा जिन उत्पादों और सेवाओं को प्राथमिकता देते हैं, कंपनियां उसी के अनुरूप उत्पादन, विपणन और निवेश की रणनीति बनाती हैं। यह पीढ़ी केवल खरीदार भी नहीं है। वह ऐप-आधारित सेवाओं की उपयोगकर्ता, डिजिटल सामग्री की निर्माता, स्टार्टअप की संस्थापक, स्वतंत्र पेशेवर, ऑनलाइन विक्रेता और निवेशक है। युवा निवेशकों की बढ़ती संख्या बाजार के लिए शुभ संकेत है, लेकिन डिजिटल दक्षता अपने आप वित्तीय परिपक्वता की गारंटी नहीं होती। सोशल मीडिया पर मिलने वाली अधूरी सलाह, प्रभावशाली व्यक्तियों की अप्रमाणित सिफारिशें, वायदा एवं विकल्प कारोबार का आकर्षण, क्रिप्टो परिसंपत्तियों की अस्थिरता और बिना पर्याप्त समझ के लिया गया असुरक्षित ऋण गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। शेयर बाजार दीर्घकालीन संपत्ति निर्माण का माध्यम है, त्वरित कमाई की मशीन नहीं।

जेन-जी को निवेश और सट्टेबाजी के अंतर, जोखिम-विविधीकरण, आपातकालीन कोष, बीमा, चक्रवृद्धि प्रतिफल और जिम्मेदार ऋण-व्यवहार की समझ देना आवश्यक है। वित्तीय संस्थानों और नियामकों को भी युवाओं के लिए सरल भाषा में वित्तीय शिक्षा, पारदर्शी ऋण शर्तें और प्रभावी निवेशक संरक्षण सुनिश्चित करना होगा। जेन-जी की वास्तविक शक्ति केवल उसके युवा होने में नहीं, बल्कि तकनीक के साथ उसकी सहजता, सीखने की तत्परता और परंपरागत आर्थिक व्यवहार बदलने की क्षमता में है। यदि उसे रोजगार, गुणवत्तापूर्ण वित्तीय शिक्षा, जिम्मेदार ऋण और सुरक्षित निवेश के अवसर मिलते हैं, तो उसकी बचत उत्पादक पूंजी में बदल सकती है। इससे कंपनियों को दीर्घकालीन संसाधन, बाजार को व्यापक निवेशक आधार और अर्थव्यवस्था को टिकाऊ मांग मिलेगी। जेन-जी के हाथ में स्मार्टफोन है और उसी स्क्रीन पर बैंक खाता, डीमैट खाता, ऋण, कारोबार तथा निवेश के अवसर भी हैं। चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि उसकी उंगलियां केवल बाजार की तेजी का पीछा न करें, बल्कि जोखिम समझते हुए भविष्य की संपदा रचें। ऐसा होने पर जेन-जी शेयर बाजार की नई सहभागी भर नहीं रहेगी, बल्कि भारत की निवेश-संस्कृति और आर्थिक विकास की मजबूत धुरी बन सकती है।

(लेखक वरिष्ठ बैंकिंग एवं आर्थिक स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

स्मृति दिवस विशेष
सच्चिदानंद वर्मा

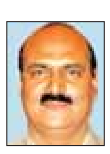

# स्वयं को ईश्वर के साथ एकाकार करने में सहायक है क्रिया योग

भारत में योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया (वाईएसएस) के भक्तों और विश्व में सेल्फ़-रियलाइज़ेशन फेलोशिप (एसआरएफ़) के सदस्यों द्वारा प्रत्येक वर्ष 25 जुलाई को महावतार बाबाजी का स्मृति दिवस मनाया जाता है। आधुनिक युग में जिस क्रिया योग की चारों तरफ चर्चा होती रही है, उसके उद्धारक महावतार बाबाजी ही हैं। भारत के ईश्वर प्राप्त संतों ने उन्हें श्रद्धा से महामुनि बाबाजी महाराज,महायोगी तथा शिव बाबा नाम दिए हैं। बाबाजी ने कहा था कि कई राष्ट्रों के लाखों लोग इस पद्धति से व्यक्तिगत इंद्रियातीत अनुभव प्राप्त करेंगे, जिससे विश्व में शांति स्थापित होंगी। सर्वप्रथम महावतार बाबाजी के बारे में जानकारी संपूर्ण विश्व को परमहंस योगानंद की पुस्तक योगी कथामृत द्वारा मिली। इस पुस्तक के अनुसार आज भी महावतार बाबाजी शारीरिक रूप में विद्यमान है। वे आज भी बद्रीनाथ के हिमालयी क्षेत्रों में आसानी से विचरण करते रहते हैं। ये साधारण संन्यासी नहीं, बल्कि अवतारी पुरुष है। उनका संपूर्ण जीवन मानव उत्थान के लिए है। उनके जन्मस्थान और परिवार के बारे में किसी को पता नहीं। वे देश व काल से परे हैं। वे साधारणतया हिन्दी बोलते हैं। लेकिन वे किसी भी भाषा में बातचीत कर सकते हैं। वे कभी-कभी ही प्रकट होते हैं। वे मानवीय आकलन से परे और अकल्पनीय हैं। आध्यात्मिक अवस्थाओं की कई श्रेणियां होती हैं। उनमें से एक

महावतार भी है। वे मनुष्य और ईश्वर के बीच सेतु की तरह हैं, इसीलिए उन्होंने देह धारण किया है। योगदा और एसआरएफ के संन्यासी व भक्त 25 जुलाई को बाबाजी की स्मृति दिवस के रूप में इसलिए मनाते हैं क्योकि 25 जुलाई 1920 को ही बाबाजी ने परमहंस योगानंद को दर्शन दिए थे। जब योगानंद एक बंद कमरे में ध्यानमग्न अवस्था में बैठकर ईश्वर से कुछ आश्वासन चाह रहे थे, तभी किसी ने दरवाजा खटखटाया। जब परमहंस ने दरवाजा खोला तो उन्होंने पाया कि उनके सामने महावतार बाबाजी खड़े हैं। महावतार बाबाजी कहते हैं कि तुम्हारी प्रार्थना सुन ली गई है। डरो मत। अमेरिका जाओ। वहां तुम्हारा संरक्षण किया जाएगा। बहुत वर्ष पहले मैं तुम्हारे गुरु युक्तेश्वर से एक कुंभ मेले मे मिला था और तभी मैंने उनसे कह दिया था कि मैं तुम्हें उनके पास शिक्षा ग्रहण के लिए भेजूंगा। असल में योगानंद को अमेरिका में एक धर्म सम्मेलन को संबोधित करने के लिए न्योता मिला था और वे अमेरिका जाने के पहले पूर्ण रूप से ईश्वर से आश्वस्त हो जाना चाहते थे कि कहीं वे पश्चिम सभ्यता में अपने असली उद्देश्य से भटक न जाएं। योगदा के वरिष्ठ संन्यासी स्वामी ईश्वरानंद योगी कथामृत पुस्तक को उद्धृत करते हुए बताते हैं कि इस क्रिया योग विज्ञान की खोज सतयुग में हुई। इसकी चर्चा श्रीमद्भगवद्गीता में भी की गई है। लेकिन कालांतराल में यह विलुप्त हो गया। पुनः महावतार बाबाजी चाहते थे कि इस क्रिया योग का पुनरुद्धार किया जाए। इसके लिए उन्हें एक उन्नत आत्मा की तलाश थी। उन्हें लाहिड़ी महाशय मिले। लाहिड़ी महाशय गृहस्थ थे। महावतार बाबाजी ने एक गृहस्थ को इसके लिए चुनकर संदेश दे दिया कि क्रिया योग केवल संन्यासियों के लिए ही नहीं, बल्कि एक गृहस्थ भी इसके द्वारा ईश्वर को प्राप्त कर सकता है। 1861 में लाहिड़ी महाशय रानीखेत में एक दिन द्रोणगिरि पर्वत पर टहल रहे थे। तब उन्हें ऐसा अनुभव हुआ कि कोई उन्हें पुकार रहा है। जिस तरफ से आवाज आ रही थी, वे उस ओर चल पड़े। अचानक देखा कि एक व्यक्ति ने उन्हें बाहों में भर लिया। दरअसल वे और कोई नहीं, महावतार बाबाजी ही थे। महावतार बाबाजी उन्हें गुफा में ले गए। जब लाहिड़ी महाशय के सिर पर हाथ फेरा, तो लाहिड़ी को अपने पूर्व जन्मों की सारी बातें स्मरण होने लगी। वे जन्मानंतर से बाबाजी के शिष्य थे। लाहिड़ी महाशय को वहां से भौतिक संसार में क्रिया योग को पहुंचाने का काम दिया गया। उन्हें कहा गया कि लोगों को बताओ कि गृहस्थ में रहकर भी क्रियायोग के माध्यम से स्वयं को ईश्वर के साथ एकाकार किया जा सकता है। जन्म-मरण के भय से सदा के लिए मुक्त हुआ जा सकता है। स्वामी ईश्वरानन्द बताते है कि वहां से फिर लाहिड़ी महाशय दानापुर लौटते हैं और फिर वहां से वाराणसी में अपना निवास स्थान बनाते हैं। इस प्रकार लाहिड़ी महाशय को उन्होंने विनम्रता का पाठ पढ़ाया। आज सम्पूर्ण विश्व में ईश्वर प्राप्ति के इच्छुक साधक महावतार बाबाजी, लाहिड़ी महाशय, स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि और परमहंस योगानन्द द्वारा सुझाए गए क्रियायोग मार्ग पर चल कर लाभान्वित हो रहे हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है योग

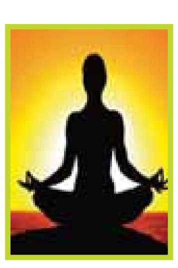

संकलित
दर्शन

योग प्रकृति की स्वतः स्फूर्त प्रक्रिया है। योग के ही चलते मां के गर्भ में आना और जीवन धारण करना संभव होता है। उसके बाद जन्म लेते ही सांसारिक-योग आरंभ होता है। घर-परिवार और समाज के साथ योग जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है तथा जीवन के समापन पर फिर प्रकृति के साथ तादात्म्य बनाकर विलीन होना भी योग है। ऋषियों ने प्रकृति की गूंज सुनकर उसमें त्रिस्तरीय योग का जो स्वरूप देखा उसमें 'ऊं' शब्द दिखाई पड़ा। इस 'ऊं' में 'अ', 'उ' और 'म्' का योग है। गर्भ में अस्तित्व में आना 'अ', जन्म के बाद उत्थान 'उ' तथा मृत्यु 'म्' का संयुक्त होना भी योग है। ऋषियों ने अंतिम अक्षर 'म्' को हलंत कर आधा इसलिए कर दिया, क्योंकि मनुष्य की मृत्यु पूरी नहीं होती। पंच भौतिक शरीर प्राकृतिक पदार्थो के साथ योग कर पुनः अनंत में विलीन हो जाता है, जबकि आत्मा जीवंत रहता है और पुनः नए शरीर के साथ योगभाव में आता है। प्राकृतिक योग को भी देखा जाए तो क्षिति तत्व धरती के साथ योगनिष्ठ होकर धरती में मिल जाता है, अग्नि आकाश की ओर अपने देही सूर्य के साथ योग करने को ऊपर की ओर उठती है तो जल, जल के साथ, वायु, वायु के साथ तथा गगन तत्व शून्य के साथ योग-भाव में हो जाता है। इस तरह देखा जाए तो कदम-कदम पर योग का प्रकट भाव दिखाई पड़ता है। मानव शरीर के अंदर और बाहर जो योग हो रहा है, उसे नियमित जीवन में अपनाकर कोई भी व्यक्ति उर्ध्वमुखी जीवन प्राप्त कर सकता है।

## कभी भी अपने धन और पद का घमंड न करें

संकलित
प्रेरणा

देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर देव के पास बहुत धन-संपत्ति थी। कुबेर को अपनी धन-दौलत पर घमंड हो गया। एक दिन कुबेर घमंड के साथ ही शिव जी के पास पहुंच गए और शिव जी से कहा कि मैं आपको अपने महल में खाने के लिए आमंत्रण देने आया हूं। शिव जी ने सोचा कि कुबेर देव का घमंड दूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं तो नहीं आ सकता, लेकिन आप गणेश को ले जाइए और ध्यान रखना गणेश खाने में जल्दी तृप्त नहीं होते हैं। कुबेर देव को अहंकार तो था ही, उन्होंने कह दिया कि मैं तो सभी को भोजन करा सकता हूं तो गणेश जी को भी तृप्त कर सकता हूं। शिव जी ने गणेश जी को कुबेर देव के यहां भोजन करने भेज दिया। गणेश जी कुबेर देव के महल पहुंच गए। कुबेर देव ने गणेश जी के लिए बहुत सारा खाना बनवाया और गणेश जी को खाना परोसना शुरू कर दिया। गणेश जी लगातार खाते ही जा रहे थे, लेकिन उनका पेट नहीं भर रहा था। गणेश जी तृप्त नहीं हुए, लेकिन कुबेर देव के यहां का अन्न का भंडार खाली हो गया। गणेश जी को और भूख लग रही थी। कुबेर देव निराश होकर तुरंत ही शिव जी के पास पहुंचे और पूरी बात बता दी। कुछ ही देर में गणेश जी भी शिव जी के पास पहुंच गए। शिव जी ने देवी पार्वती से गणेश जी के खाने के लिए कुछ लाने को कहा। पार्वती जी तुरंत ही खाना ले आईं। देवी पार्वती के हाथ का बना खाना खाकर गणेश जी शांत हो गए। ये देखकर कुबेर देव को अपनी गलती समझ आ गई।

## सटाका

## आज की पाती

### समय रहते क्यों नहीं संभली केंद्र सरकार?

पेपर लीक मामले में दोषियों को खोजकर सजा देना सरकार के लिए कोई बहुत बड़ा काम नहीं है। दूसरी मांग शिक्षा मंत्री द्वारा इस्तीफा देना है। तीसरी मांग, जिन छात्रों की दुखद मृत्यु हुई है, उनके परिजनों को मुआवजा देना है। ये मांगें इतनी बड़ी नहीं हैं जितना बड़ा आंदोलन हो गया। इन मांगों को सरकार वार्ता के जरिये सुलझा सकती थी, जिसके लिए अधिकांशतः छात्र आंदोलित थे। समय रहते बातचीत करके समाधान खोजा जा सकता था सरकार द्वारा। क्योंकि बीच-बीच में बातचीत करने के लिए काकरोच जनता पार्टी के नेता भी कह रहे थे कि सरकार बातचीत के लिए तैयार है।

– विजय तंवर, गुरुग्राम

## ट्रेंड

### खेल प्रतिभा का प्रदर्शन

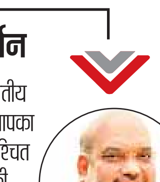

कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा ले रहे भारतीय खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आपका कौशल, समर्पण और अथक प्रयास निश्चित रूप से गेम्स में विश्व मंच पर भारत की शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे

- **अमित शाह,** केंद्रीय गृहमंत्री

### सरकार का स्पष्ट विज़न

केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक से मुलाकात की और छात्रों से जुड़े मुद्दों के समाधान के प्रति सरकार का स्पष्ट विज़न और प्रतिबद्धता व्यक्त की। इसके बाद, वांगचुक ने अपना अनशन समाप्त करने का निर्णय लिया।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

### पेपर लीक माफिया

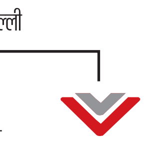

पेपर लीक एक देशव्यापी समस्या है और राजस्थान भी इससे अछूता नहीं रहा है। सूबे में 2013 से 2018 के बीच बीजेपी सरकार के कार्यकाल में 12 पेपर लीक हुए, लेकिन कभी कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई। पेपर लीक माफिया और बेख़ौफ़ हो गया।

- **अशोक गहलोत,** पूर्व सीएम, राजस्थान

### देशव्यापी विरोध प्रदर्शन

मैं सोनम वांगचुक के अनशन खत्म करने के फैसले का स्वागत करता हूं। देश के लिए उनकी ज़िंदगी और सेहत बहुत ज़रूरी है। चूंकि सीजेपी ने आज देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है, इसलिए मैं सभी से इसमें शामिल होने की अपील करता हूं।

**-अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

## करंट अफेयर

# वेस्ट बैंक की जगह व लेबनान के किले विश्व धरोहर सूची में

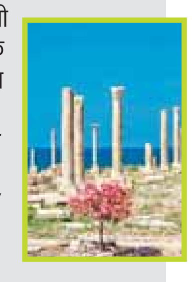

संयुक्त राष्ट्र की एक समिति ने इजराइल की आपत्तियों के बावजूद शुक्रवार को वेस्ट बैंक के एक प्रमुख पुरातात्विक स्थल और दक्षिणी लेबनान के कई किलों को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल करने के पक्ष में मतदान किया। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कुछ दिन पहले एक अपील में समिति से वेस्ट बैंक के छोटे शहर सेबास्तिया और लेबनान के किलों को सूची में शामिल करने के प्रयासों को खारिज करने को कहा था। इजराइल ने इन नामांकनों को 'सांस्कृतिक विरासत के हथियार के रूप में इस्तेमाल' बताया था। बुसान में हुई बैठक में यूनेस्को समिति के सदस्यों ने आपात आधार पर नामांकनों की समीक्षा करने के बाद सेबास्तिया और लेबनान के माउंट अमेल क्षेत्र के पांच किलों को विश्व धरोहर सूची तथा संकटग्रस्त विश्व धरोहर स्थलों की सूची, दोनों में शामिल करने का फैसला किया। सेबास्तिया, इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में नेबलस से करीब 10 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में एक पहाड़ी शहर है। इस शहर को विद्वान प्राचीन समरिया के रूप में पहचानते हैं। समरिया, बाइबिल में वर्णित इजराइल साम्राज्य की राजधानी थी।

## ऑफ बीट

# मसूड़ों का नीचे खिसकना आम चिंताओं में से एक

मसूड़ों की बीमारी – जिसे पीरियोडोंटाइटिस के रूप में भी जाना जाता है – एक गंभीर स्थिति है। ब्रश करते समय खून बहना, दांतों का हिलना, लगातार बदबूदार सांस आना या दांतों का हिलना जैसे लक्षणों की हमेशा जांच की जानी चाहिए। हालांकि, मसूड़ों के नीचे की ओर जाने के अन्य कारण भी हो सकते हैं। शायद चौंकाने वाली बात यह है कि मसूड़ों के नीचे खिसकने का सबसे बड़ा कारण वास्तव में जरूरत से ज्यादा ब्रश करना है। बहुत ज्यादा बल का उपयोग करना या गलत उपकरणों से ब्रश करना (जैसे कि कठोर ब्रिसल वाला ब्रश) धीरे-धीरे मसूड़ों के ऊतकों को खराब कर सकता है। इलेक्ट्रिक दंतब्रश दबाव को कम करके मदद कर सकते हैं, खासकर नए मॉडल जो बहुत जोर से ब्रश करने पर रोशनी करते हैं। लेकिन वास्तव में बहुत से लोग इस बात पर ज्यादा ध्यान देते हैं कि वे कितनी देर तक ब्रश करते हैं, न कि कैसे ब्रश करते हैं। यहां तक कि दंत साफ करने वाले इन ब्रश के साथ जोड़े जाने वाले स्मार्ट ऐप भी आमतौर पर प्रत्येक क्षेत्र में ब्रश करने के समय को उजागर करते हैं, न कि लगाए गए दबाव को। इसीलिए ब्रश करने की सही तकनीक सिखाना बहुत जरूरी है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

रेगिस्तान की तपती रेत, पानी के बिना लंबे सफर और झुलसा देने वाली धूप सदियों से ऊंट इन मुश्किल हालात में भी मजबूती से खड़े रहने के लिए जाने जाते रहे हैं। लेकिन, अब हालात इतने बदल चुके हैं कि प्रकृति के सबसे मजबूत जीवों में गिने जाने वाले ऊंट भी जलवायु परिवर्तन की मार नहीं झेल पा रहे।

# जिन ऊंटों को गर्मी नहीं हरा सकी, अब क्लाइमेट चेंज ले रहा जान

**मोगादिशु।** अत्यधिक गर्मी ने उनकी जिंदगी को संकट में डाल दिया है और अफ्रीका के कई हिस्सों से सामने आ रही तस्वीरें बेहद चिंताजनक हैं। दुनिया के लगभग 80 फीसदी एक कूबड़ वाले ऊंट उत्तर अफ्रीका और हॉर्न ऑफ अफ्रीका के क्षेत्रों में पाए जाते हैं। इन्हें हमेशा से इसलिए पाला जाता रहा, क्योंकि ये बेहद गर्म मौसम में भी आसानी से जीवित रह सकते हैं।

लेकिन, अब जलवायु परिवर्तन ने उनकी इस क्षमता को भी चुनौती दे दी है। हालिया शोध के मुताबिक सोमालिया के उत्तरी क्षेत्र सूलमें सूखे और रिकॉर्ड गर्मी के कारण करीब 73 फीसदी ऊंटों की मौत हो चुकी है।

## तड़प तड़प कर तोड़ रहे दम

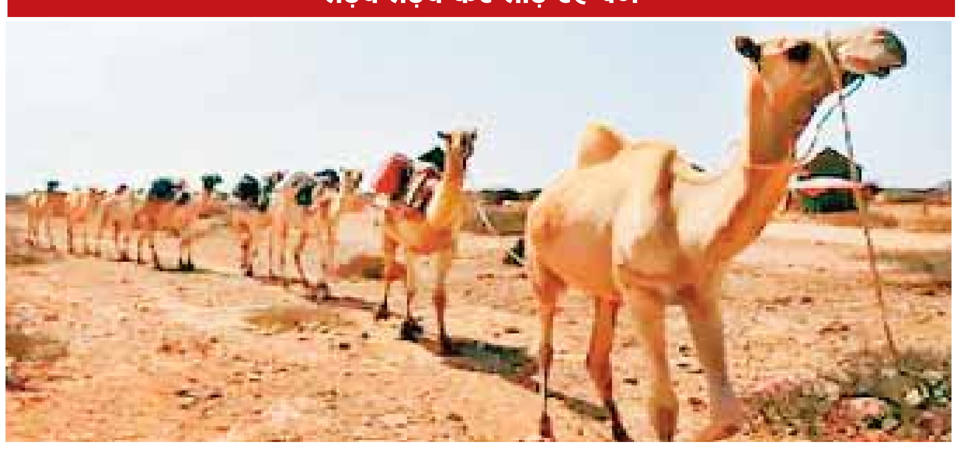

**पानी की कीमतें 2000 फीसदी से अधिक बढ़ी**

हालात इतने खराब हैं कि वहां पानी की कीमतें 2000 फीसदी से अधिक बढ़ गई हैं। इस अत्यधिक गर्मी से ऊंटों के व्हाइट ब्लड सेल्स और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होने लगती है। उनका मेटाबॉलिज्म धीमा पड़ जाता है, वे खाना-पीना कम कर देते हैं और धीरे-धीरे बीमार होकर मौत के मुंह में चले जाते हैं।

### ऊंटों के पैरों में पड़ रहे दर्दनाक छाले

एक रिपोर्ट की मानें तो अफ्रीका में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने लगा है। इसका असर अब उन ऊंटों पर भी साफ दिखाई दे रहा है, जिन्हें कभी रेगिस्तान का सबसे मजबूत साथी माना जाता था। भीषण गर्मी के कारण उनके पैरों में दर्दनाक छाले पड़ रहे हैं, आंखों से लगातार पानी बह रहा है और तपती रेत पर बैठते ही उनकी त्वचा झुलसने लगती है। इतना ही नहीं शरीर के बाल तक झड़ने लगे हैं और कई ऊंट तड़प-तड़प कर दम तोड़ रहे हैं।

### तड़प-तड़प कर दम तोड़ रहे ऊंट

उत्तर-पूर्वी इथियोपिया के अफार क्षेत्र में रहने वाले 40 वर्षीय अली उमर पिछले कई वर्षों से करीब 500 ऊंटों की देखभाल कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले जो हवा गर्मी से राहत देती थी, अब वही आग के थपेड़ों जैसी महसूस होती है। उनके मुताबिक बढ़ते तापमान ने ऊंटों की हालत इतनी खराब कर दी है कि पिछले एक महीने में ही उन्होंने अपने आठ छोटे ऊंटों को खो दिया। अली कहते हैं कि ऊंटों के पैरों में छाले पड़ रहे हैं, आंखों से पानी बह रहा है और गर्म रेत उनके शरीर को जला रही है।

**रोचक खबरें**

## जापान में मिला 35 लाख साल पुराना रहस्यमयी जीव

**टोक्यो।** 35 लाख साल से जमीन के नीचे दफन था एक ऐसा रहस्य, जिसने वैज्ञानिकों की नींद उड़ा दी है। क्या आप जानते हैं कि जिस जापान को हम आज देखते हैं, लाखों साल पहले वहां खौफनाक और विशालकाय 'जल-दानव' राज करते थे? लगभग 30 साल पहले मिली 3 हड्डियों के विश्लेषण से अब एक ऐसा सच सामने आया है, जिसने जीव विज्ञान के इतिहास को बदल कर रख दिया है। जापान के अजिमु इलाके में 1995 से 1997 के बीच खुदाई के दौरान 3 दुर्लभ हड्डियां पाई गई थीं। ये अवशेष त्सुबुसुगावा फॉर्मेशन नाम की प्राचीन झील की परतों में मिले थे। उस समय वैज्ञानिकों को अंदाजा नहीं था कि ये हड्डियां किसकी हैं, इसलिए इन्हें अस्थायी रूप से एंड्रियास जीनस में रख दिया गया था। ये सैलामैंडर की एक बहुत बड़ी प्रजाति थी। इसमें दुनिया के सबसे बड़े जीवित उभयचर शामिल हैं। हाल ही में क्योटो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने आधुनिक तकनीक और व्यापक अध्ययनों की मदद से इन जीवाश्मों की बारीकी से जांच की। जांच में पता चला कि इस सैलामैंडर की बीच वाले शरीर की रीढ़ की हड्डी की बनावट अब तक मिले किसी भी विशाल सैलामैंडर से पूरी तरह अलग थी। इसी वजह से वैज्ञानिकों ने इसे एक बिल्कुल नई प्रजाति और जीनस घोषित किया और नाम दिया- 'लिम्नोसोडिलस अजिमुएन्सिस'। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह रहस्यमयी जीव बहती नदियों की जगह शांत झीलों और दलदली इलाकों में रहता था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह जीव करीब 3.6 फीट यानी 1.1 मीटर तक लंबा रहा होगा। ये खोज एशिया के जीवाश्म रिकॉर्ड में पिछले 2 करोड़ सालों से चली आ रही कमी को पूरा करती है।

## सिर्फ आषाढ़ में दिखती है यह रहस्यमयी पीली चिड़िया, खजूर पर बनाती है खूबसूरत घोंसला

**भरतपुर।** आषाढ़ माह में भरतपुर के ग्रामीण इलाकों में एक अनोखी और दुर्लभ चिड़िया लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती है। स्थानीय भाषा में इसे आषाढ़ की चिड़िया कहा जाता है। यह चिड़िया साल भर में केवल इसी मौसम में दिखाई देती है। जिसके कारण इसका यह नाम प्रचलित हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार, जैसे ही आषाढ़ का महीना आता है यह पक्षी अचानक नजर आने लगता है और कुछ समय बाद फिर गायब हो जाता है। दिखने में यह चिड़िया आम गौरैया जैसी लगती है, लेकिन इसका हल्का पीला रंग इसे खास और अलग पहचान देता है। इसकी चमकदार पीली आभा और शांत स्वभाव लोगों को आकर्षित करता है। यही वजह है कि जब भी यह चिड़िया दिखाई देती है गांव के लोग इसे देखने के लिए उत्सुक हो जाते हैं। इस चिड़िया की सबसे खास बात इसका घोंसला बनाने का तरीका है, यह मुख्य रूप से खजूर के पेड़ों पर अपने सुंदर और सलीकेदार घोंसले बनाती है। खजूर के लंबे और मजबूत पेड़ों की ऊंचाई इसे सुरक्षा प्रदान करती है, जिससे इसके घोंसले सुरक्षित रहते हैं। इसके बनाए घोंसले न केवल मजबूत होते हैं बल्कि देखने में भी बेहद आकर्षक लगते हैं। यह चिड़िया आषाढ़ के मौसम में ही अपने प्रजनन के लिए यहां आती है। इस दौरान यह घोंसले बनाकर अंडे देती है और कुछ समय बाद अपने बच्चों के साथ फिर कहीं और चली जाती है। यही कारण है कि यह चिड़िया साल के अन्य महीनों में शायद ही कभी देखने को मिलती है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह चिड़िया खास महत्व रखती है। यह अपने सुंदर रंग और घोंसले के लिए जानी जाती है, लेकिन इसकी मौसमी उपस्थिति और व्यवहार इसे और भी रोचक बनाते हैं। भरतपुर के गांवों में आषाढ़ के महीने में दिखने वाली यह हल्के पीले रंग की दुर्लभ चिड़िया प्रकृति का एक अनोखा उपहार है, जो हर साल कुछ समय के लिए आकर लोगों को अपनी सुंदरता और विशेषता से मंत्रमुग्ध कर देती है।

**अद्भुत**

**इतिहास के पन्नों में दफ्न है नालंदा के अमावा स्टेट राजमहल की कहानी**

# 52 कोठी और 53 दरवाजों का अनसुलझा रहस्य

**पटना।** बिहार के नालंदा जिले में एक ऐसा खंडहर है, जो कभी मगध की सबसे रईस रियासत हुआ करता था। हम बात कर रहे हैं अस्थावां के 200 साल पुराने अमावा स्टेट राजमहल की। 22 एकड़ में फैले इस महल को लेकर कहा जाता है कि इसमें 52 कोठियां और 53 विशाल दरवाजे थे। आज भले ही यह ऐतिहासिक धरोहर वीरान पड़ी है, लेकिन इसकी जर्जर दीवारें अपने भीतर शाही शानो-शौकत और कई अनसुलझे रहस्य समेटे हुए हैं। यह राजमहल अपने दौर की शानदार इंजीनियरिंग और आधुनिकता का बेमिसाल नमूना था। महल और कर्मचारियों के घरों को रोशन करने के लिए यहां बिहार का पहला निजी पावर हाउस बनाया गया था, जिसे कोलकाता से बिजली सप्लाई होती थी। इसके अलावा, महल परिसर के अंदर ही एक बड़ा संस्कृत कॉलेज भी चलता था, जहां देश के अलग-अलग राज्यों से सैकड़ों छात्र शिक्षा लेने आते थे।

### भूल-भुलैया वाला सुरक्षा चक्र

महल का नक्शा इस तरह से तैयार किया गया था कि कोठियों (कमरों) और दरवाजों की संख्या लगभग बराबर थी। इसकी जटिल संरचना के कारण कोई भी बाहरी दुश्मन या चोर यदि महल के अंदर बिना इजाजत घुस जाता था, तो वह कमरों और दरवाजों के चक्रव्यूह में उलझकर रह जाता था। उसे बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं मिलता था।

### एक कानून और खत्म हो गई सारी चमक

यह राजपरिवार सिर्फ टैक्स नहीं वसूलता था, बल्कि कुएं-तालाब खुदवाने और मंदिर बनवाने जैसे सामाजिक काम भी करता था। लेकिन, देश आजाद होने के बाद जैसे ही जमींदारी उन्मूलन कानून लागू हुआ, अमावा स्टेट का सारा रुतबा खत्म हो गया। राजपरिवार के अधिकार छिन गए और जमीनें सरकार के पास चली गईं। देखरेख न होने से यह आलीशान महल धीरे-धीरे खंडहर में बदल गया। अब स्थानीय लोग इसे संवारकर पर्यटन स्थल बनाने की मांग कर रहे हैं।

### नालंदा से टेकारी तक बजता था डंका

इस रियासत के राजा हरिहर नारायण प्रसाद सिंह का साम्राज्य नालंदा से लेकर टेकारी तक फैला हुआ था। उस जमाने में भी इस स्टेट की सालाना कमाई करीब 50 हजार रुपए थी। राजा का रसूख इतना था कि देश के ज्यादातर बड़े तीर्थ स्थलों पर आम लोगों के ठहरने के लिए अमावा स्टेट की अपनी निजी धर्मशालाएं हुआ करती थीं।

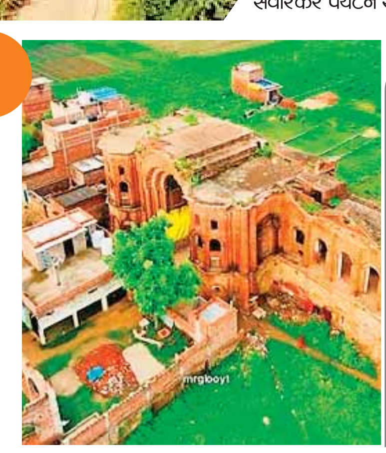

### सुरक्षा और बनावट थी बेहद खास

महल का ढांचा बेहद सोच-समझकर तैयार किया गया था। इसमें जनता की फरियाद सुनने के लिए भव्य दरबार, मेहमानों के कमरे, अनाज के बड़े गोदाम, अस्तबल और विशाल रसोई मौजूद थी। सुरक्षा व्यवस्था इतनी पुख्ता थी कि पहरेदारों, नौकरों और रसोइयों के लिए महल के ठीक पास ही एक पूरी बस्ती बसाई गई थी। मकसद यह था कि कर्मचारी अपने परिवार की चिंता छोड़कर 24 घंटे पूरी ईमानदारी से महल की सुरक्षा कर सकें।

## टेंशन और झगड़े का सबसे पुराना इलाज, जिसे साइंस ने भी अब माना!

**लंदन।** टेंशन और झगड़े से बचने के लिए सिर्फ हम इंसान ही नहीं, बल्कि हमारे पूर्वज माने जाने वाले वनमानुष भी एक-दूसरे को 'जादू की झप्पी' देते और चूमते थे। ब्रिटेन की डरहम यूनिवर्सिटी की नई रिसर्च में यह खुलासा हुआ है। स्टडी के मुताबिक, चिंपैंजी और बोनोबो प्रजाति के वनमानुष खाने-पीने को लेकर होने वाले झगड़े से पहले एक-दूसरे को छूकर भरोसा जताते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि मुश्किल वक्त में गले लगाकर हिम्मत बढ़ाने का यह तरीका इंसानों में भी इन्हीं से आया है। यह आदत करीब 70 लाख साल पुरानी हो सकती है। रिसर्च टीम ने कांगो और जाम्बिया में रहने वाले चिंपैंजी और बोनोबो पर यह स्टडी की। उन्हें मूंगफली दी गई ताकि देखा जा सके कि वे अपने प्राकृतिक माहौल में कैसे खाते हैं। नतीजे काफी हैरान करने वाले थे। हमेशा गुस्से में रहने वाले चिंपैंजी भी खाना सामने आने से पहले एक-दूसरे के करीब आए। जिन वनमानुषों ने एक-दूसरे को छुआ या गले लगाया, उन्होंने बाद में बिना किसी मारपीट के बड़े आराम से साथ बैठकर मूंगफली खाई।

### खिलाड़ियों जैसी टीम स्पिरिट

प्रोफेसर जन्ना क्ले ने इनकी इस आदत की तुलना फुटबॉल खिलाड़ियों से की है, जो बड़े मैच से पहले एक घेरा बनाकर खड़े होते हैं। उन्होंने बताया कि टेंशन वाले माहौल से ठीक पहले ये वनमानुष एक-दूसरे के पास आते हैं और गले लगकर भरोसा दिलाते हैं कि 'हम सब एक हैं'। जिन झुंडों में आपसी तालमेल अच्छा था, वहां वनमानुषों ने एक के बाद एक कई साथियों को लगातार गले लगाया। वैज्ञानिकों ने इसे रीएश्योरेंस ट्रेन का नाम दिया है।

### बोलने से भी पुराना है 'टच' का अहसास

यह दिलचस्प रिसर्च 'प्रोसीडिंग्स ऑफ द रॉयल सोसाइटी बी' जर्नल में छपी है। रिसर्च से जुड़े डॉ. जेक ब्रूकर बताते हैं कि छूकर अपनी बात कहना, बातचीत का सबसे पुराना तरीका है। यह इंसानों के बोलना सीखने से भी बहुत पहले का है। इसलिए, जब आप किसी मुश्किल वक्त में अपने दोस्त के कंधे पर हाथ रखते हैं या उसे गले लगाते हैं, तो असल में आप अपने पूर्वजों की उसी आदत को दोहरा रहे होते हैं, जो लाखों साल पुरानी है।

## भेड़ियों से भेड़ों को बचाएगी लोहे की पोशाक, तोड़ देगा शिकारी का जबड़ा

**वियना।** पूरी दुनिया में भेड़ पालन करने वाले किसान हमेशा जंगली भेड़ियों और खूंखार शिकारियों के आतंक से परेशान रहते हैं। रात के अंधेरे में शिकारी जानवर अक्सर अचानक हमला कर मासूम भेड़ों को अपना निवाला बना लेते हैं।

इस नुकसान से बचने के लिए किसान सदियों से या तो ऊंची बाड़ लगाते आए हैं या फिर खूंखार शिकारी कुत्तों का सहारा लेते हैं। लेकिन, जरा सोचिए, अगर कोई शख्स मध्यकालीन युग के योद्धाओं की तरह इन बेजुबान भेड़ों को ही एक अभेद्य लौह सुरक्षा कवच पहना दे, तो नजारा कैसा होगा! यह सुनने में भले ही काल्पनिक कहानी लगे, लेकिन यूरोपीय देश ऑस्ट्रिया के एक बुजुर्ग किसान और आविष्कारक ने इस अजीब तरकीब को सच में हकीकत बना दिया है। उन्होंने भेड़ियों के दांतों का मुकाबला करने के लिए भेड़ों के लिए एक स्पेशल बॉडी आर्मर तैयार किया है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं। यह अनोखा मामला दक्षिणी ऑस्ट्रिया के फिलाच शहर के रहने वाले रुडोल्फ शौबाक की है। रुडोल्फ पिछले कई सालों से अपने देश और पड़ोसी देश जर्मनी में भेड़ियों के बढ़ते हमलों और उससे मरती भेड़ों की खबरों से बेहद दुखी थे। उन्होंने ठान लिया कि वे इन बेजुबान जानवरों को बचाने के लिए कुछ अलग करेंगे। लगातार 3 साल की कड़ी मेहनत, रिसर्च और कई तरह के डिजाइनों को आजमाने के बाद उन्होंने आखिरकार भेड़ों के लिए एक कामयाब प्रोटोटाइप यानी सुरक्षात्मक पोशाक तैयार कर ली। रुडोल्फ ने ऑस्ट्रिया की ऊंची आल्प्स पहाड़ियों पर बने कई फार्मों में भेड़ों को यह अजीबोगरीब कपड़ा पहनाकर इसका बाकायदा टेस्ट भी किया है, जिसके बाद से इस पूरे प्रोजेक्ट को लेकर एक नया बखेड़ा खड़ा हो गया है। वे एक ऐसा हल्का और मजबूत कवच बनाना चाहते थे, जिसे पहनकर भेड़ें बिना किसी परेशानी के पहाड़ों पर घूम सकें, दौड़ सकें और घास चर सकें, लेकिन भेड़िए चाहकर भी उन्हें काट न पाएं। इसके लिए उन्होंने एक बेहद हल्के और मजबूत प्लास्टिक के जाल का इस्तेमाल किया।

जिसके ऊपर चारों तरफ नुकीले और तेज कांटे लगाए गए हैं। रुडोल्फ का दावा है कि जब भी कोई भूखा भेड़िया भेड़ पर हमला करने के लिए अपना मुंह खोलेगा, तो ये नुकीले कांटे उसके मसूड़ों और जीभ में इतनी बुरी तरह चुभेंगे कि दर्द के मारे वह तुरंत भेड़ को छोड़ देगा। उन्होंने स्थानीय मीडिया को बताया, 'भेड़िया एक बहुत ही समझदार और चालाक जानवर है, मुझे पूरा यकीन है कि एक बार कांटों का स्वाद चखने के बाद वह दूसरी बार किसी भेड़ को छूने की हिम्मत भी नहीं करेगा।'

हालांकि, रुडोल्फ का यह अनोखा आविष्कार आम जनता और खुद भेड़ पालने वाले किसानों को बिल्कुल रास नहीं आ रहा है। लगभग सभी लोगों ने इस तरकीब को बकवास, अव्यावहारिक और बेअसर बताया है। करीब 1,000 भेड़ें रखने वाले एक बड़े किसान रेने क्रूगर ने चेतावनी देते हुए कहा कि समय के साथ भेड़ के बड़े बाल इस प्लास्टिक के जाल में बुरी तरह उलझ जाएंगे, जिससे उन्हें भयंकर दर्द होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भेड़िए बेवकूफ नहीं होते, अगर उन्हें शरीर पर कांटों का कवच दिखेगा तो वे अपनी रणनीति बदलकर भेड़ के खुले हिस्सों जैसे उसके पैर, मुंह या आंखों पर हमला कर उसे मार डालेंगे। वहीं, कृषि संगठनों का कहना है कि हजारों भेड़ों को इतनी महंगी पोशाक पहनाना किसी भी किसान के बजट में नहीं है। फिलहाल बढ़ते विरोध को देखते हुए रुडोल्फ ने ऑस्ट्रिया में इसका टेस्ट रोक दिया है और वे दुनिया के किसी दूसरे कोने में इस जादुई पोशाक का लाइव टेस्ट की जगह ढूंढ रहे हैं।

# पर्यटकों की पहली पसंद बना यह पार्क

**हैदराबाद।** आधुनिकता और विकास की दौड़ में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैदराबाद के बाहरी इलाके में बना देश का सबसे बड़ा इको-रिक्रिएशनल पार्क इन दिनों आम जनता और प्रकृति प्रेमियों के बीच भारी चर्चा का विषय बना हुआ है। लगभग 150 एकड़ में फैले इस एक्सपीरियम इको पार्क में एक ऐसी प्राकृतिक धरोहर है, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंच रहे हैं। यहां मौजूद है एक बेहद दुर्लभ और प्राचीन पेड़, जिसकी कीमत लगभग 85 लाख रुपए आंकी गई है।

### 85 लाख रुपए का पेड़ और 85 देशों के दुर्लभ पौधे

इस विहंगम पार्क को यूनिक ट्रीज़ कंपनी के संस्थापक रामदेव राव ने अपने 25 वर्षों के कड़े परिश्रम, शोध और वृक्षों के प्रति अपने जुनून से तैयार किया है। उन्होंने दुनिया के 85 से अधिक देशों जैसे अर्जेंटीना, मेक्सिको, इटली और स्पेन से लगभग 25,000 दुर्लभ और प्राचीन प्रजातियों के पेड़-पौधों को विशेष कंटेनरों और विमानों के ज़रिए सुरक्षित तरीके से भारत लाकर यहां स्थापित किया है।

### सिर्फ पेड़ ही नहीं, आकर्षणों का समंदर है

करीब 150 करोड़ रुपए की भारी लागत से बने इस वर्ल्ड-क्लास इको-पार्क में केवल महंगे पेड़ ही नहीं, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई बेहतरीन आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर भी तैयार किए गए हैं। इनमें प्रमुख आकर्षण इस प्रकार हैं:

**कृत्रिम बीच:** 12 एकड़ में फैली भारत की पहली मानव-निर्मित कृत्रिम बीच।

**ग्लो गार्डन:** रात के समय रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाता हुआ एक खूबसूरत ग्लो गार्डन।

**ज़िपलाइन:** एडवेंचर के शौकीनों के लिए 1 किलोमीटर लंबी चार-दिशाओं वाली ज़िपलाइन।

**स्नो पार्क:** बच्चों और परिवारों के मनोरंजन के लिए एक भव्य इनडोर स्नो पार्क।

# जेल जाने का डर, शख्स ने किया अपना अंतिम संस्कार का नाटक

**बीजिंग।** शराब के नशे में ड्राइविंग करने वाले एक शख्स ने जेल की सजा से बचने के लिए ऐसा खौफनाक और अजीबोगरीब ड्रामा रचा कि पुलिस खुद भी हैरान रह गई। शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले लोग अक्सर पुलिस से बचने के लिए तरह- तरह के बहाने बनाते हैं, लेकिन इस बंदे ने तो हद ही कर दी। दरअसल, चीन के हेनान प्रांत में ड्रिंक एंड ड्राइव के मामले में फंसे एक शख्स ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अपनी ही मौत का झूठा नाटक रच दिया। हैरानी की बात है कि बंदे ने खुद ही ताबूत खरीदा...घर में खाली दवा की बोतलें बिखराईं और फिर खुद को 'मरा' हुआ बताकर फरार हो गया।

पिछले साल जून में उसने कथित तौर पर ओवरडोज का नाटक किया, फिर अपनी मौत का नाटक रचने के लिए उसने बाजार से एक ताबूत यानी कफन खरीदा।

इसके बाद घर के चारों तरफ खाली दवा की बोतलें फैला दीं, ताकि सबको लगे कि उसने जहर खा लिया है। यही नहीं, बिना हिले-डुले अपनी सांस रोककर खुद ताबूत में लेटा रहा और शरीर को ठंडा दिखाने के लिए कूलिंग इक्विपमेंट का इस्तेमाल किया। इस बीच उसके परिवार ने दावा किया कि, ओवरडोज से उसकी मौत हो गई है। यही नहीं, रात होने से पहले सी की मां और दादी ने उसे दफनाने का नाटक भी कर डाला और वो खुद छिपकर दक्षिण-पश्चिमी चीन के युन्नान प्रांत भाग गया, जहां उसने काम की तलाश की।

### सच्चाई सामने आने पर मुश्किल में फंसा परिवार

पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उन्हें पता चला कि ताबूत पहले ही दफनाया जा चुका था, लेकिन कई बातों से तुरंत शक पैदा हुआ, क्योंकि कोई मेडिकल रिपोर्ट या मौत का सर्टिफिकेट नहीं था। पुलिस ने जांच के दौरान जब सीसीटीवी फुटेज और बैंक रिकॉर्ड खंगाले तो सारा सच खुद-ब-खुद सामने आ गया। पुलिस ने युन्नान प्रांत से 'जिंदा' घूम रहे उस शख्स को दबोच लिया, फिलहाल कोर्ट ने उसे 5 महीने की सजा सुनाई है। इस पूरे मामले में पुलिस को गुमराह करने के चलते सी की मां और दादी पर भी आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

### कफन, ताबूत और मौत का झूठा ड्रामा

सी नाम के इस शख्स ने जो किया उसने हर किसी को चौंका दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ड्रिंक एंड ड्राइव के मामले में सी नाम का यह शख्स पहले भी दो बार पकड़ा जा चुका है। मामले की जांच के दौरान उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया था। चीनी कानून के तहत, शराब पीकर गाड़ी चलाने को खतरनाक ड्राइविंग का आपराधिक अपराध माना जा सकता है। इसमें लाइसेंस रद्द होने, 6 महीने तक की जेल और जुर्माना जैसी सजाएं हो सकती हैं। उसे लग रहा था कि इस बार अगर वो पकड़ा गया तो बचना मुश्किल है। ऊपर से सिर पर कर्ज भी था। सरकारी वकीलों के मुताबिक, उसे लगा था कि सजा हुई तो जिंदगी बर्बाद हो जाएगी, बस फिर क्या था बंदे ने गिरफ्तारी से बचने के लिए फिल्मी तरीके से एक साजिश रच डाली।

## यहां मंडप में होता है तालाब का विवाह, पंडित पढ़ते हैं मंत्र, फिर इस पौधे से रचाई जाती है शादी

**मधुबनी।** मिथिला में जब कोई नया पोखर या इनार खुदवाया जाता है तो उसे 'कुंवारा' माना जाता है। शादी किए बिना उसका पानी पीना-खेती में लगाना मिथिला में अशुभ मानते हैं। मान्यता है कि शादी के बाद ही तालाब 'पवित्र' होकर जल देता है और गांव में सूखा नहीं पड़ता है। दरभंगा, मधुबनी, सहरसा साइड में बड़े जमींदार या मुखिया नया पोखर खुदवाते हैं तो पोखरे का बियाह जरूर होता है। तालाब को दूल्हा, दुल्हन के लिए पीपल, बरगद या केला का पौधा पास में लगाया जाता है। जहां पंडित मंत्र पढ़ते हैं और भोज- भात का आयोजन किया जाता है। मिथिलांचल में पग -पग पोखर की कहावत भी है, यानी कि यहां हर आधा किलोमीटर, 1 किलोमीटर पर कोई ना कोई जलाशय यानी कि तालाब जरूर होता है। तालाब को मैथिली भाषा में पोखर कहते हैं। जब कोई नया तालाब यहां के किसी जमींदार या फिर मुखिया के द्वारा खुदवाया जाता है तो वह सिर्फ उसका नहीं रहता है, बल्कि वह पूरे समाज का होता है। मंदिर के पास या फिर कोई ऐसी जगह पर ही होता है। ताकि सब इसका लाभ ले सके, उससे पहले तालाब का विवाह होता है, जिसे पोखरी विवाह कहते हैं। जिसे शास्त्र में मानें तो 'जल संस्कार' भी कहा जाता है।

फिल्मी पर्दे पर आपने गैंग्स ऑफ वासेपुर की कहानी देखी होगी, लेकिन सरगुजा में इसी गैंग से जुड़े गैंगस्टरों के 13 साल तक छिपकर रहने की कहानी उससे कम चौंकाने वाली नहीं है। धनबाद में हत्या और गैंगवार के मामलों में वांछित और सजायाफ्ता अपराधियों ने सरगुजा को अपनी सुरक्षित पनाहगाह बनाया। यहां सिर्फ पहचान छिपाकर रहे ही नहीं, बल्कि कारोबार खड़ा कर संपत्ति बनाई और अपना नया साम्राज्य भी खड़ा कर लिया। इस पूरे नेटवर्क के पीछे कौन था, गैंगस्टरों को सरगुजा तक कौन लाया, किसने उन्हें संरक्षण दिया और फर्जी पहचान के सहारे यहां रहने में किस-किस ने मदद की धनबाद पुलिस की दबिश के बाद अब इन सवालों के जवाब तलाशे जा रहे हैं। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया है कि यह महज एक गैंगस्टर के छिपकर रहने का मामला नहीं, बल्कि सरगुजा में अपराधियों के एक बड़े नेटवर्क के पैर पसारने की कहानी है, जिसकी कई परतें अभी खुलना बाकी हैं।

# सरगुजा में 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' का अंडरग्राउंड साम्राज्य!

● अंबिकापुर से नदीम अंसारी

धनबाद के डायमंड क्रॉसिंग के समीप हुए हत्याकाण्ड में पुलिस ने उस समय साबीर आलम, शाहिद आलम, जावेद खान सहित अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था और इस मामले में धनबाद हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही थी। वर्ष 2013 में सुनवाई के दौरान कोर्ट परिसर से साबीर आलम, जावेद पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए थे। वर्ष 2018 में कोर्ट ने शाहिद आलम व अन्य आरोपियों को उम्र कैद की सजा सुनाई है, हालांकि वर्ष 2013 में सुनवाई के दौरान कोर्ट से पुलिस को चमका देकर साबीर आलम फरार हो गया था। इस मामले में आलम और उसके सहयोगी को झारखंड के हाईकोर्ट ने भगोड़ा घोषित करते हुए आजीवन कारावास की सजा दी थी और संपत्ति कुर्की का भी आदेश दिया गया था।

घटनाक्रम की शुरुआत 18 अक्टूबर 2001 को उस समय हुई थी, जब अपनी पुरानी दुश्मनी और वर्चस्व की लड़ाई के कारण गैंगस्टर साबीर आलम, शाहिद आलम ने अपने साथियों के साथ मिलकर वासेपुर के डॉन फहीम खान की मां नजमा खातून और चाची शहनाज की धनबाद के डायमंड क्रासिंग पर बेरहमी से हत्या कर दी थी। इसी हत्याकांड के बाद गैंगस्टर पिछले 13 सालों से शहर में रह रहा था। 29 जून की रात आठ बजे जब धनबाद की पुलिस बरोरा थाना प्रभारी उप निरीक्षक अभय कुमार के नेतृत्व में मुखबिर से मिली सूचना के बाद गैंगस्टर साबीर आलम को पकड़ने पहुंची थी। इस दौरान साबीर ने शोर मचाकर कार्रवाई का विरोध किया और लोगों की भीड़ एकत्रित होने पर आरोपी पुलिस को चकमा देकर अपने साथी जावेद के साथ फरार हो गया था। इसी के बाद सरगुजा में गैंगस्टर के छिपकर रहने की पुष्टि हुई थी, जिसके बाद हड़कंप मच गया था।

## 13 साल से छिपे थे गैंगस्टर, कारोबार खड़ा किया पहचान बदली, अब खुल रहे एक-एक कर राज

### गैंस्टर शाकिब अफजल भी छिपा था सरगुजा में

सरगुजा और गैंग्स ऑफ वासेपुर के गैंगस्टरों के कनेक्शन की परत अब लगातार खुलती जा रही है। इस बीच एक और हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई। गैंग्स ऑफ वासेपुर की टीम का एक और गैंगस्टर शाकिब अफजल भी पहले 13 सालों से शहर में ही छिपा हुआ था। शाकिब अफजल पर वर्ष 2004 में धनबाद के डॉन फहीम खान के दफ्तर पर एके-47 और पिस्टल से हमले का आरोप है। इस मामले में साबीर आलम और उसके भाइयों पर जेल में रहकर हमला कराने का भी आरोप लगा था। हमले में एक निजी सुरक्षाकर्मी और पुलिसकर्मी की मौत हो गई थी। इस हत्याकांड में अपराध दर्ज होने के बाद से ही शाकिब अफजल झारखंड से फरार हो गया था। कोर्ट के निर्देश पर उसका भी घर कुर्क हुआ, जिसके बाद वह अंबिकापुर पहुंचा और अपनी पहचान बदल ली। इस दौरान शहर से लगे लालमाटी इलाके में जंगल किनारे बड़ा सा मकान बनाकर रहने लगा। शाकिब अफजल होटल चलाने के साथ ही जमीन का कारोबार करता था और साबीर आलम व बैदुल खान के कारोबार को भी संभाल रहा था। जिस दिन झारखंड पुलिस साबिर आलम को पकड़ने के लिए सरगुजा पहुंची और आरोपियों को पकड़ने में नाकाम हुई, उसी समय इस बात की भनक लगते ही शाकिब अफजल भी सरगुजा से फरार हो गया।

### खुलने बाकी हैं अभी कई और राज

सरगुजा और गैंग्स ऑफ वासेपुर कनेक्शन में अभी और भी कई राज खुलने बाकी हैं। गैंगस्टर को शहर में लाने के बाद उनकी पहचान छिपाने के लिए किस तरह के दस्तावेज तैयार किए और दस्तावेज तैयार करने में किन किन लोगों ने सहयोग किया, यह अब तक सामने नहीं आई है। इसके साथ ही उनका कारोबार क्या सिर्फ बस-एम्बुलेंस संचालन, जमीन कारोबार तक ही सीमित था या फिर और भी कई कारोबार चल रहे थे। आरोपियों को किस तरह सरगुजा लाया गया यह भी एक बड़ा सवाल है। इन सभी सवालों का जवाब अब गैंगस्टर साबीर आलम, जावेद खान, शाकिब अफजल के गिरफ्तार होने के बाद ही सामने आ सकेगा।

### छिपकर रह रहा था शहर में, बनाया साम्राज्य

आरोपी साबीर आलम और उसका सहयोगी जावेद कोर्ट से फरार होने के बाद लगातार कई राज्यों में पुलिस से बचते फिर रहे थे। फिलहाल इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि गैंगस्टर कब सरगुजा आया, लेकिन बताया जा रहा है कि 13 साल पहले दोनों अंबिकापुर आए थे। उन्हें सरगुजा में लाने और सुरक्षित पनाह देने का काम शहर के एक बड़े व्यवसायी और बस संचालक बैदुल खान ने किया। बैदुल खान और साबीर आलम के बीच रिश्तेदारी की भी बात सामने आई है। अपनी रिश्तेदारी के कारण ही वह सरगुजा तक पहुंचा था। दोनों ने मिलकर बस संचालन का कार्य शुरू किया। इस दौरान उन्होंने बसों के साथ ही एम्बुलेंस का संचालन किया। सरगुजा में रहते हुए साबीर आलम ने अपना एक शानदार मकान भी तैयार किया। यही वजह है कि कोतवाली पुलिस ने गैंगस्टर को संरक्षण देने और उसके साथ कारोबार करने के मामले में बस संचालक बैदुल खान और अन्य लोगों के खिलाफ बीएनएस की 249 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। फिलहाल बैदुल खान फरार चल रहा है।

### पुलिस ने कसना शुरू किया शिकंजा

पुलिस ने गैंगस्टर को पनाह देने के मामले में एक तरफ बैदुल खान के खिलाफ अपराध दर्ज किया तो वहीं आरोपियों को भगाने और उनका सहयोग करने वालों के खिलाफ झारखण्ड पुलिस की ओर से भी अपराध दर्ज कराया गया है। धनबाद से बरोरा थाना प्रभारी उप निरीक्षक अभय कुमार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों हबीबनगर नया बस्ती निवासी 30 वर्षीय जुनैद खान आ.मोहम्मद जाहिद खान व 59 वर्षीय मोहम्मद जाहिद खान आ. मोहम्मद अयुब खान पिता पुत्र के खिलाफ बीएनएस की धारा 221, 132, 126(2), 296(बी), 351(3), 263 (ई), 352, 3(5) के तहत गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया है। आरोप है कि पिता पुत्र ने ना सिर्फ गैंगस्टर को भागने में सहयोग किया, बल्कि मोहल्ले के सभी सीसीटीवी कैमरों से सुबूत को अपने प्रभाव के दम पर हटवा दिया। झारखंड पुलिस के साथ ही अब सरगुजा की पुलिस भी सरगुजा में छिपे गैंगस्टरों की तलाश में जुट गई है।

---

कोई कैसे अकारण मां, पत्नी और तीन बच्चों की जान लेकर खुद अपनी जान दे सकता है? न कोई कलह-क्लेश, न कोई आर्थिक तंगी और न ही कोई ऐसा गम, जो उसे भीतर ही भीतर साल रहा हो.. फिर 1 सितंबर 2013 की उस मनहूस रात को देवनारायण देशमुख के सिर पर ऐसा क्या फिर सवार हो गया कि उसने एक-एक कर पांच जाने ले ली। पांच हत्याओं के बाद भी वह विचलित नहीं था, क्योंकि उसने इत्मिनान से अपने पिता को फोन किया और अपनी करतूत की जानकारी दी और यह भी बताया कि अब अपनी जान देने जा रहा है। देवनारायण ने ऐसा क्यों किया..यह आज भी रहस्य बना हुआ है। क्योंकि आरोपी भी जीवित नहीं रहा इसलिए पुलिस ने मामले को खात्मे में डाल दिया है।

● भिलाई से जेएम तांडी

# वह खूनी रात, मां पत्नी और तीन बच्चों की बेरहमी से जान लेकर झूला फंदे पर

वारदात भिलाई से 55 किमी दूर ग्राम जंजगिरी की है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पुष्पा (30), पुत्री कविता (08), रेणु (06), पुत्र देवेंद्र कुमार (05) और मां झामिन बाई (55) की हत्या कर दी। इसके बाद वह खुद भी फांसी के फंदे पर झूल गया। यह घटना है कि 1-2 सितंबर 2013 की दरम्यानी रात की थई, जब सभी नींद के आगोश में सो चुके थे। वारदात की वजह का अब तक कुछ भी पता नहीं चल पाया है। मिली जानकारी के मुताबिक 35 वर्षीय देवनारायण देशमुख कैटरिंग और खेती किसानी का काम करता था। कुछ दिन से वह काम पर भी नहीं जा रहा था। घटना के दिन रात में जब परिवार वाले सो रहे थे, तो उसने एक-एक कर सभी पर हथौड़े (घन) से ताबडतोड़ वार किया और मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद जमीन पर पड़े शव को लांघ कर दूसरे कमरे में गया, जहां छत की हुक में फंदा बनाकर फांसी पर झूल गया। घटना की जानकारी पूरे गांव में आग की तरह फैल गई। इस वरादात की खबर उसके चचेरे भाई ने पुलिस थाने में दी। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस महकमे में भी खासी खलबली मच गई थी। पुलिस के कई आला अफसरों ने एक के बाद एक गांव पहुंचकर घटना से जुड़े हर पहलुओं के बारे में जानने का प्रयास किया, लेकिन हत्या के कारणों का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया। इधर पुलिस ने पिता ज्ञान सिंह से पूछताछ की, तो उसने बताया कि देवनारायण 10-15 दिनों से काम पर नहीं जा रहा था। 31 अगस्त शनिवार 2013 को गांव पहुंचने पर उसने बताया कि तबियत कुछ ठीक नहीं है, इसलिए काम पर नहीं जा रहा है।

## तेरह साल पहले हुई थी घटना, अंडा पुलिस थाना क्षेत्र की वारदात

### आंखों में ही रह गए कई सवाल

एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत के बाद से जंजगिरी में माहौल गमगीन हो गया था। घटनास्थल देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा होने लगी थी। लोग घरों की छतों पर चढ़कर कारणों के बारे में जानने की कोशिश कर रहे थे। उन्हें संभालने पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। घटना को लेकर पूछने पर भी कोई कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं था। शवों को पीएम के लिए जिला अस्पताल दुर्ग रवाना करने के बाद ही भीड़ को मकान के भीतर प्रवेश करने दिया गया। अंदर का मंजर देखने के बाद लोगों की आंखों में कई सवाल थे, लेकिन सभी ने चुप्पी साध ली थी।

### हत्या के बाद किया पिता को फोन

आरोपी देवनारायण ने खुदकुशी से पहले रात 3.24 बजे अपने शिक्षक पिता ज्ञान सिंह देशमुख को फोन किया। उसने बताया कि मां झमिन बाई, पुष्पा और 4 वर्षीय पुत्र देवेन्द्र को मार दिया। देवनारायण ने बेटी 10 वर्षीय कविता 8 वर्षीय वेणु की हत्या की जानकारी नहीं दी। इसके पहले कि ज्ञान सिंह कुछ पूछ पाते आरोपी बेटे ने यह कहते हुए फोन काट दिया कि वह भी अब खुदकुशी करने जा रहा है। घबराए, सहमे पिता ने अंबिकापुर में पदस्थ आरक्षक बेटे राजनाथ सिंह को और उसने जंजगिरी की ही दूसरी बस्ती में रहने वाले चाचा गिरधर देशमुख के बेटे राजकुमार को इसकी जानकारी दी थी।

### बरामदे में हर तरफ खून ही खून

राजकुमार घर की दीवार फांदकर भीतर घुसा। बरामदे से लगे दोनों कमरे के दरवाजे खुले थे। एक कमरे में बिस्तर पर आरोपी की पत्नी व तीनों बच्चों का खून से लथपथ शव पड़ा था। बाजू के कमरे में उसकी मां झामिन बाई का शव पलंग के किनारे पड़ा था। सभी के सिर पर हथौड़े के जोरदार वार के निशान थे। इसके अलावा आरोपी के घटना को अंजाम देने के पहले चार दिन से नहीं सोने की भी बात सामने आई थी।

### मानसिक रोगी था

पुलिस ने बताया कि आरोपी देवनारायण देशमुख करीब 15 वर्ष पूर्व मानसिक रोगी था। यह स्थिति करीब 5 माह तक रही रही। पास के गांव आमटी में एक बाबा ने दवा बनाकर दी। जिसे महीने भर पीने के बाद वह ठीक हो गया। मानसिक अस्वस्थता के दौरान राजनांदगांव चला गया था। यहां लाल बाग पुलिस ने किसी मामले में अपराध दर्ज करते हुए उसे जेल भेज दिया था। परिजनों को इसकी जानकारी लगने पर उसे जमानत पर रिहा कराया था।

---

पति-पत्नी के बीच का आपसी विवाद एक सिरफिरे व्यक्ति को क्रूर कातिल बना देगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। स्कूल से दोपहिया से लौट रही पत्नी को पति ने पहले नेशनल हाईवे पर बोलेरो से रौंद डाला। यही नहीं, जब उसने देखा की पत्नी की सासें अब भी चल रही है तो उसने लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ वार करते हुए सड़क पर ही पत्नी की हत्या कर दी।

● मोहला से एनिश पुरी गोस्वामी

## यू ट्यूब देखकर कातिल पति ने बनाई थी पुलिस से बचने की प्लानिंग

# पहले बोलेरो से रौंदा, सासें चलती देख रॉड से पीट-पीटकर पत्नी को मार डाला

जांच होने पर यह बात सामने आई कि शेरपार हाई स्कूल में पदस्थ गणित की व्याख्याता की मौत सड़क हादसे में नहीं हुई है। इंजीनियर पति ने प्लानिंग के तहत इस वारदात को अंजाम दिया था। 22 मार्च 2026 शनिवार को स्कूल से छुट्टी के बाद व्याख्याता अपने स्कूल में ही पदस्थ महिला प्यून के साथ स्कूटी से अपने घर दुर्ग लौट रही थी। इसी समय दल्ली राजहरा मानपुर नेशनल हाईवे 930 में इंजीनियर पति अपनी पत्नी को रास्ते से हटाने मौत बन के खड़ा हुआ था। उसने हाईवे में पत्नी को पहले बोलेरो वाहन से रौंद डाला, सांस चलने पर रॉड से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। शुरूआत में पुलिस प्रशासन और आम नागरिक इस घटनाक्रम को एक सामान्य सड़क हादसा समझ रहे थे, लेकिन परिजनों के द्वारा हत्या की आशंका व्यक्त की गई। पुलिस की गहन जांच में मामला सड़क हादसे का नहीं, इंजीनियर पति के द्वारा रची गई दुर्दांत हत्याकांड में परिवर्तित हो गया।

### बच्चों ने पुलिस को दी हत्याकांड की लीड

22 मार्च 2026 घटना के दिन आरोपी शीशपाल वासनिक और साथी कयामुद्दीन खान सुबह 5 से 6 बजे के बीच बोलेरो वाहन से शेरपार गांव पहुंच गए। दोनों आरोपी हाईवे की रेकी करते हुए हाई स्कूल में अध्यनरत बच्चों से बोलेरो वाहन में बैठकर व्याख्याता बरखा वासनिक के आने जाने के संबंध में पूछताछ करते रहे। सीसीटीवी फुटेज बोलेरो नंबर स्कूल के बच्चों के दिए गए बयान के बाद दल्ली राजहरा पुलिस ने जांच दोबारा शुरू की, जहां से पता चला कि पति पत्नी के बीच अनबन थी। इस बात से इंजीनियर शीशपाल वासनिक नाराज था। इसी के कारण पत्नी को मारने की साजिश रची, बरखा के आने जाने की टाइमिंग, रास्ता, रोजमर्रा की आदतों की रेकी कर अन्य साथी कयामुद्दीन को 60 हजार देकर गाड़ी में रौदने के लिए अपने साथ शामिल किया।

### छुट्टी होने के बाद वापस दल्ली राजहरा दुर्ग की ओर जा रहे थे

आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने वाली दल्ली राजहरा पुलिस जांच के अनुसार मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले में मौजूद ग्राम शेरपार हाई स्कूल में पदस्थ गणित की व्याख्याता बरखा वासनिक (35) तथा भृत्य मथुरा मण्डावी 22 मार्च 2026 शनिवार शाम 4 बजे छुट्टी होने के बाद नेशनल हाईवे 930 से स्कूटी में सवार होकर वापस दल्ली राजहरा दुर्ग की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दल्ली राजहरा थाना क्षेत्र के हितकसा मोड़ के मंदिर के पास दोनों स्कूटी सवार महिलाओं को एक अज्ञात वाहन ने रौंद डाला। दर्दनाक हादसे में व्याख्याता बरखा वासनिक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं भृत्य मथुरा मण्डावी को गंभीर चोट आई। अज्ञात गाड़ी के रौंदने से मौत होने का मामला पंजीबद्ध कर दल्ली राजहरा पुलिस विवेचना शुरू की ही थी कि परिजनों ने अपनी बेटी की हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त की। इस दिशा में जब जांच की गई तो इस हत्याकांड के पीछे रूआबांधा दुर्ग विद्युत मंडल में पदस्थ सब इंजीनियर पति शीशपाल वासनिक व एक सहयोगी आरोपी कयामुद्दीन पिता कैमुल हसन (24), पुरानी बस्ती वार्ड नंबर 21 सुपेला भिलाई निकले।

### रॉड से पीट-पीटकर मार डाला

स्कूल से छुट्टी के बाद बरखा वासनिक स्कूल के प्यून के साथ स्कूटी से दुर्ग लौट रही थी। वह दल्ली राजहरा के करीब हितकसा मोड़ के मंदिर के पास पहुंचे थे, तभी इंजीनियर पति शीशपाल वासनिक के कहने पर पीछे से बिना नंबर प्लेट के बोलेरो वाहन से कयामुद्दीन ने टक्कर मार दी। इससे बरखा और प्यून मथुरा मंडावी गंभीर रूप से घायल हो गए, इस दौरान बरखा की सांसे चल रही थी। इसके बाद शीशपाल बोलेरो से नीचे उतरा, गाड़ी में रखे लोहे के रॉड से उस पर ताबड़तोड़ हमला किया। जिसके चलते शिक्षिका की मौके पर ही मौत हो गई।

## खबर संक्षेप

### हिंदुस्तान जिंक को स्ट्रांग ईएसजी रेटिंग प्राप्त

**मुंबई।** हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड को क्रिसिल ईएसजी रेटिंग्स एंड एनालिटिक्स लिमिटेड द्वारा क्रिसिल ईएसजी 62 की पर्यावरण, सामाजिक एवं सुशासन रेटिंग प्रदान की गई है, जिससे कंपनी को स्ट्रांग श्रेणी में स्थान मिला है। यह मूल्यांकन किसी कंपनी के पर्यावरण, सामाजिक और सुशासन संबंधी जोखिमों के प्रति उसके एक्सपोजर, पर्यावरण एवं समाज पर उसके प्रभाव, आंतरिक गवर्नेंस प्रक्रियाओं तथा ईएसजी से जुड़े जोखिमों और अवसरों के प्रभावी प्रबंधन की क्षमता का आकलन करता है।

### बिटडेल्टा ने लांच किया क्रिप्ट्यूशन

**नई दिल्ली।** एफआईयू-आईएनडी पंजीकृत वर्चुअल डिजिटल एसेट ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म बिटडेल्टा इंडिया ने 'क्रिप्ट्यूशन' नाम से भारत के पहले संस्थागत स्तर के क्रिप्टो एसेट्स लर्निंग एवं सर्टिफिकेशन इकोसिस्टम की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य लोगों को क्रिप्टो एसेट्स के बारे में संरचित शिक्षा, व्यावहारिक अनुभव और प्रमाणन उपलब्ध कराकर जिम्मेदार एवं जागरूक भागीदारी के लिए तैयार करना है।क्रिप्ट्यूशन को ऐसे समय में लांच किया गया है जब देश में वर्चुअल डिजिटल एसेट्स के प्रति रुचि तेजी से बढ़ रही है।

### नई गैलेक्सी अल्ट्रा2 और वॉच9 पर प्री-ऑर्डर ऑफर्स

**गुरुग्राम।** सैमसंग इंडिया ने नई गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा2 और गैलेक्सी वॉच9 के लिए भारत में प्री-ऑर्डर शुरू करने की घोषणा की है। जिनमें मल्टी-बाय पर 9,500 रुपए तक की छूट, 1,500 रुपए के रिडीमेबल कूपन, 3,500 रुपए तक का अपग्रेड डिस्काउंट, 3,500 रुपए तक का बैंक कैशबैक और 24 महीने तक नो-कॉस्ट ईएमआई शामिल हैं। कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट आदित्य बब्बर ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य एआई के माध्यम से निरंतर स्वास्थ्य निगरानी को बढ़ावा देना है।

### एसपीजेआईएमआर की ग्रेट लर्निंग से साझेदारी

**मुंबई।** भारतीय विद्या भवन के एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च ने ग्रेट लर्निंग के साथ साझेदारी कर वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित एग्जीक्यूटिव एजुकेशन प्रोग्राम्स का नया पोर्टफोलियो लांच करने की घोषणा की है।

अध्ययन में सामने आया कि 95 प्रतिशत लाभार्थियों के लिए पीएम स्वनिधि ऋण उनका पहला बैंक ऋण था

# पीएम-स्वनिधि योजना से रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं की आय में बढ़ोतरी, व्यापार लाभ 20 फीसदी तक बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नईदिल्ली

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम-स्वनिधि) योजना ने देशभर के रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। योजना के तहत छोटे व्यापारियों को औपचारिक ऋण व्यवस्था से जोड़ने के साथ उनकी आय, डिजिटल लेनदेन और जीवन स्तर में भी सुधार दर्ज किया गया है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अनुसार, पीएम-स्वनिधि योजना का विस्तार अब चरणबद्ध तरीके से शहरी क्षेत्रों से आगे बढ़ाकर जनगणना वाले कस्बों और शहरी बाहरी क्षेत्रों तक किया जा रहा है।

यह जानकारी आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस , हैदराबाद द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, पीएम-स्वनिधि योजना से लाभार्थियों के कारोबार में सकारात्मक बदलाव आया है। वर्ष 2023 में किए गए सर्वेक्षण में देश के 100 शहरी स्थानीय निकायों के 5,000 से अधिक लाभार्थियों को शामिल किया गया था। अध्ययन में सामने आया कि 95 प्रतिशत लाभार्थियों के लिए पीएम-स्वनिधि ऋण उनका पहला बैंक ऋण था, जिसका उपयोग उन्होंने अपने व्यापार को बढ़ाने में किया। वहीं, वर्ष 2025 में किए गए अध्ययन में पाया गया कि 2023 से 2025 के बीच योजना के लाभार्थियों के औसत वार्षिक व्यापार लाभ में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एआई फोटो

#### सभी पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को मिलेगा लाभ, सभी पात्र रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को शामिल किया

योजना में मौसमी विक्रेता, घूम-घूमकर सामान बेचने वाले, महिला विक्रेता और पर्यटन आधारित विक्रेता सहित सभी पात्र रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को शामिल किया गया है। लाभार्थियों की पहचान स्ट्रीट वेंडर्स (आजीविका का संरक्षण और स्ट्रीट वेंडिंग का विनियमन) अधिनियम, 2014 के तहत राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों द्वारा किए गए सर्वेक्षण के आधार पर की जाती है। सरकार द्वारा योजना के प्रचार-प्रसार के लिए रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्रों और स्थानीय भाषाओं में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। साथ ही लोक कल्याण मेले, स्वनिधि महोत्सव और विशेष अभियान के माध्यम से नए लाभार्थियों को जोड़ने और ऋण प्रक्रिया को तेज करने का प्रयास किया जा रहा है। पीएम-स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें देश की औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

#### बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ रहे छोटे व्यापारियों का क्रेडिट इतिहास तैयार हो रहा

मंत्रालय के अनुसार, योजना ने रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। अध्ययन में पाया गया कि लगभग 30 प्रतिशत लाभार्थियों ने बताया कि पीएम-स्वनिधि ऋण के अलावा उनके पास अन्य औपचारिक ऋण सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इससे छोटे व्यापारियों का क्रेडिट इतिहास तैयार हो रहा है और वे भविष्य में बड़ी वित्तीय सुविधाओं तक पहुंच बना पा रहे हैं। पीएम-स्वनिधि योजना के तहत डिजिटल भुगतान को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्ष 2023 से 2025 के बीच लाभार्थियों में डिजिटल लेनदेन अपनाने की प्रवृत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। शहरी स्थानीय निकायों द्वारा डिजिटल साक्षरता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए लाभार्थियों को कैशबैक प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

चटक हुई हल्दी, महीनेभर में 16 फीसदी उछले दाम

# 20 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंचने की उम्मीद, मांग मजबूत बनी हुई

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मसालों के बाजार में हल्दी की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। पिछले एक महीने में हल्दी के भाव करीब 16 फीसदी बढ़ चुके हैं। उत्पादन अनुमान से कम रहने, घरेलू मांग मजबूत होने और निर्यात में बढ़ोतरी के चलते आने वाले दिनों में हल्दी के दाम 20,000 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच सकते हैं।

बाजार जानकार और कारोबारियों के अनुसार मौजूदा तेजी केवल तकनीकी कारणों से नहीं, बल्कि मजबूत फंडामेंटल की वजह से है। वर्ष 2025-26 में हल्दी का वास्तविक उत्पादन शुरुआती अनुमान 11.4 लाख टन से कम रहने की संभावना है। वहीं, घरेलू खपत लगातार मजबूत बनी हुई है और किसानों की सीमित बिकवाली तथा कम स्टॉक ने भी कीमतों को सहारा दिया है। व्यापारी अनिल कुकरेजा कहना है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से भारतीय हल्दी की निर्यात मांग बढ़ी है। अप्रैल 2026 में भारत ने 15,039 टन हल्दी का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष के समान महीने के 14,957 टन से अधिक रहा। इसके अलावा घरेलू बाजार में भी मांग मजबूत बनी हुई है। जानकारों के मुताबिक यदि मौजूदा रुझान जारी रहता है और बाजार में मुनाफावसूली नहीं होती, तो हल्दी का पहला लक्ष्य 19,000-19,100 रुपए प्रति क्विंटल हो सकता है। इसके बाद निर्यात मांग और सप्लाई की स्थिति अनुकूल रहने पर कीमतें 19,500 से 20,000 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच सकती हैं।

#### एक महीने में 2,500 रुपए की तेजी

नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) पर हल्दी के अगस्त वायदा अनुबंध का भाव 10 जून को 16,150 रुपए प्रति क्विंटल था, जो 10 जुलाई को बढ़कर 18,740 रुपए प्रति क्विंटल के उच्च स्तर पर पहुंच गया। यानी एक महीने में कीमतों में करीब 2,590 रुपए या 16 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई, जबकि जुलाई के शुरुआती 10 दिनों में ही भाव करीब 7 प्रतिशत चढ़ चुके हैं।

### बीपीसीएल का नया प्लान: 15 अगस्त तक 100 शहरों में मिलेगा 10 किलो का एलपीजी

**नई दिल्ली।** सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एलपीजी ग्राहकों के लिए बड़ा अपडेट जारी किया है। कंपनी ने अपने 10 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की उपलब्धता बढ़ाने की योजना बनाई है।

इसके तहत 15 अगस्त तक देश के 24 राज्यों के 100 नए शहरों में यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कंपनी का कहना है कि छोटे परिवारों और कम गैस खपत करने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए 10 किलो का सिलेंडर एक बेहतर विकल्प साबित होगा।

इससे ग्राहकों को अपनी जरूरत के अनुसार एलपीजी सिलेंडर चुनने की सुविधा मिलेगी। एलपीजी ने यह जानकारी जून तिमाही के वित्तीय परिणामों के बाद आयोजित कॉन्फ्रेंस कॉल में दी।

7 नए मॉडल्स और 3 अपडेटेड बाइक्स

## होंडा ने एथेनॉल पेट्रोल से चलने वाली 10 नई गाड़ियां लांच की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय टू-व्हीलर बाजार में इतिहास रचते हुए होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अब तक का सबसे बड़ा लांच किया है। कंपनी ने एक साथ 10 नए टू-व्हीलर्स को भारत में अनवील कर दिया है। इसमें 7 बिल्कुल नए मॉडल्स और 3 अपडेटेड बाइक्स शामिल हैं।

होंडा का यह नया पोर्टफोलियो हर तरह के राइडर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें एडवेंचर बाइक, क्रूजर, रोडस्टर, फैमिली इलेक्ट्रिक स्कूटर और एथेनॉल फ्यूल से चलने वाले वाहन शामिल हैं। होंडा के इस नए लाइनअप में एडीवी 160, सीबी 500, रीबेल 300, रीबेल 500, एक्सआर 300एल, एक्सआर 300

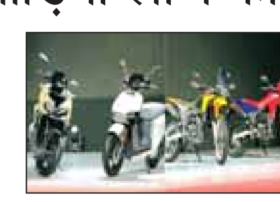

रैली, क्यूसी3 इलेक्ट्रिक स्कूटर के साथ-साथ अपडेटेड सीबी350 सीरीज की बाइक्स शामिल हैं। एचएमएसआई के प्रेसिडेंट एवं सीईओ त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा कि भारत होंडा के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक बाजारों में से एक है। एचएमएसआई के निदेशक मुत्सुओ उसुई ने कहा कि आज के ग्राहक केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि अपनी जीवनशैली के अनुरूप वाहन चाहते हैं। नए पोर्टफोलियो के जरिए होंडा विभिन्न राइडिंग श्रेणियों में ग्राहकों को अधिक विकल्प उपलब्ध कराएगी।

# वी ने मध्य प्रदेश में किया 5जी फुटप्रिन्ट का विस्तार

**जबलपुर।** दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने मध्य प्रदेश में अपने 5जी विस्तार को और तेज़ कर दिया है। वी भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में पहले से 5जी सेवाओं का लॉन्च कर चुका है। राज्य में अपने 5जी फुटप्रिन्ट को और मजबूत बनाते हुए दूरसंचार कंपनी ने आज तीन और शहरों- सागर, सतना और जबलपुर में 5जी सेवाओं की शुरूआत की घोषणा की है। मध्य प्रदेश के ये मुख्य आर्थिक विकास केन्द्र उद्योग जगत, कारोबार, शिक्षा और कनेक्टिविटी के लिए मुख्य हब की भूमिका निभाते हैं।जबलपुर मध्य प्रदेश का मुख्य प्रशासनिक, न्यायिक एवं पर्यटन केन्द्र है, सतना बड़ा ओद्यौगिक एवं धामिक हब है, जिसे 'भारत के सीमेंट सिटी' के नाम से भी जाना जाता है, वहीं सागर महत्वपूर्ण ओद्यौगिक एवं शैक्षणिक हब है। ये सभी शहर राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मुख्य भूमिका निभाते हैं तथा हाई-स्पीड मोबाइल डेटा सेवाओं की बढ़ती मांग के लिए मुख्य मार्केट हैं। ऐसे में मध्य प्रदेश में वी 5जी लॉन्च का यह चरण डिजिटल विकास के लिए बहुत अधिक मायने रखता है।

**5जी सेवाएं अब सागर, सतना और जबलपुर में भी उपलब्ध, इससे पहले भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में किया था लॉन्च**

वी 5जी अब भारत के 225 शहरों और नगरों में उपलब्ध है तथा अपने 5जी फुटप्रिन्ट का विस्तार लगातार जारी रखे हुए है। बड़े महानगरों जैसे मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और बैंगलुरू में शुरूआती कमर्शियल लॉन्च के बाद वी अपने स्पैक्ट्रम वाले सभी 17 प्रायोरिटी टेलीकॉम सर्कल्स में व्यवस्थित रूप कवरेज का विस्तार कर रहा है। ग्लोबल टेलीकॉम इक्विपमेन्ट लीडर्स जैसे एरिकसन, नोकिया और सैमसंग के साथ साझेदारी में कंपनी ने नेटवर्क की स्पीड और विश्वसनीयता को अनुकूलित करने के लिए एआई-पावर्ड सेल्फ-ओर्गेनाइज़िंग नेटवर्क (एसओएन) तैनात किया है।कविता नाडकर्णी, बिज़नेस हैड-मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़, वोडाफोन आइडिया ने बताया कि मध्य प्रदेश में वी के 5जी नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में 5जी लॉन्च के बाद सागर, सतना और जबलपुर में रोलआउट इस यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विस्तार के लिए हम ज़्यादा मांग वाली लोकेशनों परविशेष रूप से ध्यान दे रहे हैं, जहां डेटा की खपत और फुटफॉल अधिक रहता है ।

## रुपया 18 पैसे मजबूत 96.55 प्रति डॉलर पहुंचा

**मुंबई।** रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 18 पैसे मजबूत होकर 96.55 पर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक के संभावित हस्तक्षेप से रुपए को समर्थन मिला। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, एफआईआई की बिकवाली और घरेलू शेयर बाजार में कमजोर धारणा से रुपए पर दबाव बना रहा।

**कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)**

**निविदा आमंत्रण सूचना**

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

| क्र. | टेण्डर क्रमांक जारी दिनाक | कार्य का नाम | कार्य की समयावधि एवं लागत(लाख में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी. | निविदा की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | Pro-411 Date-24/07/2026 ID 2026_UAD_523868_1 | मुख्यालय अंतर्गत रिकार्ड रूम में टीनशेड, निर्माण कार्य, रिपेयरिंग , पुताई पुट्टी कार्य एवं अन्य आवश्यक कार्य। | 04 माह<br>11.74 | 2,000/-<br>8810/- | 24/08/2026 |

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

**कार्यपालन यंत्री**
**नगर पालिक निगम जबलपुर**

## राशिफल

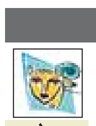

**मेष** धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

**वृष** वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

**मिथुन** शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

**कर्क** आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

**सिंह** सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

**कन्या** किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

**तुला** मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

**वृश्चिक** शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

**धनु** आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

**मकर** व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

**कुंभ** मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

**मीन** परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

## धानुका एग्रीटेक ने शुगर मिल अधिकारियों के लिए आयोजित किया गन्ना फसल प्रबंधन प्रशिक्षण

**गाडरवारा।** धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा गन्ना उत्पादन को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से शुगर मिल अधिकारियों के लिए एक दिवसीय गन्ना फसल प्रबंधन एवं धानुका उत्पाद पोर्टफोलियो प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रामदेव शुगर मिल, नर्मदा शुगर मिल, शक्ति शुगर मिल एवं आकृति शुगर मिल के सेल्स अधिकारियों एवं तकनीकी स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।श्री राजेश माहेश्वरी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी और कार्यक्रम की सरहाना की । कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. एन. सिंह - फॉर्मर प्रिंसिपल साइंटिस्ट, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ शुगरकेन रिसर्च - लखनऊ की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने किसानों एवं शुगर मिलों के समन्वय से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने पर बल दिया तथा इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की

सराहना की।

कार्यक्रम का संचालन धानुका एग्रीटेक लिमिटेड की ओर से चेतन सरावगी स्टेट हेड मध्यप्रदेश एवं सिंपल कुशवाहा- मैनेजर - इंस्टिट्यूशनल सेल्स द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान गन्ना फसल में बुवाई से लेकर कटाई तक विभिन्न अवस्थाओं में किए जाने वाले वैज्ञानिक फसल प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही धानुका के विभिन्न फसल सुरक्षा एवं पोषण उत्पादों के सही समय, सही मात्रा एवं प्रभावी उपयोग पर विस्तार से चर्चा की गई।धानुका के विशेषज्ञों ने बताया कि यदि किसान फसल की प्रत्येक अवस्था में वैज्ञानिक तरीके से अनुशंसित उत्पादों का उपयोग करें, तो गन्ने की गुणवत्ता एवं उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ-साथ किसानों की आय में भी बढ़ोतरी संभव है।

**कार्यालय नगर पालिक निगम, सतना (म. प्र.)**

N.I.T. क्रमांक 07 / वर्कशाप (फायर ) / न.पा.नि./ 2026-27 सतना, दिनांक 22/07/2026

**निविदा सूचना**

निम्नलिखित कार्य/सप्लाई हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदायें आमत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेबसाइड http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है ।

| क्र. | एन.आई.टी. क्रमांक व दिनांक | निविदा क्रमांक | सामग्री का प्रकार | अनुमानित व्यय प्राक्कलन | धरोहर राशि | निविदा प्रपत्र मूल्य | समग्री आपूर्ति की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 07/01 22.07.2026 | 2026_UAD _523492_1 | फायरमैन एवं चालक हेतु सेफ्टी वर्दी की दरें। (तृतीय काल) | 2,31,000/- | 4,700/- | 2,000/- | 15 दिवस |
| 02 | 07/02 22.07.2026 | 2026_UAD _523493_1 | फायरमैन एवं चालक हेतु सेफ्टी शूज की दरें। (तृतीय काल) | 1,53,000/- | 3,100/- | 1,000/- | 15 दिवस |

शर्ते -: 1. निविदा प्रपत्र की खरीदी ऑनलाइन वेबसाइट http://www.mptenders.gov.in. ऑनलाइन पेमेन्ट एवं पटल सर्विस चार्ज के द्वारा दिनांक 23/07/2026 समय 15-30 बजे से दिनांक 07/08/2026 समय 17-30 बजे तक खरीदी जा सकती है। 2. निविदा में संसोधन की सूचना वेबसाईट पर ही प्रकाशित की जावेगी, समाचार पत्र पर संसोधन की सूचना प्रकाशित नही की जावेगी।

**विभागाध्यक्ष (वर्कशाप - फायर)**
**नगर पालिक निगम, सतना (म.प्र.)**

## शब्द पहेली - 6297

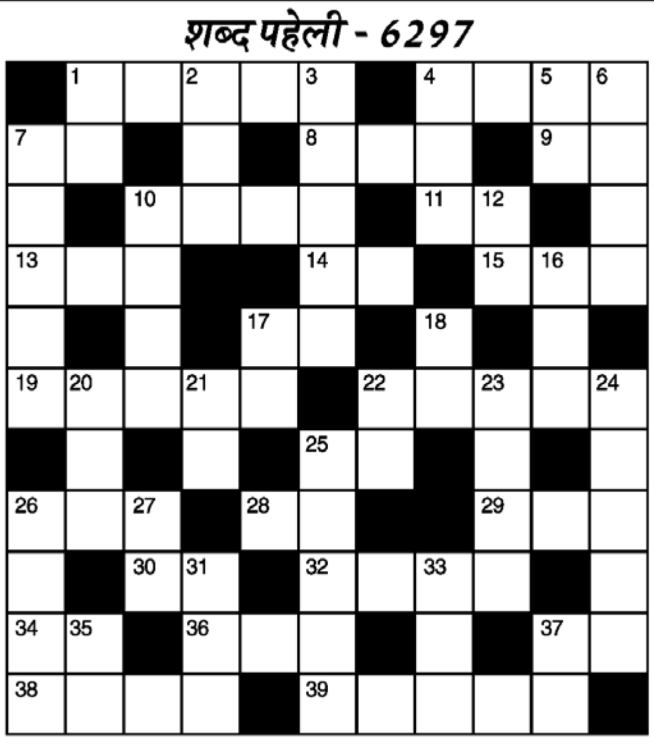

**बाएँ से दाए**

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

**ऊपर से नीचे**

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

**शब्द पहेली- 6296 का हल**

## सूडोकू नवताल - 6307

सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | | 9 | | 8 | 3 | 2 | | |
| | 2 | | 4 | | | | | 8 |
| 3 | 8 | | 5 | 2 | 6 | 1 | | |
| | 7 | | | | | | 9 | 5 |
| 9 | | 3 | 6 | | 8 | 7 | | 4 |
| 2 | 6 | | | | | | 1 | |
| | | 5 | 2 | 7 | 1 | | 8 | 6 |
| 6 | | | | | 4 | | 7 | |
| | | 8 | 9 | 6 | | 4 | | 2 |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकू नवताल - 6306 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 2 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 4 |
| 4 | 6 | 1 | 8 | 9 | 2 | 3 | 7 | 5 |
| 3 | 7 | 9 | 1 | 5 | 4 | 6 | 8 | 2 |
| 1 | 3 | 7 | 4 | 2 | 9 | 5 | 6 | 8 |
| 6 | 5 | 2 | 7 | 1 | 8 | 4 | 9 | 3 |
| 9 | 8 | 4 | 6 | 3 | 5 | 1 | 2 | 7 |
| 2 | 4 | 6 | 9 | 8 | 3 | 7 | 5 | 1 |
| 5 | 1 | 3 | 2 | 7 | 6 | 8 | 4 | 9 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 4 | 1 | 2 | 3 | 6 |

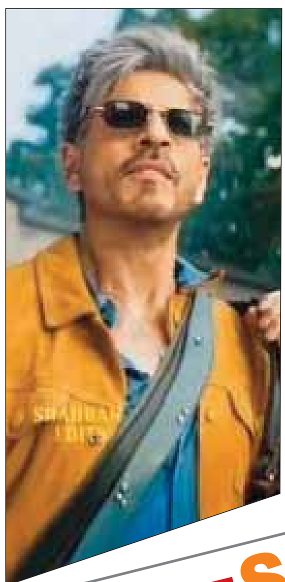

## किंग की रिलीज अफवाहों पर विराम 24 दिसंबर को होगा बड़ा धमाका

**नई दिल्ली।** बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की मच अवेटेड फिल्म 'किंग' को लेकर चल रही रिलीज टलने की खबरों पर अब पूरी तरह विराम लगता नजर आ रहा है। कुछ समय पहले रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि शाहरुख खान की चोट और दीपिका पादुकोण की प्रेग्नेंसी के चलते फिल्म की शूटिंग प्रभावित हो सकती है और यह क्रिसमस 2026 रिलीज के लिए समय पर तैयार नहीं हो पाएगी। मेकर्स फिल्म को तय समय पर रिलीज करने की तैयारी में जुटे हुए हैं और खबर है कि यह फिल्म 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार रहेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म का ज्यादातर काम पूरा हो चुका है और अब सिर्फ एक आखिरी इंटरनेशनल शेड्यूल बाकी बताया जा रहा है। मेकर्स फिलहाल इस अंतिम शूटिंग शेड्यूल के लिए लोकेशन को फाइनल करने में लगे हुए हैं।

लाइफ Style

# राखी

## स्वीटी के बाद अब बनीं चुड़ैल

एजेंसी ⏭ मुंबई

कई कलाकारों का कहना है कि कॉमेडी करना काफी मुश्किल काम है। हालांकि, हम पांच और देख भाई देख धारावाहिकों की अभिनेत्री राखी विजन अपने लिए कॉमेडी ही सबसे सहज मानती हैं। राखी इन दिनों सोनी सब पर प्रसारित होने वाले धारावाहिक 'चुड़ैल चली ससुराल' में कामिनी की भूमिका निभा रही हैं। अपने धारावाहिक और पात्र के बारे में राखी कहती हैं, इसमें मैं सीबीआई यानी कि चुड़ैल ब्लड ऑफ इंडिया की अध्यक्ष हूं।

मैंने बचपन में एक भोली भाली, मासूम लड़की स्वीटी की भूमिका निभाई थी। तब लोगों ने कहा था कि वाह क्या कमाल का काम किया है, तुम्हारे लिए तो यह एकदम परफेक्ट रोल है। अब उम्र के आधे पड़ाव पर चुड़ैल की भूमिका निभा रही हूं तो अब भी लोग कह रहे हैं कि कमाल का काम है, यह रोल तुम्हारे लिए परफेक्ट है। हमारा शो पूरी तरह हॉरर नहीं है, बल्कि इसमें कॉमेडी के साथ थोड़ा हॉरर है। अब अदृश्य शक्तियों में पूरी दुनिया विश्वास कर रही है तो मैं क्यों न रखूं। मेरा मानना है कि यह सब चीजें कहीं न कहीं होती हैं, तभी तो लोग ऐसी कहानियां बनाते हैं और दर्शक इन पर विश्वास भी करते हैं। व्यावहारिक तौर पर तो मैं स्वयं इन चीजों पर विश्वास नहीं करना चाहती हूं, लेकिन फिर वक्त आने पर इन पर भरोसा भी करने लगती हूं। टीवी हो या फिल्में लगातार कॉमेडी भूमिकाएं कर रहीं राखी का कहना है, 'मैं तो बचपन से कॉमेडी ही करती आ रही हूं। मेरे लिए रोना बहुत मुश्किल है। जब मैं रोती हूं तो मुझे देखकर निर्देशक बोलते हैं, चल झूठी। कितना बकवास कर रही है, तुम्हारी एक्टिंग दिख रही है, जबकि मेरे लिए कॉमेडी बहुत आसान है। मुझसे आसानी से रोया नहीं जाता है। इसके साथ ही मुझसे गरीब अबला नारी वाले रोल भी नहीं हो पाते हैं। मेरे पास ऐसे ऑफर ज्यादा आते भी नहीं हैं।'

## हॉलीवुड मसाला

### कॉमिक कॉन में एबेनेजर का ट्रेलर रिलीज

**लॉस एंजिल्स।** हॉलीवुड एक्टर जॉनी डेप सिनेमा हॉल में अपनी धमाकेदार एंट्री के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी फिल्म एबेनेजर का ट्रेलर मेकर्स द्वारा जारी कर दिया गया है। हाल ही में सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में यह खबर जॉनी ने खुद अपने फैंस के साथ शेयर की। एक्टर जॉनी डेप एक लंबे ब्रेक के बाद फिर पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। फिल्म एबेनेजर में वह एबेनेजर स्क्रूज नाम के मुख्य किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में उनका किरदार काफी डार्क और अकेला रहेगा। फिल्म चार्ल्स डिकेंस की क्लासिक बुक 'अ क्रिसमस कैरल' पर आधारित है। मगर फिल्म में इसका ज्यादा डार्क वर्जन प्रस्तुत किया जाएगा। फिल्म एबेनेजर के ट्रेलर के अनुसार डेप के किरदार एबेनेजर स्क्रूज का सामना भूतों से होता है।

### सिनेमाघरों में री-रिलीज होंगी हैरी पॉटर की सभी फिल्में

**लॉस एंजिल्स।** लोकप्रिय सीरीज 'हैरी पॉटर' की फिल्मों को देखते हुए एक पूरी पीढ़ी बड़ी हुई है। इससे दर्शकों का अलग जुड़ाव है। पहली फिल्म 2001 में आई थी और इस बात को इस साल 25 वर्ष हो रहे हैं। फिल्म के सिल्वर जुबली वर्ष को खास बनाने के लिए 'हैरी पॉटर' की आठों फिल्मों को फिर से रिलीज किया जा रहा है। 'हैरी पॉटर' का जादू सिनेमाघरों में फिर लौटने वाला है। दर्शक एक बार फिर बड़े पर्दे पर इन फिल्मों का लुत्फ उठा सकेंगे। हैरी पॉटर की सभी आठ फिल्में फिर से रिलीज जो हो रही हैं। इस साल 27 अगस्त से 3 सितंबर तक ये फिल्में बड़े परदे पर आ रही हैं। 'हैरी पॉटर' के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसके मुताबिक फिल्मों को वर्ल्डवाइड री-रिलीज किया जा रहा है। इसके लिए टिकट 31 जुलाई से मिलने लगेंगे। इन फिल्मों का फिर से रिलीज किया जाना दर्शकों के लिए एक खास पल होगा और वे फिर से पुरानी यादों में लौट सकेंगे। यह फिल्म कनाडा, अमेरिका व अन्य देशों के अलावा भारत में भी रिलीज होने जा रही हैं।

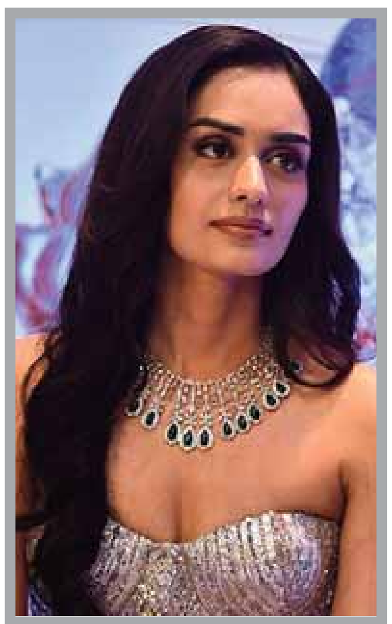

## मुझे भी दो बार देनी पड़ी थी नीट परीक्षा

**नई दिल्ली।** नीट पेपर लीक मामले के खिलाफ जारी स्टूडेंट्स के विरोध प्रदर्शन को अब एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर का भी सपोर्ट मिला है। उन्होंने इसे लेकर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। इस दौरान उन्होंने ये खुलासा भी किया कि वो खुद भी नीट पेपर लीक का दर्द झेल चुकी है और इसके चलते उन्हें दो बार परीक्षा देनी पड़ी थी। बता दें कि साल 2015 में भी नीट एग्जाम का पेपर लीक हो गया था। उस वक्त एक्ट्रेस ने इस मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम में दो बार हिस्सा लिया था। उन्होंने साफ़-साफ ये बात कही है कि इस अन्यायपूर्ण दुनिया में बराबरी लाने का एक मात्र जरिया एजुकेशन ही है। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'एजुकेशन इस अन्यायपूर्ण दुनिया में बराबरी लाने वाला सबसे बड़ा जरिया है। कभी भी हमारे संस्थानों को सुधार की मांग को नकारना नहीं चाहिए. संस्थानों के सुनने, सीखने और सुधार करने से लोकतंत्र मजबूत होता है।

## बेटी राहा को रामायण दिखाने के लिए एक्साइटेड

**मुंबई।** रणबीर कपूर की फिल्म रामायण को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। इस फिल्म में रणबीर ने राम का किरदार निभाया है। रणबीर इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं ,क्योंकि इसमें ना तो वह सिर्फ राम और पुरुषोत्तम राम का किरदार निभा रहे हैं, बल्कि एक और वजह भी है। दरअसल, यह पहली फिल्म होगी जिसे उनकी बेटी राहा कपूर देखने वाली हैं। दरअसल, एक फैन ने रणबीर से बात करते हुए कहा कि वह इस फिल्म को बच्चे को दिखाएंगे क्योंकि इसमें भारतीय कल्चर को दिखाया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक्टर फिर बोलते हैं, मैं भी काफी एक्साइटेड हूं अपनी बेटी को फिल्म दिखाने के लिए। यह उनकी पहली फिल्म होगी बड़े पर्दे पर। वहीं, हाल ही में खबर आई है कि रामायण का ट्रेलर लॉन्च पोस्टपोन हो गया है।

## टीवी मसाला

### यादों की प्लेलिस्ट की थीम पर इंडियन आइडल 16 का ग्रैंड फिनाले कल

**नई दिल्ली।** टीवी का सबसे पॉपुलर और पसंदीदा रियलिटी शो 'इंडियन आइडल सीजन 16' अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। 26 जुलाई को शो का ग्रैंड फिनाले होगा, जिसका थीम 'यादों की प्लेलिस्ट' रखा गया है। आखिरी दिन शो के 6 फाइनलिस्ट अपने परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीतेंगे और उस दिन पता चलेगा कि कौन इस सीजन का ट्रॉफी अपने नाम करेगा। कई लोग अपने फेवरेट कंटेस्टेंट के लिए वोट कर रहे है और उनके जीत की कामना कर रहे हैं। शो में विशाल ददलानी, श्रेया घोषाल और बादशाह जज के रूप में नजर आए और आदित्य नारायण ने हमेशा की तरह होस्टिंग की जिम्मेदारी संभाली। वहीं, इस सीजन के 6 फाइनलिस्ट में अंशिका चोंकर, ज्योतिर्मयी नायक, मनराज वीर सिंह, माइसम्मे बोसु, सुहैल सूफी और तनिष्क शुक्ला हैं। पूरे सीजन में उन्होंने अपने गानों से हर श्रोताओं को दीवाना बनाया और यहां तक अपना सफर तय किया। बता दें कि इस बार ग्रैंड फिनाले में श्रेया घोषाल और बादशाह के साथ उषा उत्थुप, उदित नारायण, पापोन, कुमार सानू, शहनाज गिल और उर्मिला मातोंडकर भी खास मेहमान बनकर इस शाम को यादगार बनायेंगे और कई किस्से कहानियों से इसमें रंग भरेंगे। हालांकि विशाल ददलानी इसका इसका हिस्सा नहीं बनेंगे। फिर भी उन्होंने कंटेस्टेंट्स का हौसला बढ़ाया और कहा, 'इस सीजन को शानदार टैलेंट मिला है और मुझे खुशी है कि हमारे टॉप 6 फाइनलिस्ट अपनी मेहनत से यहां पहुंचे हैं।

### करण- तेजस्वी का अंडरवॉटर रोमांस

**नई दिल्ली।** करण कुंद्रा ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक नया व्लॉग पोस्ट किया है। इस व्लॉग में करण कुंद्रा तेजस्वी प्रकाश को पानी के नीचे प्रपोज करते नजर आए। फैंस इस प्रपोजल को देख बोले कि ये दोनों एक दूसरे के लिए ही बने हैं।

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश टीवी के सबसे क्यूट कपल माने जाते हैं। फैंस बेसब्री से इस कपल की शादी का इंतजार कर रहे हैं। अब करण कुंद्रा ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक व्लॉग पोस्ट किया है। इस व्लॉग में करण कुंद्रा अपनी गर्लफ्रेंड तेजस्वी प्रकाश को पानी के नीचे प्रपोज करते नजर आ रहे हैं। फैंस ने दोनों के इस प्रपोजल पर खूब प्यार लुटाया है। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश छुट्टियां मनाने मॉरिशस गए थे। इसका ट्रेवल ब्लॉग करण कुंद्रा ने अपने यूट्यूब पर शेयर किया है। मॉरिशस में करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश ने स्कूबा डाइविंग की। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश ने स्कूबा डाइविंग के दौरान पानी के नीचे की दुनिया का वीडियो अपने व्लॉग में शेयर किया। वीडियो में दिखाई पड़ता है कि तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा पहले तो हाथों से दिल बनाते हैं।

## सैयारा के बाद अहान की नई उड़ान, शारवरी भी आएंगी नजर

**नई दिल्ली।** ब्लॉकबस्टर फिल्म सैयारा की ऐतिहासिक सफलता के बाद बॉलीवुड के नए ओवरनाइट सेंसेशन अहान पांडे एक बार फिर पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। सैयारा के बाद वह अगली बड़ी फिल्म यशराज फिल्म्स के बैनर तले कर रहे हैं। अनटाइटल्ड फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर कर रहे हैं। फिल्म रोमांटिक-एक्शन ड्रामा की जिसकी रिलीज डेट लॉक कर दी गई है। फिल्ममेकर आदित्य चोपड़ा और निर्देशक अली अब्बास जफर ने इस अनटाइटल्ड फिल्म की थिएट्रीकल रिलीज डेट अगले साल के लिए लॉक की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की रिलीज डेट 26 मार्च 2027 की तय की है। 26 मार्च को गुड फ्राइडे है। फिल्म में अहान पांडे के साथ शारवरी वाघ के रूप में नजर आएंगी। वहीं, दिग्गज एक्टर बॉबी देओल और अनुराग कश्यप की फिल्म निशांची से तारीफें बटोरने वाले ऐश्वर्य ठाकरे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे विलेन का किरदार निभा रहे हैं, जहां अहान और उनके बीच एक जबरदस्त एक्शन फाइट सीक्वेंस देखने को मिलेगा। आपको बता दें कि यह फिल्म अहान पांडे और ऐश्वर्य ठाकरे , दोनों के कॅरियर की दूसरी फिल्म होगी। अहान ने सैयारा से जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी, जबकि शरवरी ने बंटी और बबली 2 से डेब्यू करने के बाद मुंज्या, महाराज, वेदा और अल्फा जैसी फिल्मों में अपनी पहचान बनाई।

गीता दत्त की नशीली आवाज में हुआ हमेशा - हमेशा के लिए अमर

## 72 साल पहले विदेश से चुराया गया था ये कल्ट गाना

नई दिल्ली। बॉलीवुड पर अक्सर गाने या उनकी धुनों को कॉपी करने का आरोप लगता रहा है। आर.डी. बर्मन से लेकर अनु मलिक तक कई बड़े संगीतकारों पर विदेशी धुनों को बिना क्रेडिट दिए कॉपी करने के आरोप लगे। इसके बाद पुराने गानों के रीमेक बनाने का ट्रेंड चला। कई बार ये नए ट्रेक्स पसंद भी किए गए, हालांकि कुछ लोगों को शिकायत रही कि इससे ओरिजिनलिटी खत्म हो रही है। आज आपको 1954 के एक ऐसे ही कल्ट गाने के बारे में बताएंगे जिसे क्यूबा के एक गाने से कॉपी किया गया था। हम बात कर रहे हैं फिल्म आर पार के गाने बाबूजी धीरे चलना की। इस गाने को गीता दत्त ने अपनी आवाज से सजाया था और मजरूह सुल्तानपुरी ने इसके बोल लिखे थे। इस गाने को क्यूबा के प्रसिद्ध गाने क्यूजस, क्यूजस, क्यूजस से कॉपी किया गया था। ओ पी नैय्यर ने इसे भारतीय संगीत में ढाला था। क्यूजस, क्यूजस, क्यू को 1947 में ओस्वाल्डो फैरेस ने कंपोज किया था। इस गाने को अभिनेत्री शकीला पर फिल्माया गया है। 'आर-पार'को गुरु दत्त ने डायरेक्ट किया था। ये एक क्लासिक रोमांटिक-कॉमेडी और क्राइम थ्रिलर फिल्म है। इसकी कहानी एक टैक्सी ड्राइवर कालू और उसकी प्रेमिका निक्की के इर्द-गिर्द घूमती है। जब ये गाना रिलीज हुआ तो इसकी लोकप्रियता इतनी थी कि हर गली-मोहल्ले में उस दौरान बस यही धुन सुनने को मिलती थी। शायद यही वजह रही कि रिलीज के बाद ये जबरदस्त हिट साबित हुआ। गीता दत्त ने अपनी नशीली आवाज में इसे हमेशा-हमेशा के लिए हिट बना दिया।

## वर्ल्ड लेवल खजाने की मालिक बनी धमाल 4 की मंडली

**नई दिल्ली।** अभिनेता अजय देवगन की लेटेस्ट फिल्म धमाल 4 की रिलीज को जल्द ही दूसरा सप्ताह पूरा हो जाएगा। इतना समय बीतने का बाद भी धमाल 4 कमाई के मामले में ना तो भारतीय बॉक्स ऑफिस पर हार मान रही है और ना ही वर्ल्ड लेवल पर इसका ग्राफ नीचे आ रहा है। जिस तरह से फिल्म धमाल 4 में दिखाया गया है कि कलाकारों की पूरी मंडली एक पुराने खजाने की तलाश में लगी हुई है, ठीक उसी तरह से दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धमाल 4 पर जो नोटों की बारिश हो रही है, उससे कहीं न कहीं मेकर्स के हाथ खजाना लगा और वे मालामाल हो रहे हैं। अजय देवगन की इस कॉमेडी मूवी ने दूसरे बुधवार को पूरी दुनिया में करीब 4 करोड़ का कारोबार किया है। इसके साथ ही अब धमाल 4 का टोटल ग्लोबली कलेक्शन 183 करोड़ हो गया है। जबकि ओवरसीज के मामले में ये हिंदी फिल्म अब तक 23 करोड़ से अधिक का बिजनेस कर चुकी है। जिस तरह से फिलहाल धमाल 4 की कमाई वर्ल्ड लेवल पर चल रही है, उससे ये अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है कि जल्द ही ये मूवी ग्लोबली 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो धमाल 4 इस साल की एक और ऐसी बॉलीवुड फिल्म बन सकती है, जो वर्ल्डवाइड 200 करोड़ के कलेक्शन के कल्ब में एंट्री लेगी। इससे पहले बॉर्डर 2, धुरंधर 2 और भूत बंगला ये कारनामा कर चुकी हैं।

### शोले से पहले मचाया था बवाल, 1974 में हुई थी रिलीज

# 65 हफ्तों तक थिएटर से नहीं उतरी थी मनोज कुमार की ये फिल्म

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर्स में शुमार मनोज कुमार ने अपने कॅरियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी थीं। एक एक्टर के अलावा उन्होंने फैंस का दिल बतौर डायरेक्टर भी जीता था। 'भारत कुमार' के नाम से भी मशहूर हुए मनोज कुमार ने अपने कॅरियर में कई फिल्में बनाई थीं। उनकी एक फिल्म तो ऐसी भी रही है जो सिनेमाघरों से 65 हफ्तों तक नहीं उतरी थी।

### पाकिस्तान में हुआ था जन्म

मनोज कुमार जीवित का जन्म पाकिस्तान के एबटाबाद में 24 जुलाई 1937 को हुआ था। मनोज कुमार का असली नाम हरिकृष्ण गोस्वामी था। हालांकि, फिल्मी दुनिया में आने के बाद उन्होंने अपना नाम बदल लिया था। यहां मनोज कुमार की जिस फिल्म की बात की जा रही है वो जीवन की तीन सबसे अहम और मूलभूत चीजों पर बेस्ड है। इस फिल्म का नाम है 'रोटी, कपड़ा और मकान'। ये फिल्म 'शोले' जैसी आइकॉनिक फिल्म से एक साल पहले यानी साल 1974 में रिलीज हुई थी और दर्शकों के दिलों में हमेशा-हमेशा के लिए समा गई थी।

### निभाई थीं कई जिम्मेदारियां

रोटी कपड़ा और मकान में मनोज कुमार के साथ अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, मौसमी चटर्जी और जीनत अमान जैसे दिग्गज कलाकार भी नजर आए थे। गौरतलब है कि मनोज ने ना सिर्फ इसमें अहम किरदार निभाया था, बल्कि इसके डायरेक्शन की कमान भी संभाली थी, जबकि इसके प्रोड्यूसर भी वो ही थे और कहानी भी उन्होंने ही लिखी थी।

### थिएटर्स में चला जलवा

अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स में इस 52 साल पुरानी फिल्म को लेकर दावा किया जाता रहा है कि ये फिल्म 65 हफ्तों तक थिएटर्स में अपना जादू बिखेरनेमे कामयाब रही थी और बहुत बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक़ 1.3 से 2 करोड़ रुपए के बीच के बजट में बनी 'रोटी कपड़ा और मकान' ने दुनियाभर में 10.4 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। ये साल 1974 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी बनी थी।

# राष्ट्रमंडल खेल : 50 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में पहुंचे श्रीहरि नटराज

एजेंसी ▶▶ ग्लास्गो

भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में संयुक्त 14वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। दो बार के ओलंपियन और कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके नटराज ने 25.52 सेकंड का समय निकाला।

उन्होंने बरमूडा के जैक हार्वे के साथ संयुक्त 14वां स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल के लिए हीट से शीर्ष-16 तैराकों का चयन किया गया। नटराज अपनी आठ खिलाड़ियों वाली हीट में पांचवें स्थान पर रहे। पैरा तैराकी में भारत के आरवीवीबीके बुडिगिना और इमाम अली ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 वर्ग के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

हीट में हिस्सा लेने वाले सभी आठ तैराक फाइनल में पहुंचे। बुडिगिना ने 57.10 सेकंड के समय के साथ हीट में तीसरा स्थान हासिल किया जबकि इमाम अली 1:05.32 सेकंड के समय के साथ आठवें स्थान पर रहे। एस13 वर्ग दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए निर्धारित पैरा तैराकी श्रेणी है।

# जूडो टीम में उथल-पुथल, अरुण के बाद तूलिका मान बाहर

## ठिकाने की जानकारी देने में नाकाम रहने के बाद तूलिका निलंबित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की रजत पदक विजेता जूडोका तूलिका मान को पिछले 12 महीनों में तीन बार रहने के स्थान की जानकारी देने में नाकाम रहने के कारण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है, जिससे उन्हें ग्लास्गो में चल रहे राष्ट्रमंडल खेलों से भारतीय टीम से हटा दिया गया है। तूलिका (27 वर्ष) ने 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 78 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में रजत पदक जीता था और इस बार भी वह पदक की प्रबल दावेदार थीं। अब उन पर दो साल के प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है।

### देश की सबसे सफल जूडो खिलाड़ियों में से एक तूलिका

तूलिका देश की सबसे सफल जूडो खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, जहां उनका अभियान राउंड ऑफ 32 में समाप्त हो गया था। उन्होंने 2022 और 2024 विश्व जूडो चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया था। भारतीय जूडो टीम अभी तक राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रवाना नहीं हुई है क्योंकि उनकी प्रतियोगिताएं 31 जुलाई से शुरू होंगी। टीम के जूडो खिलाड़ियों को 27 जुलाई को रवाना होना है।

### राष्ट्रमंडल खेलों से हटाई जाने वाली दूसरी जूडो खिलाड़ी

एक जूडो कोच ने कहा, 'वह 12 महीनों के भीतर तीन बार रहने के स्थान की जानकारी देने में नाकाम रहीं और नाडा ने उन्हें नोटिस भेजा है। इसलिए उन्हें टीम से बाहर किया जाएगा।' इस तरह दिल्ली की यह खिलाड़ी ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों से हटाई जाने वाली दूसरी जूडोका बन गईं। गुरुवार को एक अन्य भारतीय जूडोका अरुण कुमार (73 किग्रा से कम वजन वर्ग में) को भी हटा दिया गया क्योंकि वह प्रतियोगिता से बाहर की गई डोप जांच में विफल पाए गए। नाडा ने उनके शरीर में एनाबॉलिक स्टेरॉयड पाए जाने के बाद उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया।

## खबर संक्षेप

### फिडे के अंतरिम अध्यक्ष बने आनंद

**नई दिल्ली।** पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने विश्व शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे के अंतरिम अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया है, क्योंकि इसके प्रमुख अर्काडी ड्वोरकोविच को यूरोपीय संघ ने प्रतिबंधित व्यक्तियों की सूची में शामिल कर दिया था, जिसके बाद उन्होंने प्रतिबंध हटने तक अपना पद छोड़ दिया है। यूरोपीय संघ ने यह प्रतिबंध रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के संदर्भ में लगाया है। आनंद 2022 से फिडे के उपाध्यक्ष हैं। फिडे ने कहा, 'अर्काडी ड्वोरकोविच के फिडे अध्यक्ष के रूप में अपने अधिकारों, कर्तव्यों और विशेषाधिकारों से हटने के फैसले को फिडे परिषद स्वीकार करती है।' बयान में कहा गया है, 'फिडे चार्टर के अनुच्छेद 19.2 के अनुसार जब तक ड्वोरकोविच पर प्रतिबंध लगा रहता है तब तक फिडे के उपाध्यक्ष विश्वनाथन आनंद अंतरिम अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।' इस बीच ड्वोरकोविच ने कहा कि यूरोपीय संघ का फैसला अनुचित है।

### ऑस्ट्रेलिया कर रहा भारत में एशेज टेस्ट कराने की तैयारी

**मेलबर्न।** इस साल के आखिर में चेन्नई में बिग बैश लीग कराने के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया भविष्य में भारत में एशेज टेस्ट भी कराने की सोच रहा है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने फिलहाल किसी योजना से इनकार किया। आस्ट्रेलिया दिसंबर में चेन्नई में बिग बैश लीग के पहले मैच की मेजबानी करेगा। ग्रीनबर्ग ने कहा,' इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड और बीसीसीआई से हमारे रिश्ते मजबूत हैं। साफ तौर पर भारत में कुछ और क्षेत्रों में और कंटेंट लाने की जरूरत है।' उन्होंने कहा,' फिलहाल तो कोई योजना नहीं है लेकिन इस पर विचार किया जा सकता है। भारत, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच टेस्ट अभी भी काफी मजबूत है। हम इसे और मजबूत बनाने की कोशिश करते रहेंगे।'

### एफएमएससीआई को मिला राष्ट्रीय खेल महासंघ का दर्जा

**नई दिल्ली।** खेल मंत्रालय ने फेडरेशन ऑफ मोटर स्पोर्ट्स क्लब्स ऑफ इंडिया (एफएमएससीआई) को राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के रूप में अस्थायी रूप से मान्यता दे दी है और भारत में फॉर्मूला वन रेस वापिस लाने के लिए सरकार के साथ काम कर रही संस्था के लिए यह बड़ा कदम है। सरकार भारत में फॉर्मूला वन की वापसी के लिए प्रयासरत है और इसे देखते हुए यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे दोनों निकायों के बीच बेहतर समन्वय को बढ़ावा मिलेगा। एफएमएससीआई को इस साल 11 जून को मान्यता के लिए आवेदन किया था।

## जिम्बाब्वे के खिलाफ आज शाम 4.30 बजे से मुकाबला

# दूसरे टी20 में अजेय बढ़त पर भारत की नजर

एजेंसी ▶▶ हरारे

कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में अपनी पहली जीत से वापसी की राह पर अग्रसर भारत शनिवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी जीत की लय बरकरार रखने की कोशिश करते हुए जिम्बाब्वे के खिलाफ अजेय बढ़त हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध होगा। आयरलैंड (0-2) और इंग्लैंड (0-4) से हारने के बाद तीन बार के टी20 विश्व कप विजेता भारत ने गुरुवार को 3 मैच की श्रृंखला के पहले मैच में हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जिम्बाब्वे ने हाल में अपने घरेलू मैदानों पर अच्छा प्रदर्शन किया था। भारत ने सूर्यवंशी के अर्धशतक, इशान किशन के 35 रन और कप्तान अय्यर की 28 रन की नाबाद पारी की बदौलत 6 ओवर और 7 विकेट शेष रहते हुए 126 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर दिया।

### सीरीज के कोच लक्ष्मण ने बिठाया तालमेल

वीवीएस लक्ष्मण इस श्रृंखला में मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। भारत ने परिस्थितियों से अच्छी तरह से तालमेल बिठाया। तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन किया और 29 रन देकर 2 विकेट लिए। अशोक शर्मा ने भी अपनी गति से प्रभावित किया लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। लेकिन सबसे बड़ी उपलब्धि दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मयंक की शीर्ष स्तरीय क्रिकेट में सफल वापसी थी, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद चोटिल के कारण लगभग दो साल मैदान से बाहर रहे। पहले मैच में मयंक की गति और नियंत्रण दोनों ही बेहतरीन थे, जिसमें जिम्बाब्वे के प्रमुख बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को बाहर की तरफ स्विंग लेने वाली गेंद पर आउट करना महत्वपूर्ण था।

### पहले मैच में नहीं चल पाए अभिषेक

दो साल पहले हरारे स्पोर्ट्स क्लब में अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करते हुए अपने दूसरे ही मैच में ही शतक बनाने वाले अभिषेक शर्मा पहले मैच में नहीं चल पाए थे और वह उसकी भरपाई करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। सूर्यवंशी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अर्धशतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड बनाया। इस युवा बल्लेबाज को इससे काफी राहत मिली होगी, क्योंकि इंग्लैंड दौरे पर उन्हें विशेष रूप से शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया जा रहा था। भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से ज्यादा युवा तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामूहिक प्रयास से खुश होगा।

### जिम्बाब्वे के बल्लेबाज रहे नाकाम

जिम्बाब्वे को पावरप्ले में जरूरत से ज्यादा विकेट गंवाने का अफसोस रहेगा। उसके बल्लेबाज भारतीय तेज गेंदबाजों का सामना करने में नाकाम रहे और भारत के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य नहीं रख पाए। इस श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मैच रविवार को खेला जाएगा। मैच का समयः शाम 4:30 बजे

## विश्व जूनियर स्क्वाश

# अनाहत की लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶ ओंटारियो

उभरती खिलाड़ी और शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने अपने धैर्य और कौशल का शानदार नमूना पेश करते हुए 4 गेम तक चले मैच में जीत दर्ज करके विश्व जूनियर स्क्वाश व्यक्तिगत चैंपियनशिप के महिला एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। महिला रैंकिंग में विश्व की 20वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने क्वार्टरफाइनल में मिस्र की हबीबा रिज्क को 11-7, 11-5, 6-11, 11-9 से हराया।

इस प्रतियोगिता में पिछले साल कांस्य पदक जीतने वाली अनाहत इस तरह से विश्व जूनियर चैंपियनशिप में लगातार दो बार सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। दिल्ली की रहने वाली यह खिलाड़ी खिताब जीतने की प्रबल दावेदार बनी हुई है। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला मिस्र की बार्बे समेह से होगा।

## उपलब्धि

# टी20 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने बटलर

क्रिस गेल का तोड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंग्लैंड के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर टी20 क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। बटलर ने इस मामले में वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया है। बटलर ने यह मुकाम द हंड्रेड टूर्नामेंट में हासिल किया। उन्होंने मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की तरफ से खेलते हुए लंदन स्पिरिट के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 11 गेंदों में 16 रनों की पारी खेलने के साथ ही यह मुकाम हासिल किया।

### बटलर के नाम अब टी20 क्रिकेट में 14,572 रन दर्ज

*बटलर के नाम अब टी20 क्रिकेट में 14,572 रन दर्ज हो गए हैं। बटलर क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 9 शतक और 102 अर्धशतक लगा चुके हैं। उन्होंने 16 रन बनाने के साथ ही क्रिस गेल को पीछे छोड़ा। गेल ने टी20 क्रिकेट में खेली 455 पारियों में 14,562 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 22 शतक और 88 अर्धशतक निकले हैं। टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड कीरोन पोलार्ड के नाम है, जिन्होंने 663 पारियों में 14,803 रन बनाए हैं। पोलार्ड ने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 2 शतक और 70 अर्धशतक लगाए हैं।*

# पाकिस्तान के खिलाफ जोसेफ ने किया खेलने से मना

एजेंसी ▶▶ तारोबा

वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने बताया है कि तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ ने पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज में खेलने से इनकार कर दिया। सीरीज के लिए टीम की घोषणा करते हुए क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा था कि जोसेफ निजी कारणों से उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन सैमी ने इस बारे में और जानकारी दी। सैमी ने कहा, 'हमारे लिए यह एक बड़ा नुकसान है। जोसेफ ने टीम में चुने जाने से इनकार कर दिया है। यही सच है।' कोच ने कहा, 'उन्हें चुना गया था। मेरा मतलब है, वह चोट से वापसी कर रहे हैं। और उसके बाद कुछ कारणों से उन्होंने चयन से इनकार कर दिया। यह फैसला मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है। मैं इसे निदेशकों पर छोड़ता हूं कि वे इसका कोई समाधान निकालें कि अनुबंधित खिलाड़ी चुने जाने से इनकार करते हैं तो क्या होगा।

# ओटामेंडी ने किया इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अर्जेंटीना के स्टार डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह गर्व के साथ फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। 38 वर्षीय डिफेंडर के अनुसार, उन्होंने नेशनल टीम की जर्सी पहनते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। इस अनुभवी सेंटर-बैक खिलाड़ी ने 17 साल से ज्यादा समय तक अर्जेंटीना की ओर से खेलने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा की है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 मैच खेले और फीफा वर्ल्ड कप तथा दो कोपा अमेरिका खिताब जीते।

उन्होंने अपने विदाई संदेश को अपने करियर का सबसे मुश्किल पल बताया। अर्जेंटीना की 'गोल्डन जेनरेशन' के अहम खिलाड़ी ओटामेंडी ने चार फीफा वर्ल्ड कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और देश के सबसे सफल डिफेंडरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। ओटामेंडी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, आज मुझे अपने पूरे करियर के सबसे मुश्किल शब्द लिखने पड़ रहे हैं। मैंने बहुत कम उम्र से ही अर्जेंटीना की नेशनल टीम की जर्सी पहनने का सपना देखा था। यह फुटबॉल से मिला मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। मैंने पूरी शिद्दत, गर्व और इस जिम्मेदारी के एहसास के साथ इसका बचाव किया कि लाखों अर्जेंटीना वासियों के लिए इसका क्या मतलब है।

## एशियन गेम्स के लिए क्रिकेट का शेड्यूल जारी

# सीधे नॉकआउट खेलेंगे भारत और पाकिस्तान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मौजूदा चैंपियन भारत और पाकिस्तान की पुरुष और महिला क्रिकेट टीम को जापान में होने वाले एशियाई खेलों में सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गई है।

भारतीय महिला टीम जापान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि पुरुष टीम का मुकाबला प्रारंभिक चरण के मैच के बाद तय होगा। सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम का सामना बांग्लादेश या चीन में से किसी एक टीम से होगा। भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना कर सकती है।

### टी20 प्रारूप में होंगे मैच

एशियाई खेलों में पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर को शुरू होगी और उसका फाइनल मैच 1 अक्टूबर को खेला जाएगा। महिलाओं की प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक होगी। भारतीय महिला टीम फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ सकती है। पुरुषों की प्रतियोगिता में 10 टीमें भाग ले रही हैं। प्रारंभिक चरण में ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल तथा ग्रुप बी में हांगकांग, चीन, मलेशिया और ओमान शामिल होंगे। दोनों प्रतियोगिताएं आइची प्रांत के कोरोजी एथलेटिक पार्क में टी20 प्रारुप में खेली जाएंगी।

### अय्यर और हरमनप्रीत करेंगे कप्तानी

*श्रेयस अय्यर भारतीय पुरुष टीम की, जबकि हरमनप्रीत कौर भारतीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। क्रिकेट चौथी बार एशियाई खेलों के कार्यक्रम का हिस्सा है। इससे पहले यह 2010 में ग्वांगझू, 2014 में इंचियोन और 2023 में हांगझोऊ खेलों का हिस्सा था।*

### भारत ने 2023 में जीता था गोल्ड

*भारत ने 2023 के एशियाड में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए गोल्ड मेडल जीता था। पुरुषों का फाइनल बारिश की वजह से रद्द हो गया था। अफगानिस्तान के मुकाबले भारत की बेहतर रैंकिंग के कारण गोल्ड मेडल मिला। महिलाओं के इवेंट में भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 19 रन से हराया था।*

जिला अदालत का ऐतिहासिक फैसला

# पत्नी और मासूम सौतेली बेटी के हत्यारे को फांसी

## कोर्ट ने कहा - यह क्रूरता की सारी हदें पार करने वाला कत्ल है

**जबलपुर।** प्यार, भरोसा, धर्म परिवर्तन... और फिर एक रात अचानक वही इंसान यमराज बनकर सामने खड़ा हो गया! जबलपुर के बरगी थाना क्षेत्र में हुए एक ऐसे ही दिल दहला देने वाले दोहरे हत्याकांड में कानून का चाबुक चला है। अपर सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार यादव की अदालत ने पारिवारिक विवाद में अपनी पत्नी और 17 साल की बेकसूर सौतेली बेटी को बका से काटकर मौत के घाट उतारने वाले दरिंदे रामजी भूमिया को फांसी (मृत्युदंड) की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इस खूनी वारदात को इंसानियत पर कलंक और दुर्लभ से दुर्लभतम अपराध करार दिया है।

### धर्म बदला... फिर भी मिला धोखा और मौत

अभियोजन के अनुसार, इस दर्दनाक दास्तान की शुरुआत उम्मीदों और भरोसे से हुई थी। मृतका राधा उर्फ अंजुम बानो ने अपने पुराने अतीत, समाज और धर्म की सीमाओं को त्यागकर रामजी भूमिया पर भरोसा किया था। वह अपने दो मासूम बच्चों के साथ सुकून और सुरक्षा की आस में रामजी के जीवन में आई। लेकिन रामजी के मन में बैठा हैवान कुछ ही समय में बाहर आ गया। शादी के कुछ समय बाद ही शांति का वादा कलह और मारपीट में बदल गया। जिस पति की बाहों में राधा

ने हिफाजत की उम्मीद की थी, वही उसकी जान का दुश्मन बन बैठा।

### मां को बचाने आई बेटी पर भी नहीं आया तरस

बरगी के बसंत नगर कलारी के पास 6 जून 2025 की रात 9:30 बजे सनक और हैवानियत का नंगा नाच शुरू हुआ। मामूली विवाद के बाद रामजी भूमिया ने धारदार बका निकाला और अपनी पत्नी राधा पर ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। खून से लथपथ मां को तड़पते देख उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी महक अपनी जान की परवाह किए बिना मां को बचाने के लिए चीखती हुई बीच में कूद पड़ी। लेकिन सिरफिरे रामजी पर न तो खून का रिश्ता हावी हुआ और न ही मासूमियत। उसने उस असहाय बच्ची के सिर और गले पर इतने क्रूर प्रहार किए कि पूरा कमरा खून से लाल हो गया।

### 8 दिनों तक अस्पताल में चली सांसों की जंग

हत्यारा रामजी वारदात को अंजाम देकर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने मां राधा को मृत घोषित कर दिया। वहीं, मां के कत्ल का खौफनाक मंजर अपनी आंखों से देखने वाली महक अस्पताल के बेड पर 8 दिनों तक दर्द से कराहती रही और अंततः उसने भी दम तोड़ दिया।

### टिप्पणी - यह सिर्फ कत्ल नहीं, भरोसे की हत्या है

फैसला सुनाते समय अदालत का माहौल बेहद गंभीर था। न्यायाधीश ने अपनी टिप्पणी में कहा कि एक औरत जिसने सब कुछ त्यागकर आरोपी पर भरोसा किया, उसे सुरक्षा के बदले बर्बरता मिली। और उस 17 साल की बच्ची का क्या कसूर था, जिसकी आंखों में पूरा जीवन बचा था? उसने सिर्फ अपनी मां को बचाने की कोशिश की थी। कोर्ट ने कहा कि आरोपी ने जिस कदर बर्बरता और क्रूरता से दो जानें लीं, उसे किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय की नज़ीरों का ध्यान रखते हुए इसे 'दुर्लभ से दुर्लभतम' अपराध माना गया।

### धाराएं और अदालत का चाबुक

कोर्ट ने आरोपी रामजी भूमिया को तनिक भी राहत न देते हुए कठोर सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि आरोपी को भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 103 के तहत दोहरे कत्ल के जुर्म में गले में फांसी का फंदा लगाकर तब तक लटकाया जाए जब तक उसकी मृत्यु न हो जाए।

### अनाथ बच्चे के लिए मुआवजा और हाईकोर्ट को रेफरेंस

इस खूनी मंजर में मृतका का एक छोटा बेटा फरियादी आसिफ पूरी तरह अनाथ हो गया। कोर्ट ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बालक को आर्थिक सहायता देने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर को निर्देश जारी किए हैं। वहीं, कानूनी प्रक्रिया के तहत मृत्युदंड की अंतिम पुष्टि के लिए केस की फाइल हाईकोर्ट को भेज दी गई है। तब तक आरोपी को केंद्रीय जेल जबलपुर में सलाखों के पीछे रखा जाएगा।

# पति की मौत के 10 साल बाद 12.44 लाख की रिकवरी पर कैट की रोक

**जबलपुर।** केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, कैट की जबलपुर बेंच ने रक्षा पेंशन से की जा रही 12.44 लाख रुपये की रिकवरी पर अंतरिम रोक लगाते हुए विधवा पेंशनभोगी को राहत दी है। न्यायिक सदस्य अखिल कुमार श्रीवास्तव की बेंच ने अगली सुनवाई तक पारिवारिक पेंशन से हर माह की जा रही 6,398 की कटौती स्थगित करने के आदेश दिए हैं। साथ ही केंद्र सरकार, रक्षा लेखा विभाग और संबंधित बैंक सहित पांच प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

**विधवा की पारिवारिक पेंशन से 6,398 की मासिक कटौती**

आवेदिका जबलपुर निवासी आशा पिल्ले ने मूल आवेदन में बताया कि उनके पति स्व. चंद्रशेखर पिल्ले, जो गन कैरिज फैक्ट्री, जीसीएफ जबलपुर में कार्यरत थे, का 21 नवंबर, 2015 को निधन हो गया था। इसके बाद उन्हें पारिवारिक पेंशन स्वीकृत हुई। वर्ष 2022 में रक्षा लेखा विभाग ने कथित अतिरिक्त भुगतान का हवाला देते हुए 12,44,462 की रिकवरी का आदेश जारी किया और पेंशन से 6,398 प्रतिमाह की कटौती शुरू कर दी। आवेदिका की ओर से अधिवक्ता अनिरुद्ध पांडे ने तर्क दिया कि पति के निधन के वर्षों बाद विधवा पेंशनभोगी से इतनी बड़ी राशि की वसूली न्यायसंगत नहीं है। प्रारंभिक सुनवाई के बाद कैट ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए निर्देश दिया कि अगली सुनवाई तक यदि कोई रिकवरी की जा रही है तो उसे स्थगित रखा जाए। मामले की अगली सुनवाई 31 अगस्त, 2026 को होगी।

एमपी राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव

## मतगणना में राकेश भदौरिया सबसे आगे

**जबलपुर ।** एमपी स्टेट बार काउंसिल निर्वाचन-2026 की मतगणना का कार्य शुक्रवार को भी शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से जारी रहा। इस दौरान टीकमगढ़, बड़नगर, महिदपुर, तराना, खाचरोद, नागदा और उज्जैन की मतपेटियों की सफलतापूर्वक गणना पूरी की गई। अब तक की प्रथम वरीयता मतों की गणना में राकेश सिंह भदौरिया बढ़त बनाए हुए हैं। उनके बाद विवेक सिंह, आरके सिंह सैनी, संदीप मेहता और नरेंद्र कुमार जैन का स्थान है। महिला प्रत्याशियों में प्रवीण तिवारी सबसे आगे हैं, जबकि अनु पटेल, प्रतीका पाठक, रश्मि हेमंत जैन और प्रतिभा वालिया क्रमशः अगले स्थानों पर हैं।निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार मतगणना स्थल पर सुरक्षा और अनुशासन की समुचित व्यवस्था रही तथा प्रत्येक चरण समयबद्ध तरीके से संपन्न हो रहा है।

# रेस के घोड़े किसे और कब बेचे पूरा ब्यौरा पेश करें : हाईकोर्ट

## फार्म हाउस में डेयरी संचालन मिलने की रिपोर्ट, घोड़ों की बिक्री पर मांगा जवाब

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट ने हैदराबाद से जबलपुर लाए गए रेस के घोड़ों की कथित मौत और देखरेख में लापरवाही के मामले में केयरटेकर को निर्देश दिया है कि वह शपथपत्र के साथ यह स्पष्ट करे कि घोड़े किसे, कब और कितनी संख्या में बेचे गए। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच के समक्ष सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से प्रस्तुत निरीक्षण रिपोर्ट में बताया गया कि तीन पशु चिकित्सकों और संबंधित थाना प्रभारी ने फार्म हाउस का निरीक्षण किया, जहां डेयरी संचालित होना पाया गया। जबलपुर निवासी पशु प्रेमी सिमरन इस्सर की याचिका में आरोप लगाया गया है कि हैदराबाद से 57 रेस के घोड़ों को बिना प्रशासन और पशु चिकित्सा विभाग को सूचना दिए पनागर के रैपुरा स्थित फार्म हाउस में रखा गया, जहां उचित भोजन और उपचार के अभाव में उनकी मौतें हुईं। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि निरीक्षण के लिए थाना प्रभारी से संपर्क करने पर उन्होंने महाधिवक्ता कार्यालय से निर्देश नहीं मिलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उनके बिना ही निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई।पूर्व में केयरटेकर सचिन तिवारी ने हाई कोर्ट में शपथपत्र देकर बताया था कि 57 में से 19 घोड़ों की मौत हो चुकी है, 22 घोड़े बेच दिए गए तथा तीन नए घोड़े खरीदे गए हैं। बाद में यह भी कहा गया कि सभी घोड़े बेच दिए गए हैं। इन विरोधाभासी तथ्यों को देखते हुए हाई कोर्ट ने घोड़ों की बिक्री का पूरा रिकॉर्ड प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

# 56 किलो गांजा जब्ती मामले में अभियोजन नाकाम, वाहन स्वामी बरी

**जबलपुर।** करीब ढाई वर्ष तक चली सुनवाई के बाद विशेष न्यायाधीश, एनडीपीएस एक्ट प्रबेन्द्र कुमार सिंह की अदालत ने सिहोरा के खितौला थाना क्षेत्र में 56 किलो 236 ग्राम गांजा जब्ती प्रकरण में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। न्यायालय ने वाहन स्वामी रज्जू सिंह उर्फ राजू सिंह लोधी को दोषमुक्त करते हुए स्पष्ट किया कि अभियोजन उनके विरुद्ध आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में विफल रहा। रज्जू सिंह की ओर से अधिवक्ता संदीप जैन ने पैरवी की।अभियोजन के अनुसार 20 फरवरी, 2024 को खितौला थाना क्षेत्र में बोलेरो वाहन से 56 किलो 236 ग्राम गांजा जब्त किया गया था। पुलिस ने वाहन स्वामी रज्जू सिंह को भी अवैध परिवहन और आपराधिक षड्यंत्र का आरोपित बनाया था। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने पुलिस विवेचना, जब्ती की वैधानिक प्रक्रिया और साक्ष्यों की श्रृंखला में गंभीर त्रुटियों की ओर न्यायालय का ध्यान आकर्षित किया। बचाव पक्ष का तर्क था कि केवल वाहन स्वामी होने मात्र से आपराधिक दायित्व सिद्ध नहीं हो जाता, जब तक उसकी संलिप्तता ठोस एवं विश्वसनीय साक्ष्यों से प्रमाणित न हो।

# जिस्म के दलाल ने फैला रखा है नेटवर्क

**जबलपुर।** आधारताल थाना अतंर्गत सुहागी क्षेत्र में पिछले दिनों पकड़े गए देह व्यापार के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है कि इस रैकेट में महिलाएं सप्लाई करने वाले आरोपी कपिल जायसवाल द्वारा अब तक लगभग एक सैकडा से अधिक महिलाओं को देह व्यापार के अलग-अलग अड्डों पर भेजा था। वह इन सभी महिलाओं से वसूली भी करता था।

**सुहागी में छापे के बाद पूछताछ में बड़ा खुलासा**

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति अनु बेनीवाल ने बताया कि 10 जुलाई को एक सूचना के बाद महिला थाना पुलिस ने सुहागी क्षेत्र में चल रहे देह व्यापार के अड्डे पर छापामार कार्रवाई की थी जिसमें उक्त अड्डे से महिलाओं के साथ पुरुषों को हिरासत में लिया गया था। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि नरसिंहपुर के गाडरवारा में किराए के मकान में रहने वाला कपिल जायसवाल अड्डे के लिए महिलाओं की प्लाई करता है। इस जानकारी के बाद गाडरवारा से कपिल जायसवाल को हिरासत में लिया गया। उससे रिमांड के दौरान की गई पूछताछ व पडताल में पता चला कि आरोपी ने एक पूरा नेटवर्क बनाया हुआ था और उसके संपर्क में लगभग 1 सौ से ज्यादा महिलाएं हैं, जिन्हें वह देह व्यापार के अलग-अलग अड्डों पर भेजता था और इन सभी से कमीशन भी लेता था। उक्त आरोपी ने अपना नेटवर्क केवल जबलपुर और नरसिंहपुर नहीं बल्कि प्रदेश और प्रदेश के बाहर भी फैलाया हुआ था। पुलिस को इस मामले में कई दलालों का भी पता लगा है, जिनकी संख्या लगभग 20 बताई जा रही है।

# ओवरलोड ऑटो और ब्लैक फिल्म लगी कारों पर शिकंजा

**जबलपुर।** शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कैंट थाना क्षेत्र के यादगार चौक आम रोड पर चलित न्यायालय की कार्रवाई की गई। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 14 चालान बनाए गए और 6 हजार 500 रुपये का समन शुल्क वसूला गया।इस अभियान का नेतृत्व प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी स्वास्तिक सावंत ने किया। कार्रवाई में क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर ऑटो चलाने, आगे की सीट पर यात्री बैठाने और कारों में प्रतिबंधित ब्लैक फिल्म लगाकर वाहन चलाने वालों पर मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। मौके पर कारों से ब्लैक फिल्म भी हटवाई गई। अभियान में यातायात थाना गढ़ा के निरीक्षक वीरेंद्र आरख सहित यातायात एवं थाना कैंट का पुलिस बल मौजूद रहा।कार्रवाई के दौरान ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को निर्धारित क्षमता के अनुसार ही सवारी बैठाने, यात्रियों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने और सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने की हिदायत दी गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

## जिला अधिवक्ता संघ चुनाव : प्रत्याशियों और मतदाताओं के लिए आचार संहिता जारी

**जबलपुर।** जिला अधिवक्ता संघ, जबलपुर के चुनाव (2026-28) को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने प्रत्याशियों एवं मतदाताओं के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अधिसूचना के अनुसार न्यायालय परिसर के अंदर या बाहर किसी भी प्रकार के बैनर, पोस्टर, पर्चे, पम्पलेट अथवा कटआउट लगाने पर रोक रहेगी। प्रचार के लिए केवल पोस्टकार्ड आकार के साइनिंग कार्ड का उपयोग किया जा सकेगा।निर्देशों में कहा गया है कि किसी भी प्रत्याशी के विरुद्ध निराधार आरोप, नकारात्मक प्रचार या मतदाताओं को किसी प्रकार का प्रलोभन देना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। सामूहिक भोज, उपहार, पेन या डायरी जैसी सामग्री का वितरण भी वर्जित रहेगा। मतदान दिवस 28 जुलाई को केवल अधिवक्ताओं को ही न्यायालय परिसर में प्रवेश की अनुमति होगी। विधि छात्र, प्रत्याशियों के स्वजन, मित्र अथवा अन्य व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। प्रत्याशी अपने बैठने की व्यवस्था न्यायालय परिसर के बाहर फुटपाथ पर करेंगे तथा सभी न्यायालय गेट अवरोध मुक्त रखे जाएंगे। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए प्रचार सामग्री स्वयं हटाने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा उसका खर्च संबंधित प्रत्याशी से वसूला जाएगा। मुख्य चुनाव अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि दिशा-निर्देशों के उल्लंघन पर संबंधित प्रत्याशी के चुनाव को निरस्त करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

# झांसेबाज ने एटीएम कार्ड बदलकर निकाले 39 हजार

**जबलपुर।** अधारताल थाना अतंर्गत महाराजपुर में एटीएम मशीन से पैसे निकालने गई एक महिला को वहां मौजूद झांसेबाज ने ट्रांजेक्शन सही नहीं होने का झांसा देकर एटीएम कार्ड बदल लिया और 39 हजार रुपए निकालकर भाग गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर आरोपी की शिनाख्त की जा रही है।घटना के संबंध में अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराजपुर पटेल नगर निवासी प्रायवेट टीचर शिवानी शर्मा कल दोपहर लगभग 12-15 बजे महाराजपुर स्थित एसबीआई एटीम से अपनी सास प्रमीला शर्मा का एटीएम लेकर पैसा निकालने गयी थी। एटीएम से उसने 1500 रूपये निकाले। इस बीच वहां पर एक व्यक्ति आया। वह एटीएम कार्ड वापस निकालने लगी तो बोला कि मैडम आपका ट्रांजेक्शन सही नहीं हुआ। आप पुनः एटीएम लगाकर कोड डाले तो उसने एटीएम मशीन में लगाकर कोड डाला। इसी बीच अज्ञात व्यक्ति ने उसका एटीएम मशीन से उसके एटीएम को निकाल वापस दिया। वह एटीएम लेकर घर आ गयी। थोड़ी देर बाद उसकी सास के मोबाइल से पैसे कटने का मैसेज आया। उसने पति को बताया और एटीएम कार्ड लेकर स्टेटमेंट निकालने पुनः महाराजपुर एटीएम गये। वहां पर एटीएम कार्ड को मशीन में लगाये और एटीएम पिन डाला तो गलत पिन का होना लिखा आया। पति ने एटीएम कार्ड देखा जो सुरेन्द्र कुमार नामदेव के नाम का था। अज्ञात व्यक्ति द्वारा छलपूर्वक उसकी सास के खाता से एटीएम बदलकर छल करते हुये 38 हजार 500 रूपये निकाल कर धोखाधड़ी की। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 318(4), 319(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

# गरीबों को फर्जी बीपीएल कार्ड थमाने पर आयोग ने लिया संज्ञान

**जबलपुर।** शहर के गोरखपुर क्षेत्र में गरीबी रेखा रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली लगभग 25 गरीब महिलाओं से पैसे लेकर फर्जी बीपीएल कार्ड बनाने का मामला सामने आया है। क्षेत्र की कई गरीब महिलाओं ने बीपीएल कार्ड बनवाने के लिये संबंधित गोरखपुर तहसील कार्यालय में संपर्क किया था। वहां पदस्थ एक महिला कर्मचारी द्वारा राशन कार्ड बनाने के लिए पीड़ित उन गरीब महिलाओं से अनावश्यक रूप से 10-10 हजार रूपये लेकर ठग लिये और उनके फर्जी राशन कार्ड बना दिये। फर्जी कार्ड के कारण गरीब महिलाओं को उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। साथ ही उन्हें कई शासकीय योजनाओं से वंचित भी होना पड़ रहा है। पीड़ित गरीब महिलाओ नें पुलिस मे शिकायत भी दर्ज करवाई किन्तु कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई । मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रिय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा नें बताया की मीडिया रिपोर्ट के आधार पर जनहित में मामले को स्वतः संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुये, आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकलपीठ ने मानव अधिकारों के उल्लंघन का मामला मानकर, जबलपुर के कलेक्टर से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक सप्ताह में मांगा है।

# चलती ट्रेनों में कर देता था जेवर पार

## आरोपी से जीआरपी ने बरामद किए 3 लाख के आभूषण

**जबलपुर।** जीआरपी थाना जबलपुर ने चलती ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 3 लाख 52 हजार 420 रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।

जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत ने बताया कि गत 21 जुलाई 2026 को रेलवे स्टेशन जबलपुर के प्लेटफॉर्म-1 पर संदिग्ध अवस्था में घूम रहे 52 वर्षीय राजा निषाद निवासी चित्रकूट (उ.प्र.) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने बीते तीन माह के दौरान भुसावल-कटनी पैसेंजर और कटनी-भुसावल पैसेंजर ट्रेनों में चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया।आरोपी की निशानदेही पर एक सोने का हार, तीन नाक की लौंग, एक नथ, एक मंगलसूत्र, 12 सोने की मनचली के गुरिया, दो सोने की अंगूठियां और एक जोड़ी चांदी की पायल बरामद की गई। चोरी का कुछ सामान कटनी स्थित एक ज्वेलर्स को बेचने की

जानकारी भी सामने आई, जहां से दो सोने की अंगूठियां और चांदी की पायल जब्त की गई। ज्वेलर्स संचालक के खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की गई है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240